@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 29 दिसंबर 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 49 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पंचतत्व में विलीन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर को नई दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। वे 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री थे। इसके अलावा वे आरबीआई गवर्नर, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री भी रहे। उन्हें आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है। केंद्रीय सरकार ने मनमोहन सिंह के सम्मान में एक जनवरी 2025 तक सात दिनों के लिए राजकीय शोक घोषित किया है। इसके साथ ही सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में पूर्व पीएम का स्मारक बनाने की घोषणा की। शनिवार को निगम बोध घाट पर उनका अंतिम संस्कार हुआ। इससे पहले सुबह 8ः30 बजे से उनका पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय में रखा गया, जहां पार्टी कार्यकर्ता व आम जनता ने उनके दर्शन किए। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी पार्टी कार्यालय में उपस्थित थीं। यहां पूर्व पीएम के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी गई। पार्टी के शीर्ष नेताओं ने अंतिम बार पूर्व पीएम को नमन किया। निगम बोध घाट पर मनमोहन सिंह को अंतिम सलामी दी गई। तीनों सेनाओं ने मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर को सलामी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह निगमबोध पहुंचे। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और मॉरीशस के विदेश मंत्री मनीष गोबिन भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए निगम बोध घाट पहुंचें। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मनमोहन सिंह को अंतिम बार निगम बोध घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी के अलावा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह आदि ने निगम बोध घाट पर मनमोहन सिंह को दी अंतिम श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने निगम बोध घाट पर देश के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि दी। मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू हुई। राहुल गांधी ने पूर्व पीएम की पार्थिव देह को कंधा दिया। डॉ. मनमोहन सिंह पंचतत्व में विलीन हुए। पूर्व पीएम को अंतिम सलामी दी गई। पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम सम्मान हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर को उनके आवास से कांग्रेस कार्यालय ले जाया गया। उसके बाद निगम बोध घाट लाया गया, जहां उनका अंतिम संस्कार हुआ। इस दौरान पूर्व पीएम के पार्थिव शरीर को जिस वाहन में ले जाया जा रहा था, उसमें राहुल गांधी भी मौजूद थे।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। 1991 में उन्होंने उदारीकरण को लागू कर बड़ा कदम उठाया। अमेरिका के साथ हुए भारत के असैन्य परमाणु करार के अमल में भी उनका अहम योगदान रहा। प्रोफेसर, आरबीआई गवर्नर, मुख्य आर्थिक सलाहकार, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री जैसे पदों पर रहने के बाद डॉ. मनमोहन सिंह 10 साल प्रधानमंत्री भी रहे। सरकार में अलग-अलग जिम्मेदारियां संभालने के बाद शीर्ष पद तक पहुंचने वाले भी वे इकलौते नेता रहे। खबरों के खिलाड़ी में इस बार में उन्हीं के योगदान को याद किया गया। चर्चा के लिए वरिष्ठ पत्रकार विनोद अग्निहोत्री, हर्षवर्धन त्रिपाठी, राजकिशोर, समीर चौगांवकर, अवधेश कुमार और पूर्णिमा त्रिपाठी मौजूद थे। समीर चौगांवकरः उनके व्यक्तित्व की तो विपक्ष भी तारीफ करता है। प्रधानमंत्री के तौर पर और वित्त मंत्री के तौर पर मनमोहन सिंह का कार्यकाल अलग-अलग आंका जा सकता है। कांग्रेस ने उन्हें इसलिए प्रधानमंत्री बनाया क्योंकि गांधी परिवार को एक भरोसेमंद व्यक्ति चाहिए था, जो पार्टी संगठन के लिए कोई खतरा पैदा न करे। मनमोहन सिंह के चयन से पहले सोनिया गांधी के पास पीवी नरसिम्हा राव और सीताराम केसरी जैसे उदाहरण थे। मनमोहन सिंह का पहला कार्यकाल अच्छा रहा, लेकिन दूसरे कार्यकाल के आखिर के वर्षों में कई तरह के घोटाले सामने आए। हालांकि, वित्त मंत्री के तौर पर उनके पांच साल सबसे अच्छे रहे। मनमोहन सिंह ने एक बुनियाद रखी, जिस पर आगे जाकर दूसरे वित्त मंत्रियों ने इमारत खड़ी की। राजकिशोरः वो आसमान था, लेकिन सिर झुकाकर चलता था। राजनीतिक तौर पर हमेशा सही बने रहने की उनकी कोई मजबूर नहीं थी। पीवी नरसिम्हा राव चाहते थे कि लीक से हटकर एक ऐसा व्यक्ति वित्त मंत्री बने, जो गिरती अर्थव्यवस्था को उबार सके। वैश्वीकरण, उदारीकरण और निजीकरण लाकर वे अर्थव्यवस्था के कर्णधार बने। जब वो प्रधानमंत्री बने तो इस पद के लिए वो दूसरी पसंद थे। कांग्रेस की पहली पसंद तो सोनिया गांधी थीं। अमेरिका के साथ असैन्य परमाणु करार पर उनकी हिम्मत हमेशा याद रखी जाएगी। मनमोहन सिंह सीईओ की तरह थे। वे देश चला रहे थे। राजनीति की कमान सोनिया गांधी के पास थी। यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में वे काजल की कोठरी में से बेदाग होकर निकले।

अंतिम संस्कार के लिए परिवार को वांछित जगह नहीं: सुखबीर बादल

कौमी संवाददाता

चंडीगढ, 28 दिसंबर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार कल दिल्ली में निगमबोध घाट पर होना है। इससे पहले कांग्रेस ने मांग की थी कि सरकार ऐसी जगह दे जहां उनका स्मारक भी बनाया जा सके। गृह मंत्रालय की तरफ से निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार की सूचना जारी होने के बाद कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि देश पहले सिख प्रधानमंत्री का जानबूझकर अपमान किया गया है। केंद्र सरकार की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किए जाने को लेकर कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि, पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए

स्थान न ढूंढ़ना भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री का जानबूझकर किया गया अपमान है। कांग्रेस नेता की ये प्रतिक्रिया केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से साझा की गई जानकारी के बाद आई है। एमएचए ने एक सूचना में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को सुबह 11ः45 बजे निगमबोध घाट श्मशान घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने आगे कहा, सरकार ने निर्णय लिया है कि डॉ. मनमोहन सिंह का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। इसमें ये भी कहा गया है कि रक्षा मंत्रालय से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के पूरे सैन्य सम्मान के साथ राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया है।

कूकी उग्रवादियों की गोलीबारी पर भड़के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह

इंफाल, 28 दिसंबर। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने इंफाल ईस्ट के सनसाबी और थमनापोकपी में कूकी उग्रवादियों द्वारा की गई अंधाधुंध गोलीबारी की कड़ी निंदा की। बता दें, इस घटना में नागरिक और सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, मैं सनसाबी और थमनापोकपी में कूकी उग्रवादियों द्वारा की गई अंधाधुंध गोलीबारी की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें नागरिकों और सुरक्षा कर्मियों को चोटें पहुंची हैं। यह निर्दोष जिंदगियों पर किया गया कायरतापूर्ण और बिना उकसावे का हमला शांति और सद्भावना पर हमला है। उन्होंने आगे कहा, प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा बलों को भेजा गया है। घायलों को आवश्यक चिकित्सा सहायता दी जा रही है, और सरकार ऐसी चुनौतियों का सामना करते हुए शांति और एकता की अपील करती है।

इस साल यहां 38 हत्याएं हुईं, मुंडे को मंत्री बनाना गलती: संजय राउत

मुंबई, 28 दिसंबर। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को बीड में हुई हत्याओं का आकड़ा बताते हुए फडणवीस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि मध्य महाराष्ट्र के बीड जिले में, जहां इस महीने की शुरुआत में एक सरपंच की बेरहमी से हत्या की गई थी, इस साल 38 हत्याएं हो चुकी हैं। पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधाते हुए कहा कि बीड से आने वाले एनसीपी मंत्री धनंजय मुंडे को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल करना एक गलती थी। संजय राउत ने कहा कि बीड में इस साल 38 हत्याएं हो चुकी हैं। गांवों में बंदूक और पिस्तौल लेकर घूम रहे युवकों के लिए कौन जिम्मेदार है? महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील राज्य में यह क्या हो रहा है? उनका नेता कौन है? राउत ने यह भी कहा कि अगर लोगों को लगता है कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है, तो इसके लिए गृह मंत्री जिम्मेदार हैं, क्योंकि गृह विभाग का प्रभार फडणवीस के पास है। बता दें कि राउत का यह बयान बीड के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के बाद आया है। विपक्ष ने राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र में दावा किया था कि मुंडे के सहयोगी वाल्मिक कराड इस हत्या के मास्टरमाइंड थे, लेकिन उन्हें बचाया जा रहा था। हत्या के मामले में एफआईआर में कराड का नाम नहीं है, लेकिन उन्हें जबरन वसूली के मामले में आरोपी माना गया है। इस बीच, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता प्रकाश महाजन ने कहा कि वह अपनी बंदूक और हथियार का लाइसेंस पुलिस को सौंपने की योजना बना रहे हैं। महाजन ने कहा कि क्षेत्र में अपराध बढ़ने के कारण बंदूक रखने से नकारात्मक छवि बन रही है। भाजपा विधायक सुरेश धास ने भी बीड में अपराध से जुड़ा एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले से जुड़े 9 अरब रुपये के लेन-देन में बीड का एक व्यक्ति शामिल था और इसका लिंक मलेशिया तक जाता है।

राजकीय शोक के बीच सरकारी कार्यक्रम में शामिल हुए केरल के सीएम

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। देश की राजधानी दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। वहीं इस दौरान केरल में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की तरफ से एक आधिकारिक उद्घाटन समारोह में शिरकत की गई। जिसकी कांग्रेस पार्टी ने जमकर आलोचना की है। केरल में कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की आलोचना की है, क्योंकि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर पूरे देश में शोक की लहर के बीच राज्य में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आधिकारिक उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया। कोच्चि में पत्रकारों से बात करते हुए राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने मुख्यमंत्री के इस कदम को अपमानजनक और अनुचित बताया। विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा कि दस साल तक भारत के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार नई दिल्ली में हो रहा है, जबकि मुख्यमंत्री जैसे किसी व्यक्ति का कोच्चि हवाई अड्डे पर आधिकारिक कार्यक्रम में शामिल होना और उसका उद्घाटन करना अपमानजनक और अनुचित है। उन्होंने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री को ऐसे कार्यक्रम में शामिल नहीं होना चाहिए था और हवाई अड्डे के प्रबंधन से अनुरोध किया गया था कि वह समारोह को स्थगित कर दें और एक दिन पहले मुख्यमंत्री को इस बारे में सूचित करें। वीडी सतीशन ने मुख्यमंत्री के इस व्यवहार पर अपना दुख और विरोध व्यक्त किया है। इससे पहले दिन में केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) की तरफ से विकसित और आईएचसीएल ताज समूह की तरफ से संचालित पांच सितारा होटल ताज कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। आज नई दिल्ली में, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का भारत और विदेश के शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस राहुल गांधी समेत कांग्रेस के शीर्ष नेता शामिल हुए।

मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल हुए भूटान के राजा

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर पूरे भूटान में विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की गई हैं। जानकारी के मुताबिक हिमालयी देश के सभी 20 जोंगखाग या जिलों में पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री के लिए अलग-अलग प्रार्थना समारोह आयोजित किए गए। जबकि भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक शनिवार को दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इससे एक दिन पहले उन्होंने थिम्पू के एक बौद्ध मठ में पूर्व प्रधानमंत्री के लिए प्रार्थना की थी। वहीं भूटान की शाही सरकार के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सम्मान में भूटान का राष्ट्रीय ध्वज पूरे देश में और विदेशों में मौजूद उसके दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में आधा झुका दिया गया। थिम्पू के कुएनरे ऑफ ताशिचोदजोंग में आयोजित समारोह में एक हजार घी के दीपक जलाए गए, जिसका नेतृत्व राजा वांगचुक ने किया। इस प्रार्थना समारोह में प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, भारतीय राजदूत सुधाकर दलेला, शाही परिवार के कई सदस्य और भूटानी सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। भूटान सरकार ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में और भारत सरकार और लोगों के साथ एकजुटता के प्रतीक के रूप में, देश भर में और विदेशों में भूटान के दूतावासों, मिशनों और वाणिज्य दूतावासों में सभी राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे। जबकि शनिवार को, राजा वांगचुक ने दिल्ली के निगमबोध घाट सार्वजनिक श्मशान घाट पर मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, जो 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री रहे और जिन्हें भारत के आर्थिक सुधारों के निर्माता के रूप में जाना जाता है, का गुरुवार रात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वे 92 वर्ष के थे। मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भूटान समेत कई प्रमुख देशों के साथ भारत के संबंधों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई। भारत और भूटान के बीच सद्भावना, विश्वास और पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग पर आधारित मजबूत मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत-भूटान संबंधों का मूल ढांचा 1949 में हस्ताक्षरित मैत्री और सहयोग की संधि है।

35 लोगों को कार से कुचलने वाले अपराधी को सजा-ए-मौत

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। चीन की एक अदालत ने उस व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई है, जिसने दक्षिणी चीन में भीड़ पर अपनी कार चढ़ाकर 35 लोगों की हत्या कर दी थी। सीएनएन ने सरकारी मीडिया के हवाले से बताया कि, 62 वर्षीय फैन वेइकू ने नवंबर में झुहाई में आउटडोर स्थल पर व्यायाम कर रहे लोगों पर अपनी कार चढ़ा दी थी। झुहाई इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने फैन को दोषी ठहराए जाने के बाद शुक्रवार को सजा सुनाई, सीएनएन ने राज्य प्रसारक सीसीटीवी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया। इस मामले में अदालत ने कहा कि 11 नवंबर को रात 8 बजे (स्थानीय समय) से कुछ समय पहले, फैन ने अपनी कार को भीड़ में घुसा दिया, जो उसकी असफल शादी और एक अनुचित तलाक समझौते के कारण गुस्से में थी। जैसे ही उसका वाहन झुहाई स्पोर्ट्स सेंटर के मैदान में घुसा, उसने ट्रैक के आसपास व्यायाम कर रहे दर्जनों लोगों को टक्कर मार दी। घटना के बाद, अधिकारियों ने फैन वेइकू को कार में चाकू से खुद को घायल करने की कोशिश करते हुए पाया और उसे अस्पताल ले गए। चीन के झुहाई शहर में भीषण कार हादसे में 35 लोगों की मौत हो गई थी और 43 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। यह हादसा 12 नवंबर को हुआ जब एक कार तेजी से भीड़ के बीच घुस गई और वहां मौजूद लोगों को कई लोगों को रौंद दिया। इस मामले में चीनी पुलिस अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं इस भीषण कार हादसे पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दुख जताया और निर्देश दिया था, कि दोषी को कानून से सख्त सजा मिले। हाल के महीनों में चीन में आम लोगों - जिनमें बच्चे भी शामिल हैं - को निशाना बनाकर हिंसा की घटनाओं में खासी बढ़ोतरी देखी जा रही है, क्योंकि देश के आर्थिक विकास में कमी आई है, जिससे लोग लंबे समय से कम हिंसक अपराध दर और सर्वव्यापी निगरानी के आदी हो चुके हैं।

संजय सिंह ने केंद्र सरकार की सोच को बताया घिनौनी

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार 26 दिसंबर को नई दिल्ली के एम्स में निधन हो गया था। उन्हें आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है। केंद्रीय सरकार ने उनके सम्मान में एक जनवरी 2025 तक सात दिनों के लिए राजकीय शोक घोषित किया है। इसके साथ ही सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में पूर्व पीएम का स्मारक बनाने की घोषणा की। केंद्रिय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और मनमोहन सिंह के परिवार को सूचित किया है कि सरकार स्मारक के लिए जगह आवंटित करेगी। अब पूर्व प्रधानमंत्री के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने के मुद्दे पर सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस ने सरकार पर पूर्व प्रधानमंत्री की स्मारक के लिए जगह नहीं ढूंढ पाने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे मनमोहन सिंह का अपमान बताया। हालांकि, पूर्व पीएम के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी ने भी प्रतिक्रिया दी। पार्टी नेता संजय सिंह ने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि केंद्र सरकार की सोच कितनी घिनौनी है। संजय सिंह ने कहा, यह दिखाता है कि सरकार की सोच कितनी घिनौनी है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूछना चाहता हूं कि आप मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए राजघाट परिसर में जगह देने को तैयार क्यों नहीं हैं? यह पार्टी खुद को सबसे संस्कारी बताती है। आप मुझे ऐसे एक पीएम का नाम बताएं जिनका अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किया गया है। सिख समुदाय कितना अपमानित महसूस कर रही है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने के मुद्दे पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार को आगे आकर घोषणा करनी चाहिए थी कि अटल बिहारी वाजपेयी की तरह उनके लिए भी एक स्मारक बनाया जाएगा। मनमोहन सिंह पिछले 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री थे। मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, आज बहुत ही मार्मिक क्षण है। एक बहुत अच्छा इंसान, एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, एक राजनेता आज हमारे साथ नहीं है। यह केवल भारत के लिए ही नहीं बल्कि विश्व के लिए भी दुख का दिन है। वे बहुत ही सरल जीवन जीते थे। उनकी आत्मा को शांति मिले। कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने कहा, यह आधुनिक भारत के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। वे आधुनिक भारत 2.0 के निर्माता थे जिसे जवाहरलाल नेहरू स्थापित करना चाहते थे। उन्होंने भारत को वहां पहुंचाया, जहां हम अभी हैं। वे एक महान व्यक्ति थे, उन्होंने राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया। बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को फोन कर डॉ. मनमोहन सिंह के लिए स्मारक बनाने की मांग की थी। खरगे के फोन के जवाब में सरकार की तरफ से स्थल देने पर विचार करने के लिए दो-चार दिन का समय मांगा गया। इसकी जानकारी कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में रखी गयी तो प्रियंका गांधी ने कहा कि ऐसे में अंतिम संस्कार के लिए मनमोहन सिंह को वीर भूमि या शक्ति स्थल का ही कोई हिस्सा दे दिया जाए, वहीं उनका समाधि स्थल भी बन सकता है।

अन्ना यूनिवर्सिटी यौन उत्पीड़न मामले में महिला आयोग सख्त

चेन्नई, 28 दिसंबर। चेन्नई स्थित अन्ना विश्वविद्यालय कैंपस में एक छात्रा से कथित यौन उत्पीड़न का मामला लगातार गरमाता जा रहा है। बढ़ते विरोध को देखते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग ने सच सामने लाने के लिए एक जांच समिति का गठन किया है। वहीं, राज्यपाल आरएन रवि भी शनिवार को घटना की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय पहुंचे। अन्ना विश्वविद्यालय में हुई घटना ने पूरे चेन्नई को हिलाकर रख दिया है। तमिलनाडु की राजनीति गरमाने लगी है। यहां एक 19 साल की छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न किया गया। मामला तब सामने आया, जब छात्रा ने इसकी पुलिस से खुद शिकायत की थी। शुरू में पुलिस ने केस को हल्के में लिया और कोई कार्रवाई नहीं की। सोशल मीडिया पर केस उछला तब पुलिस हरकत में आई। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। 37 वर्षीय आरोपी यूनिवर्सिटी परिसर के पास में बिरयानी बेचता है। घटना 23 दिसंबर की है। महिला आयोग ने यौन उत्पीड़न मामले की जांच के लिए दो सदस्यीय फैक्ट-फाइंडिंग समिति का गठन किया है। समिति को इस मामले की जांच करने, घटना के पीछे के हालात का विश्लेषण करने और अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों का मूल्यांकन करने का काम सौंपा गया है। इसके अलावा, यह समिति मामले से संबंधित अधिकारियों, पीड़िता, उसके परिवार, दोस्तों और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के साथ भी बातचीत करेगी ताकि तथ्यों का पता लगाया जा सके और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के उपाय सुझाए जा सकें। महिला आयोग ने अन्ना विश्वविद्यालय में हुई यौन उत्पीड़न की घटना का स्वतः संज्ञान लिया है। इस संदर्भ में पहले ही तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी किया जा चुका है। दो सदस्यीय समिति 30 दिसंबर को चेन्नई जा सकती है। बता दें, दो सदस्यीय समिति में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी और महाराष्ट्र के पूर्व डीजीपी तथा एनएचआरसी के महाराष्ट्र और गोवा क्षेत्र के विशेष प्रतिवेदक आईपीएस (सेवानिवृत्त) प्रवीण दीक्षित शामिल हैं। महिला आयोग का कहना है, एक रिपोर्ट के अनुसार आरोपी विश्वविद्यालय कैंपस के बाहर फुटपाथ पर बिरयानी बेचता है। उसके खिलाफ 2011 में भी एक लड़की के साथ दुष्कर्म करने का मामला दर्ज है। इसके अलावा उसके खिलाफ लूटपाट समेत 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस को शक है कि आरोपी के मोबाइल में कई और लोगों के भी आपत्तिजनक वीडियो हो सकते हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

बस और ट्रेलर ट्रक की टक्कर , आठ की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन । पूर्वी मेक्सिको में एक यात्री बस और सेमी-ट्रेलर ट्रक के बीच टक्कर हो गई, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। वेराक्रूज राज्य अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने बताया कि यह हादसा वेराक्रूज राज्य के लॉस मोलिनोस के पास पेरोटे-जालापा राजमार्ग पर हुआ। इस हादसे में तीन पुरुषों, चार महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई।इसमें बताया गया है कि जालपा क्षेत्रीय अभियोजक के कार्यालय ने हादसे का कारण पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, एडीओ बस मेक्सिको सिटी-जलापा मार्ग पर जा रही थी। ऐसा लगता है कि बस चालक सेमी-ट्रेलर को देख नहीं पाया, जिसके कारण टक्कर हो गई। वेराक्रूज की गवर्नर रोशियो नहले ने सोशल मीडिया पर बताया कि राज्य सरकार दुर्घटना से प्रभावित यात्रियों और उनके परिवारों की मदद के लिए संघीय सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह दुखद हादसा पश्चिमी राज्य मिचोआकेन में हुई एक और दुर्घटना के अगले दिन हुआ, जिसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई थी। एक और घटना में पश्चिमी मैक्सिको के मिचोआकेन राज्य में एक दुर्घटना में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जैसा कि स्थानीय प्रशासन ने बताया।

भारत की 'आर्थिक प्रगति' को आकार देने में मनमोहन सिंह की थी 'महत्वपूर्ण भूमिका' : गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से दुखी हैं, सिंह ने देश की 'आर्थिक प्रगति' को आकार देने में 'महत्वपूर्ण भूमिका' निभाई थी। यह बात उनकी सहयोगी प्रवक्ता स्टेफनी ट्रेम्बले ने कही। उन्होंने एक बयान में कहा, 'महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ।' बयान में कहा गया कि उन्होंने भारत के इतिहास में विशेषकर इसकी आर्थिक प्रगति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह ने भारत में महत्वपूर्ण आर्थिक वृद्धि और विकास की अवधि का पर्यवेक्षण किया। इसमें कहा गया है, उनके नेतृत्व में भारत ने संयुक्त राष्ट्र के साथ अपने सहयोग को भी मजबूत किया तथा वैश्विक पहलों और साझेदारियों में सक्रिय योगदान दिया। मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने 10 वर्षों के दौरान गुटेरेस के दो पूर्ववर्तियों कोफी अन्नान और बान की मून के साथ सहयोग किया तथा न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के साथ-साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनसे मुलाकात की। मनमोहन सिंह ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को पांच बार संबोधित किया। गरीबी उन्मूलन के लिए सतत विकास के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन से लड़ना भी संयुक्त राष्ट्र के एजेंडे में शीर्ष स्थान पर रहा है।

जर्मन राष्ट्रपति ने भंग की संसद, फरवरी में होंगे चुनाव

बर्लिन। जर्मन राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर ने संसद के निचले सदन बुंडेस्टैग को भंग कर दिया। इससे समय से पहले संघीय चुनाव का रास्ता साफ हो गया। स्टीनमीयर ने बर्लिन में घोषणा की कि प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा पूर्व में की गई सहमति के अनुसार, 23 फरवरी को त्वरित चुनाव होंगे। स्टीनमीयर ने इस बात पर जोर दिया कि इन चुनौतीपूर्ण समय में विश्वसनीय संसदीय बहुमत वाली सक्षम सरकार की आवश्यकता है। समाचार एजेंसी अनुसार, उन्होंने कहा कि देश के हित के लिए नए चुनाव उचित कदम हैं। 16 दिसंबर को जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ बुंडेस्टाग में विश्वास मत हार गए। इस कदम ने स्कोल्ज़ की अल्पसंख्यक गठबंधन सरकार को भंग कर दिया और एक ऐसी प्रक्रिया शुरू कर दी, जिसके कारण समय से पहले संघीय चुनाव हुए। विश्वास मत में 207 संसद सदस्यों ने स्कोल्ज़ पर विश्वास व्यक्त किया, 394 ने उनके खिलाफ मतदान किया तथा 116 ने मतदान में भाग नहीं लिया।

पूर्व राष्ट्रपति की गिरफ्तारी पर वरिष्ठ अधिकारी ने कहा - सही समय का कर रहे इंतजार

ला पाज (बोलीविया)। दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया के पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालेस को जल्दी ही गिरफ्तार किया जा सकता है। यह जानकारी देश के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। देश के समन्वय एवं सरकारी प्रबंधन उप मंत्री गुस्तावो टोरिको ने इस विषय पर जानकारी देते हुए कहा, हमें सही समय का इंतजार करना होगा। कार्रवाई की जाएगी। निर्दोष लोगों के जीवन को जोखिम में डाले बिना गिरफ्तारी वारंट का पालन कराया जाएगा। पूर्व राष्ट्रपति अब देश के कोचाबम्बा विभाग के चापारे में लॉयल सोशल मूवमेंट द्वारा संरक्षित इलाके में रह रहे हैं। क्रिसमस के रात्रिभोज के दौरान, उन्होंने अपने समर्थकों को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने अपनी गिरफ़्तारी के प्रयास को राजनीतिक उत्पीड़न बताया। बता दें कि बोलीवियाई सरकार में मंत्री ने एक बयान में बताया कि इससे पहले 19 दिसंबर को बोलीविया के अभियोजन पक्ष ने मोरेलेस के खिलाफ मानव तस्करी के आरोप में एक इमिग्रेशन अलर्ट जारी करने की मांग की थी। पूर्व राष्ट्रपति पर आरोप लगाया गया है कि वे 2006 से 2019 तक राष्ट्रपति रहने के दौरान 2015 में एक बलात्कार की जांच से जुड़े मानव तस्करी के मामले में शामिल थे। वर्तमान में जारी जांच में उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया था।

सीरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति असद के समर्थकों की धरपकड़ तेज

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया से भागकर रूस में शरण लेने वाले अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थक नेताओं और अधिकारियों की धरपकड़ का अभियान आज शुरू किया गया। सीरिया में नियंत्रण पा चुके हयात तहरीर अल-शाम के सदस्य इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। इन लोगों के हाथ में सीरिया के सैन्य विभाग की कमान है। इस अभियान के दौरान झड़पों के बाद कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। अरबी न्यूज वेबसाइट '963+' ने सूत्रों के हवाले से कहा कि सैन्य विभाग ने अपदस्थ राष्ट्रपति के समर्थकों और अधिकारियों को पकड़ने के लिए आज देश के लताकिया गवर्नरेट में व्यापक अभियान शुरू किया। इस दौरान लताकिया के मस्तराखू गांव में इन लोगों के साथ झड़पें हुई हैं। इसके बाद लताकिया के ग्रामीण इलाके में स्थित हमीमिम बेस के आसपास चौकियां स्थापित की गई। इस बेस के

आसापस रूसी सुरक्षाबल पहले से मौजूद हैं। सैन्य विभाग ने होम्स, टार्टस और सफिता में अपना ढांचा मजबूत किया है। उत्तर-पश्चिमी हामा ग्रामीण इलाके के हलफया शहर से अपदस्थ शासन के दर्जनों समर्थकों को गिरफ्तार किया है। देश के पूर्व में स्थित दीर एज-जोर के ग्रामीण इलाके में सीरियाई-इराकी सीमा पर अल्बुकामल शहर में सैन्य विभाग के लड़ाकों की ईरान समर्थक 47वीं रेजिमेंट के आतंकियों के बीच झड़पें हुई हैं। इसमें दो आतंकी घायल हो गए। छह को गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान मशीनगन और गोला-बारूद जब्त किया गया। अल्बुकमल देहात के सुकारिया शहर में ईरान समर्थक इस रेजिमेंट का एक हथियार डिपो भी मिला है। इस अभियान के दौरान दीर एज-जोर के पूर्वी ग्रामीण इलाके के अल-अशरा शहर में ईरान समर्थक गुटों के चार सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। इनमें अंतर अल-अहमद उर्फ अबू अल-गैदा भी है। डेर एज-जोर के पूर्वी ग्रामीण इलाके के अल-मयादीन शहर से कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें हमजा अल-ओलायन और अहमद अल-खलौफ प्रमुख हैं। इससे पहले मसयाफ शहर और कुदसाया से अपदस्थ शासन के 80 से अधिक अधिकारियों और सदस्यों को गिरफ्तार किया गया।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी का फासीवाद विरोधी दलों से एक होने का आह्वान

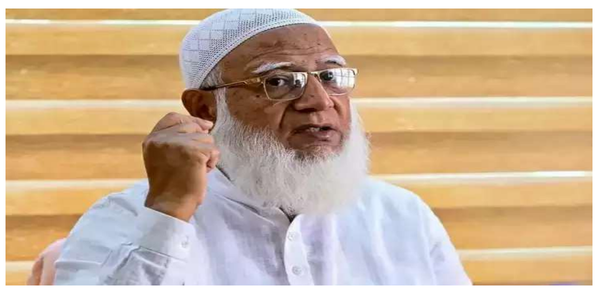

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के अमीर डॉ. शफीकुर रहमान ने आज सुबह मुक्ति संग्राम की भावना के साथ आजादी के लिए लड़ रहे युवाओं की आकांक्षाओं से प्रेरित एक नया बांग्लादेश बनाने के लिए सभी फासीवाद विरोधी राजनीतिक दलों के बीच एकता का आह्वान किया। उन्होंने यह तकरीर राजधानी के सुहरावर्दी उद्यान में आयोजित खिलाफत मजलिश के 12वें जनरल काउंसिल सत्र में की।

ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, डॉ. रहमान ने बांग्लादेश में लोकतंत्र की स्थापना के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, बांग्लादेश 2024 के मुक्ति संग्राम में भाग लेने वाले युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप आगे बढ़ेगा। नए बांग्लादेश में सभी फासीवाद विरोधी राजनीतिक दल एकजुट होंगे। जमात प्रमुख ने अफसोस जताते हुए कहा, पिछले डेढ़ दशक में मुल्क के इस्लामी विद्वानों को अभूतपूर्व स्तर पर अन्याय और प्रतिशोध का शिकार होना पड़ा है। खिलाफत मजलिश में विभिन्न इस्लामी राजनीतिक संगठनों के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

काठमांडू में सेंट जोसेफ हाईस्कूल का नया नाम होगा गुरुकुलम, 20 विद्यालयों के नाम बदले गए

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के मेयर बालेन शाह के विदेशी नाम वाले स्कूलों के नाम बदलने के सालभर पुराने आदेश पर अमल शुरू हो गया। काठमांडू महानगर पालिका ने 20 स्कूलों के स्वदेशी नाम रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। नए शैक्षिक सत्र से इन विद्यालयों को परिवर्तित नामों से जाना जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार, सेंट जोसेफ हाईस्कूल को गुरुकुलम, सेंट लुईस स्कूल को विद्या सदन, कोलंबस इंटरनेशनल को मेधाश्री, सन साइन इंग्लिश बोर्डिंग को सूर्य किरण विद्यालय, इंटरनल लाइट को वेदश्री विद्यालय, किंग्स जॉर्ज को संपदा विद्यालय, न्यू नालेज स्कूल को नवज्ञान विद्यालय, सेंट टॉडलार्स को समर्पण विद्या सदन, डिवाइन वर्ल्ड इंटरनेशनल को दिव्य ज्ञान विद्या सदन,हार्मोनी मांटेसरी को कल्पवृक्ष शिक्षा सदन, गोल्डन गार्डन स्कूल को

स्वर्णिम वाटिका और हार्टलैंड स्कूल को हृदय निकेतन के नाम से जाना जाएगा। काठमांडू महानगर पालिका ने बाकी स्कूलों को 35 दिन का समय दिया है। मेयर शाह का कहना है कि अगर इन स्कूलों ने इस अवधि में नाम परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी नहीं की तो अगले शैक्षिक सत्र से उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

दक्षिण कोरिया में राजनीतिक संकट और गहराया, कार्यवाहक राष्ट्रपति के खिलाफ भी महाभियोग प्रस्ताव पारित

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया में राजनीतिक संकट और गहरा गया। राष्ट्रपति यून सुक येओल की तरह कुछ दिन पहले कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाए गए सत्तारूढ़ पार्टी के प्रधानमंत्री हान डक-सू के खिलाफ नेशनल असेंबली ने महाभियोग प्रस्ताव पारित कर दिया। इस तरह प्रधानमंत्री हान को दो सप्ताह से कम समय में सत्ता से बाहर कर दिया गया। कोरिया के संसदीय इतिहास में पहली बार है कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री (सरकारी पदानुक्रम में शीर्ष दो पद) दोनों को उनके कर्तव्यों से निलंबित कर दिया गया। द कोरिया टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार तीन सौ सदस्यों वाली नेशनल असेंबली में 192 सदस्यों वाली मुख्य विपक्षी दल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया

(डीपीके) ने कल हान के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था। आज नेशनल असेंबली में उस पर मतदान हुआ। 108 सदस्यों वाली सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) ने मतदान का बहिष्कार किया। उन्होंने स्पीकर पर मनमानी करने का आरोप लगाया। अब संवैधानिक न्यायालय के पास यह तय करने के लिए 180 दिन हैं कि हान के महाभियोग को बरकरार रखा जाए या नहीं। महाभियोग पारित होने के बाद अब उप प्रधानमंत्री चोई सांग-मोक को अंतरिम नेतृत्व संभालना होगा। वह देश के वित्तमंत्री भी हैं। महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के बाद हान ने कहा, मैं नेशनल असेंबली के फैसले का सम्मान करता हूं। मैं संवैधानिक न्यायालय के फैसले का इंतजार करूंगा। प्रधानमंत्री हान ने कार्यवाहक राष्ट्रपति की हैसियत से संवैधानिक न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। इससे नाराज मुख्य विपक्षी दल ने उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया। यह पूरा विवाद येओल की अल्पकालिक मार्शल लॉ घोषणा से जुड़ा हुआ है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में नौ आतंकवादी मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पहाड़ी क्षेत्र उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान में सुरक्षाबलों ने रात को मुठभेड़ में नौ आतंकवादियों को मार गिराया। सात आतंकवादियों के घायल होने का अंदेशा जताया गया है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का पहाड़ी क्षेत्र मनरा आतंकवादियों का सबसे बड़ा गढ़ है। सुरक्षा बलों ने यहां आतंकवादियों के छुपने के महत्वपूर्ण स्थान को विस्फोट कर उड़ा दिया।

डॉन समाचार पत्र की खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि यह मुठभेड़ मीर अली तहसील के बरहो खेल इलाके में हुई। सुरक्षाबलों को खुफिया इनपुट मिला था कि लगभग 25 आतंकवादी छुपे हुए हैं। सुरक्षाबलों ने इस स्थान को घेरकर उन्हें ललकारा। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। मारे गए आतंकवादियों में कमांडर अब्दुल हक और मोईन भी हैं। घटनास्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। इस मुठभेड़ के बारे में पूछने पर सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज

पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि आधिकारिक बयान तैयार किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुरुवार रात दक्षिण वजीरिस्तान की बीरमल तहसील में किए गए दो हमलों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। रात करीब 10 बजे किए गए हमलों में मनरा इलाके में आतंकवादियों के एक ठिकाने (घर) को विस्फोट कर उड़ा दिया गया। मनरा में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादी घूमते रहते हैं।

पाकिस्तान सेना की आईएसपीआर ने अलापा कश्मीर राग

एजेंसी

रावलपिंडी। पाकिस्तान की संघीय सरकार के नक्श-ए-कदम पर चलते हुए उसकी सेना की जनसंपर्क शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) ने भी अब कश्मीर का राग अलापना शुरू कर दिया है। पहले की तरह उसने इसके लिए भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाते हुए कहा कि पाकिस्तान हर मंच पर कश्मीर का मुद्दा उठाता रहेगा। आईएसपीआर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने आज संवाददाता सम्मेलन में मुल्क में जारी आतंकवाद विरोधी अभियान की सफलता की चर्चा करते हुए लगे हाथ भारत का जिक्र करना नहीं भूले। उन्होंने क्षेत्रीय तनाव पर चर्चा की। चौधरी ने कहा कि भारत के किसी भी आक्रमण का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान की सेना की पूरी तैयारी है। उन्होंने भारत के जम्मू-कश्मीर में कश्मीरियों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उसकी निंदा

की। उन्होंने कहा कि भारत ने कश्मीर को हिंसा का केंद्र बना दिया है। वहां अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन हो रहा है। पाकिस्तान कश्मीर के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्हें कानूनी, राजनयिक और नैतिक समर्थन प्रदान करना जारी रखेगा। आईएसपीआर मुख्यालय में हुए इस संवाददाता सम्मेलन में महानिदेशक चौधरी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सशस्त्र बलों को पिछले पांच वर्ष की तुलना में इस वर्ष सबसे अधिक सफलता मिली है। आतंकवादियों के खिलाफ 59,779 से अधिक खुफिया-आधारित ऑपरेशन चलाए गए। इस दौरान 925 आतंकवादी मारे गए। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान की सेना और पुलिस आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिदिन 169 से अधिक अभियान चला रही है।

अमेरिका में बेघरों की रिकॉर्ड संख्या, सड़कों पर रात गुजारने को मजबूर लाखों लोग

एजेंसी

न्यूयॉर्क । संयुक्त राज्य अमेरिका में आवास संकट गहरा गया है। संघीय आंकड़ों के अनुसार, 2024 में बेघरों की संख्या सबसे अधिक रही। जारी अमेरिकी आवास और शहरी विकास विभाग (एचयूडी) की रिपोर्ट की मानें तो जनवरी 2024 में एक रात में बेघरों की संख्या 7,71,480 थी जो 2023 से 18.1 फीसदी ज्यादा है।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इलिनोइस, हवाई और अन्य राज्यों में बेघरों की संख्या मं सबसे अधिक वृद्धि हुई। इन जगहों पर किफायती घरों की चुनौती और प्रवासियों की संख्या बढ़ने के कारण स्थिति और बिगड़ी है। एचयूडी डाटा के अनुसार, इलिनोइस में बेघर लोगों की संख्या 116.2 प्रतिशत बढ़ी, जिससे इसकी बेघर आबादी 25,832 हो गई। शिकागो क्षेत्र में इस वृद्धि का 91 प्रतिशत हिस्सा

प्रवासियों की वजह से था। रिपोर्ट के मुताबिक, शिकागो में आपातकालीन आश्रयों में 13,600 से अधिक प्रवासी और शरणार्थी थे। हवाई में बेघरों की संख्या में 87 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे बेघर लोगों की तादाद 11,637 हो गई। माउई में लगी आग के कारण 5,200 से अधिक लोग आपातकालीन आश्रयों में रह रहे थे। मैसाचुसेट्स में 53.4 प्रतिशत और न्यूयॉर्क में 53.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। न्यूयॉर्क में यह वृद्धि मुख्य रूप से शरण चाहने वालों की वजह से थी, जो बेघरों का लगभग 88 प्रतिशत थे। एचयूडी सचिव एड्रिएन टॉडमैन ने कहा, किसी भी अमेरिकी को बेघर नहीं होना चाहिए।

उन्होंने बेघर होने की समस्या को खत्म करने के लिए ठोस प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। कोलोराडो में बेघर होने की संख्या 29.6 प्रतिशत बढ़ी और राज्य में 18,715 लोग बेघर थे। कैलिफोर्निया में देश के बेघर लोगों का लगभग चौथाई हिस्सा है, जहां 187,084 लोग बेघर हैं, और यहां 3.1 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। हालांकि, लॉस एंजिल्स में बेघर होने की संख्या में केवल 5 प्रतिशत की कमी आई है, इसके बावजूद यहां बेघर लोगों के लिए आवास का संकट बरकरार है।

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार ने दिया मतदाता की न्यूनतम आयु 17 वर्ष करने का सुझाव

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने आज सुझाव दिया कि मतदाता की न्यूनतम आयु 17 वर्ष होनी चाहिए। उन्होंने यह सुझाव फोरम फॉर बांग्लादेश स्टडीज के चुनाव संवाद कार्यक्रम के लिए भेजे वीडियो संदेश में दिया। उन्होंने कहा, युवाओं को देश के भविष्य पर राय देने का पूरा अधिकार है। इसलिए देश में मतदान की उम्र 17 साल तय की जानी चाहिए। बांग्लादेश में मतदान करने की न्यूनतम उम्र 18 साल और चुनाव लड़ने की आयु 25 साल है। प्रोफेसर यूनुस ने उम्मीद जताई कि चुनाव सुधार आयोग उनकी सिफारिश पर गौर करेगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में युवाओं की संख्या बहुत अधिक है। युवा देश के भविष्य के निर्माण में रुचि रखते हैं। मुख्य सलाहकार ने कहा, मुझे नहीं पता कि चुनाव सुधार आयोग क्या सिफारिश करेगा, लेकिन अगर देश के अधिकांश लोगों को आयोग द्वारा

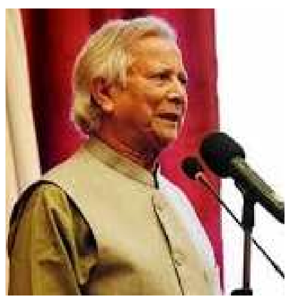

अनुशंसित उम्र पसंद है, तो मैं आम सहमति तक पहुंचने के लिए इसे स्वीकार करूंगा। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार ने देश के लिए 15 सुधार आयोगों का गठन किया है। यह सभी आयोग जनवरी में अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। अंतरिम सरकार की कोशिश है कि देश चुनाव की राह पर आगे बढ़ सके। प्रोफेसर यूनुस ने कहा कि यह प्रत्येक नागरिक, राजनीतिक दल, प्रत्येक सामाजिक, आर्थिक, व्यापारिक और धार्मिक समुदाय की जिम्मेदारी है कि वे सुधार प्रक्रिया में खुशी के साथ भाग लें। मुख्य सलाहकार ने कहा कि यह अनिवार्य नहीं है कि सभी को आयोगों की सिफारिशें माननी होंगी। इसीलिए राष्ट्रीय सहमति निर्माण आयोग का भी गठन किया गया है। फासीवाद के खिलाफ लंबे संघर्ष में हिस्सा लेने वाले सभी योद्धाओं को याद करते हुए उन्होंने कहा, मैं विशेष रूप से उन छात्रों को सलाम करता हूं जो जुलाई के सामूहिक विद्रोह में शहीद हो गए। राष्ट्र नए बांग्लादेश के निर्माण में उनकी प्रेरणा और योगदान को कभी नहीं भूलेगा।

ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का भंड़ाफोड़ , तीन गिरफ्तार

एजेंसी

ट्यूनिस । ट्यूनिशियाई सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिमी प्रांत सिलियाना में सक्रिय ड्रग्स तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। इस मामले में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। ट्यूनिशियाई राष्ट्रीय गार्ड ने अपने फेसबुक पेज पर यह जानकारी दी। आधिकारिक जानकारी में बताया गया कि गिरफ्तार लोगों में एक महिला भी शामिल है, हालांकि ऑपरेशन के समय या संदिग्धों की पहचान का उल्लेख नहीं किया गया।

डॉ मनमोहन सिंह ने रखी 'संपन्न भारत-यूके साझेदारी' की नींव : ब्रिटेन के विदेश मंत्री

एजेंसी

लंदन । ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने 'संपन्न भारत-ब्रिटेन साझेदारी की नींव' रखी। लैमी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, डॉ. मनमोहन सिंह के साहसिक आर्थिक सुधारों ने भारत की अर्थव्यवस्था को बदल दिया। उनकी विरासत आधुनिक भारत को आकार दे रही है और उनके विजन ने आज के संपन्न यूके-भारत साझेदारी की नींव रखी। उनके परिवार और भारतीय लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुनिया भर के नेताओं और राज्य प्रमुखों ने मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। इससे पहले, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक जताया। उन्होंने ने डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व की तारीफ की। ब्लिंकन ने कहा कि उन्होंने भारत में आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने, अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु सहयोग समझौते सहित अमेरिका और भारत को करीब लाने के लिए उनके समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्व प्रधानमंत्री को एक उत्कृष्ट राजनेता बताया, जिन्होंने भारत के आर्थिक विकास और इसके वैश्विक हितों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और विदेश मंत्री ताकेशी इवाया ने पूर्व प्रधानमंत्री को उनके प्रयासों के लिए याद किया, जिन्होंने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए नींव तैयार की।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने भी पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक व्यक्त किया है। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में मैक्रों ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह के रूप में भारत ने एक महान शख्स और फ्रांस ने एक सच्चा मित्र खो दिया। उन्होंने अपना जीवन अपने देश के लिए समर्पित कर दिया। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार और भारत के लोगों के साथ हैं।

रामचंद्र पौडेल ने एक्स पर लिखा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से हम बहुत दुखी हैं। डॉ. सिंह भारत के एक दूरदर्शी नेता थे। मैं भारत सरकार और भारत के लोगों तथा शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना और संवेदना व्यक्त करता हूं। पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया। वो 92 साल के थे। उन्हें गुरुवार की शाम तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स में भर्ती कराया गया था। मनमोहन सिंह लगातार दो कार्यकाल के लिए, 22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। नब्बे के दशक की शुरुआती में दम तोड़ती भारतीय अर्थव्यवस्था को वित्त मंत्री के रूप में डॉ सिंह ने आर्थिक सुधारों के जरिए नया जीवन दिया। उन्हें भारत में आर्थिक सुधारों का जनक माना जाता है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

एलजेपी-आर के नेता हुलास पांडेय के पटना, दिल्ली और बेंगलुरु के ठिकानों पर ईडी का छापा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता हुलास पांडे के पटना, नई दिल्ली और बेंगलुरु स्थित ठिकानों पर छापा मारा। हुलास पांडे को एलजेपी-आर के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का करीबी माना जाता है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने आय से अधिक संपत्ति मामले में यह कार्रवाई की है। ईडी ने सुबह पटना, नई दिल्ली और बेंगलुरु में हुलास पांडे के ठिकानों पर छापा मारा।जांच एजेंसी ने पटना में गोला रोड स्थित आवास के साथ-साथ दानापुर में भी उनके ठिकानों पर छापा मारा। ईडी की टीम ने नई दिल्ली और बेंगलुरु में भी हुलास पांडे के ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी को हुलास पांडे की संपत्ति से जुड़ी कई नई जानकारियां मिली हैं। उलेखनीय है कि एलजेपी-आर के नेता हुलास पांडेय बाहुबली और पूर्व विधायक सुनील पांडेय के भाई हैं। सुनील पांडे ने पिछले दिनों ही भाजपा की सदस्यता ली है, जबकि सुनील पांडे के बेटे ने तरारी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में भाजपा के टिकट पर जीत दर्ज की है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर जमीअत उलमा-ए-हिंद ने श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है और इसे देश के लिए बड़ी क्षति बताया है। मौलाना मदनी ने अपने शोक संदेश में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने एक विख्यात अर्थशास्त्री, सक्षम राजनीतिज्ञ और प्रतिष्ठित नेता के रूप में देश के विकास और स्थिरता में बहुमूल्य सेवाएं प्रदान की हैं। उनके नेतृत्व में देश में न केवल आर्थिक सुधारों की नींव रखी गई, बल्कि शांति, विकास और सभी के लिए न्याय की मजबूत परंपरा को बढ़ावा मिला। मौलाना मदनी ने कहा कि उन्होंने अपने निर्विवाद व्यक्तित्व, सहिष्णुता और जनसेवा की भावना से एक मिसाल कायम की। वह राजनीति में शिष्टता और सिद्धांतों पर अडिग रहने वाले एक आदर्श व्यक्ति थे, जिनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। उनके जमीअत उलमा-ए-हिंद के नेतृत्व विशेषकर फिदा-ए-मिल्लत मौलाना सैयद असद मदनी से विशेष संबंध थे। संसद सदस्य के रूप में हजरत फिदा-ए-मिल्लत के साथी भी रहे। इस नाचीज के साथ भी आत्मीयता रखते थे। जमीअत उलमा-ए-हिंद की मांग पर उन्होंने सच्चर कमेटी का गठन किया और सच्चर समिति के कुछ महत्वपूर्ण सुझावों को लागू करने का भी प्रयास किया। उनके निधन पर जमीअत उलमा-ए-हिंद उनके परिवार और उनके सभी चाहने वालों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है।

भारत में अमेरिकी दूतावास ने तोड़ा रिकॉर्ड, लगातार दूसरे साल 10 लाख वीज़ा जारी किए

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी दूतावास और उसके वाणिज्य दूतावास ने लगातार दूसरे वर्ष दस लाख से अधिक गैर-आप्रवासी वीज़ा जारी करके नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह भारतीय नागरिकों की पर्यटन, व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा उपचार और अन्य उद्देश्यों के लिए अमेरिका यात्रा को रेखांकित करती है। गैर-आप्रवासी वीज़ा इन तमाम यात्राओं के लिए अमेरिका में प्रवेश की सुविधा प्रदान करता है। अमेरिकी दूतावास ने आधिकारिक बयान में कहा कि पिछले चार वर्षों में भारत से आने वाले पर्यटकों की संख्या में पांच गुना वृद्धि हुई है और 2024 के पहले 11 महीनों में दो मिलियन से अधिक भारतीयों ने अमेरिका की यात्रा की है, जो 2023 की इसी अवधि की तुलना में 26 प्रतिशत की वृद्धि है। पांच मिलियन से अधिक भारतीयों के पास पहले से ही संयुक्त राज्य अमेरिका जाने के लिए गैर-आप्रवासी वीज़ा है और मिशन प्रत्येक दिन हजारों और लोगों को जारी करता है।

मनमोहन सिंह के निधन से आर्थिक सुधारों के एक युग का अंत हो गयाः शिवराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि अर्थशास्त्र के विद्वान, आर्थिक सुधारों के महानायक मनमोहन जी मौन हो गए, उनके जाने से आर्थिक सुधारों के एक युग का अंत हो गया। उनके आर्थिक सुधारों ने देश के विकास को नई दिशा और गति दी थी। उन्होंने श्रद्धांजलि देते हुए भगवान से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और उनके परिजनों एवं संपूर्ण देश को यह दुख सहन करने की क्षमता देने की प्रार्थना की। शिवराज सिंह ने एक बयान में कहा कि डॉ. सिंह जब प्रधानमंत्री थे, तो उन्हें मुख्यमंत्री के नाते उनके सानिध्य में रहने का सौभाग्य मिला था। एक बार मध्य प्रदेश में पाले, शीतलहर के कारण फसलों का व्यापक नुकसान हो गया था। जब केंद्र सरकार से किसानों की सहायता करने का आग्रह किया गया तब उधर से कह दिया गया कि पाला तो प्राकृतिक आपदा में आता ही नहीं है, इसलिए कोई राहत की राशि नहीं मिलेगी। मन बेचैन हो गया और किसानों के साथ बैठ गया था। तब मनमोहन जी का फोन आया कि कभी आपकी हुकूमत भी आ सकती है। उन्होंने दिल्ली बुलाया और बात करते हुए किसानों की समस्या का हल निकाला। उन्होंने बताया कि मनमोहन जी ने एक कमेटी बनाई जिसमें पाला प्राकृतिक आपदा है या नहीं यह तय किया जाना था।

दिल्ली चुनाव का बिगुल फूंकेंगे प्रधानमंत्री मोदी, 29 दिसंबर को जापानी पार्क में करेंगे बड़ी रैली

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) परिवर्तन रैली के जरिए शंखनाद करने जा रही है। 29 दिसंबर को रोहिणी के जापानी पार्क में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बड़ी रैली करेंगे। माना जा रहा है कि वे इस रैली में कई घोषणा कर सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी के सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली में अपनी पहली परिवर्तन रैली को संबोधित करेंगे और फरवरी 2025 में होने वाले आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकेंगे। सूत्रों ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री की एक और रैली 3 जनवरी, 2025 को होने वाली है। प्रधानमंत्री रैली में दिल्ली के लिए कुछ बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं।

इसके अलावा केंद्रीय चुनाव समिति की रविवार को बैठक होने की संभावना है और उम्मीदवारों की सूची जनवरी के पहले हफ्ते में जारी की जा सकती है। चुनाव आयोग ने अभी तक 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं की है। चुनाव अगले साल फरवरी में होने की संभावना है। दिल्ली में मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी, 2025 को समाप्त हो रहा है। आम आदमी पार्टी 2015 और 2020 में अपनी चुनावी सफलताओं के बाद लगातार तीसरी बार दिल्ली में सत्ता बरकरार रखना चाहती है। पार्टी ने 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में 2015 में 67 और 2020 में 63 सीटें जीती थीं जबकि भाजपा ने 2015 में तीन सीटें जीती थीं। 2020 में आठ सीट हासिल की थी। आम आदमी पार्टी की जीत के रथ को रोकने के लिए भाजपा लगातार झुग्गीवासियों में प्रचार प्रसार कर रही है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में पार्टी ने आम आदमी पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। आम आदमी पार्टी विधान सभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार चुकी है। कांग्रेस भी कुछ सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। भाजपा भी अगले हफ्ते उम्मीदवारों की सूची जारी कर सकती है।

डॉ. मनमोहन सिंह का निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षतिः सोनिया गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। आज शाम जारी अपने शोक संदेश में सोनिया गांधी ने कहा कि डॉ. सिंह का निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। वे मेरे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे। सोनिया गांधी ने कहा कि डॉ. सिंह के निधन से हमने एक ऐसे नेता को खो दिया है जो ज्ञान, बड़प्पन और विनम्रता के प्रतीक थे, जिन्होंने पूरे दिल और दिमाग से हमारे देश की सेवा की। कांग्रेस के लिए एक उज्ज्वल और प्रिय मार्गदर्शक, उनकी करुणा और दूरदर्शिता ने लाखों भारतीयों के जीवन को बदल दिया और उन्हें सशक्त बनाया। उन्हें भारत के लोगों द्वारा उनके शुद्ध हृदय और उत्तम बुद्धि के लिए प्यार किया जाता था। उनकी सलाह, बुद्धिमत्तापूर्ण सलाह और विचारों को हमारे देश के राजनीतिक स्पेक्ट्रम में उत्सुकता से मांगा जाता था और उनका बहुत सम्मान किया जाता था। दुनियाभर के नेताओं और विद्वानों द्वारा सम्मानित और प्रशंसित, उन्हें अत्यधिक ज्ञान और कद के राजनेता के रूप में सम्मानित किया गया। डॉ. सिंह ने अपने द्वारा संभाले गए प्रत्येक उच्च पद पर प्रतिभा और विशिष्टता लाई। उन्होंने भारत को गौरव और सम्मान दिलाया। सोनिया ने कहा कि डॉ. सिंह अपने व्यवहार में बहुत ही सौम्य थे लेकिन अपनी गहरी मान्यताओं के प्रति बहुत दृढ़ थे। सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता गहरी और अटूट थी। उनके साथ कुछ भी समय बिताना, उनके ज्ञान और बुद्धिमत्ता से प्रबुद्ध होना, उनकी ईमानदारी और निष्ठा से प्रभावित होना और उनकी वास्तविक विनम्रता से अभिभूत होना था।

रा.स्व.संघ के सह सरकार्यवाह ने डॉ. मनमोहन सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। रा.स्व.संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने पूर्व प्रधानमंत्री के निधन का समाचार पाकर एक संयुक्त शोक संदेश जारी किया। इसके बाद संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के प्रतिनिधि के तौर पर सह सरकार्यवाह (ज्वाइंट जनरल सेक्रेट्री) आलोक कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के आवास पर जाकर उनकी पार्थिव देह पर पुष्पांजलि अर्पित की और अंतिम प्रणाम निवेदित किया। इससे पूर्व, रा.स्व. संघ की ओर से जारी शोक संदेश में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और देश के वरिष्ठ नेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से पूरा देश बेहद दुःखी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उनके परिवार, अनगिनत प्रियजनों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

संघ ने शोक संदेश में कहा, डॉ. मनमोहन सिंह ने साधारण पृष्ठभूमि से आने के बावजूद देश के सर्वोच्च पद को सुशोभित किया। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. सिंह का भारत के लिए योगदान हमेशा याद किया जाएगा और संजोया जाएगा। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें।

कांग्रेस कार्य समिति ने डॉ. मनमोहन सिंह के योगदान को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति की यहां पार्टी मुख्यालय में एक बैठक हुई। इसमें दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। बैठक में शामिल पदाधिकारियों ने डॉ. सिंह के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। कांग्रेस कार्य समिति ने डॉ. मनमोहन सिंह के स्थायी योगदान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक में पारित प्रस्ताव के बारे में पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बताया कि उनके आर्थिक सुधार, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का दृष्टिकोण पार्टी को हमेशा प्रेरित करेगा और मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने ईमानदारी, परिश्रम और सहानुभूति के जो आदर्श स्थापित किए, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक दीपस्तंभ बने रहेंगे। पार्टी उनके मूल्यों को अक्षुण्ण रखते हुए एक समृद्ध और एकजुट भारत बनाने की दिशा में काम करेगी। डॉ. सिंह का नेतृत्व और अर्थशास्त्र में उनका योगदान हमेशा जीवित रहेगा

और हम सभी को प्रेरित करेगा, ताकि हम अपने महान देश की प्रगति और समृद्धि में योगदान दे सकें। कांग्रेस कार्य समिति ने डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक जताया और कहा कि उनके जीवन और कार्यों ने भारत के भविष्य को दिशा दिखायी। डॉ. सिंह , भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में एक विशाल व्यक्तित्व थे, जिनके योगदान ने देश को रूपांतरित किया और उन्हें विश्वभर में सम्मान प्राप्त हुआ। 1990 के दशक के प्रारंभ में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह भारत के आर्थिक उदारीकरण के शिल्पकार थे। अपनी अद्वितीय दूरदृष्टि के साथ उन्होंने ऐसे सुधारों की शुरुआत की, जिन्होंने न केवल देश को भुगतान संकट से उबारा, बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए द्वार खोले। उनके द्वारा किए गए विनियमन, निजीकरण और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने वाले नीतिगत कदमों ने भारत के तेज़ी से विकास की नींव रखी। उनके नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया, जो उनकी प्रतिभा और दृष्टिकोण का प्रमाण है। पारित प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि देश के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह ने देश का नेतृत्व शांति, दृढ़ संकल्प और असाधारण बुद्धिमत्ता के साथ किया। उनका कार्यकाल निरंतर आर्थिक वृद्धि, वैश्विक पहचान और सामाजिक प्रगति से चिह्नित था। उन्होंने 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान भारत को इस संकट से बचाने के लिए रणनीतिक उपाय किए।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री से मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए मांगी जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के दाह संस्कार और स्मारक बनाने के लिए केंद्र सरकार से जगह की मांग की है। इस बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से टेलीफोन पर बात की और इस आशय का पत्र भी लिखा है। पत्र में कांग्रेस की ओर से कहा गया है कि देश के सपूत डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार और स्मारक स्थापित करना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने आज शाम यह पत्र मीडिया के साथ भी साझा किया। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री के साथ टेलीफोन पर हुई वार्ता के संदर्भ को उद्धृत करते हुए कहा, डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार कल यानी 28 दिसंबर को उनके अंतिम विश्राम स्थल पर करने का अनुरोध किया, जो भारत के महान सपूत की स्मृति के लिए एक पवित्र स्थल होगा। यह राजनेताओं और पूर्व प्रधानमंत्रियों के स्मारक उनके अंतिम संस्कार स्थल पर ही होने की परंपरा के अनुरूप है।

खरगे ने पत्र में आगे लिखा है कि डॉ. सिंह देश और इस राष्ट्र के

लोगों की मानसिकता में अत्यधिक सम्मानित स्थान रखते हैं। उनका योगदान और उपलब्धियां अभूतपूर्व हैं। आर्थिक और राजकोषीय मामलों पर उनकी विद्वता भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार और कई संगठनों में विभिन्न अन्य पदों के रूप में उनके विशाल अनुभव से आती है। डॉ. सिंह के प्रति वैश्विक नेताओं का सम्मान और आदर इस तथ्य का प्रमाण है। वैश्विक आर्थिक वित्तीय संकट को कम करने में उनकी बुद्धिमान सलाह, नेतृत्व और योगदान को अच्छी तरह से स्वीकार किया जाता है। जैसा कि मुझे याद है, राष्ट्रपति ओबामा ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान डॉ. सिंह का उल्लेख किया और टिप्पणी की कि जब भी भारतीय प्रधानमंत्री बोलते हैं तो पूरी दुनिया उन्हें सुनती है।खरगे ने कहा कि जब देश गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह ही थे, जिन्होंने भारत को संकट से बाहर निकाला और देश को आर्थिक समृद्धि और स्थिरता की ओर अग्रसर किया। आज देश उनके द्वारा बनाए गए मजबूत आर्थिक आधार का लाभ उठा रहा है। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने और विभाजन के दर्द और पीड़ा का अनुभव करने के बाद, यह उनके दृढ़ संकल्प के कारण था कि वे दुनिया के अग्रणी राजनेताओं में से एक बन गए।

दिल्ली में बारिश के कारण एक्यूआई में सुधार, हटाई गईं ग्रैप-3 की पाबंदियां

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बारिश के कारण प्रदूषण स्तर में सुधार हुआ है। इसको देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राजधानी में जारी ग्रेडेड रिस्पोंस एक्शन प्लान (ग्रैप)-तीन की पाबंदियां हटा दी हैं। आयोग की उपसमिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। ग्रैप 3 की पाबंदियां हटाए जाने के बाद दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में अब निर्माण कार्य को मंजूरी होगी। साथ ही, बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल के वाहन बिना किसी रोकटोक के चल सकेंगे। दिल्ली सरकार ने इन वाहनों को सख्ती से रोकने के लिए 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। इनके अलावा पत्थर तोड़ने और खनन के काम को भी छूट मिलेगी। हालांकि ग्रैप एक और दो की पाबंदियां पहले की तरह लागू रहेगी। आयोग के मुताबिक शुक्रवार शाम सात बजे राजधानी दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 334 दर्ज किया गया। यह खराब श्रेणी में आता है। आयोग ने जारी एक बयान में कहा कि मौसम विभाग ने आगामी कुछ दिनों में बारिश और हवा चलने के कारण तोड़फोड़ गतिविधियों पर पाबंदीहोटल और रेस्तरां में तंदूर में कोयला और लकड़ी के उपयोग पर रोक शामिल है। इसके साथ डीजल जनरेटर सेट का उपयोग केवल आपातकालीन

मौसम ऐसी ही बने रहने का अनुमान जताया है। आयोग ने कहा कि दिल्ली में ग्रैप -1 और ग्रैप -2 की पाबंदियां जारी रहेंगी। क्या हैं ग्रैप तीन की पाबंदियां ग्रैप तीन की पाबंदियों में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल फोर व्हीलर गाड़ियों पर प्रतिबंध, दिल्ली में हल्के कमर्शियल गाड़ियों और डीजल ट्रकों की एंट्री पर रोक, गैर-जरूरी कंस्ट्रक्शन और परिस्थितियों में ही किया जा सकेगा, अस्वीकृत स्टैंडर्ड लिस्ट में शामिल ईंधन पर चलने वाले औद्योगिक संचालन पर पाबंदीसड़कों पर धूल को दबाने के लिए नियमित सफाई और पानी का छिड़काव किया जाएगा वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर पर पहुंचने के बाद 16 दिसंबर को दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू की गई थीं।

दिल्ली -एनसीआर में बारिश से बढ़ी ठिठुरन, आगे भी कोई राहत नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत समूचे उत्तर भारत में बारिश के चलते ठंड बढ़ गई है। राजधानी में घने बादलों और तेज बारिश के कारण दोपहर के समय ही अंधेरा छा गया। सड़कों पर वाहन चालकों को लाइट जलाकर चलना पड़ा। इसके साथ ही पहाड़ों में भी बर्फबारी के चलते मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के चलते कल यानि शनिवार को भी बारिश जारी रह सकती है और ठंढ बढ़ सकती है। गरज के साथ कुछ जगह ओलावृष्टि और तेज हवा चलने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार 27-29 दिसंबर के दौरान राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में देर रात एवं सुबह के समय घना से लेकर बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। 27 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के अलग-अलग इलाकों में ज़मीनी ठंड की स्थिति रहने की संभावना है। 27 और 28 दिसंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश,

विदर्भ, आंतरिक महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (हवा की गति 30-50 किमी प्रति घंटा) के साथ छिटपुट वर्षा की संभावना है।

27 दिसंबर को दक्षिण-पूर्वी हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और गुजरात क्षेत्र में और 27 और 28 दिसंबर को मध्य प्रदेश में गरज के साथ ओलावृष्टि की संभावना है।

पिछले 24 घंटों के दौरान

जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान 0एष्ट से नीचे रहा। उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में 10-15°C, मध्य, पश्चिम और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में 12-18°C के बीच रिकॉर्ड किया गया। आज देश के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस चुरू (पश्चिम राजस्थान) में दर्ज किया गया। अगले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में अलग-अलग स्थानों पर यह सामान्य से नीचे (-1.6 डिग्री सेल्सियस से -3.0 डिग्री सेल्सियस) रहेगा और देश के बाकी हिस्सों में लगभग सामान्य रहेगा।

मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

अगले 3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है। 29 से 31 दिसंबर तक हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में शीत लहर की स्थिति रहने की संभावना है। उत्तराखंड और हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में 27 और 28 दिसंबर को शीत दिवस की स्थिति रहने की संभावना है।

प्रधानमंत्री ने ओसामु सुजुकी के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के वरिष्ठ सलाहकार व मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के निदेशक और मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने ओसामु सुजुकी के साथ अपनी पुरानी तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए एक पोस्ट में लिखा, मैं सुजुकी के साथ अपनी कई मुलाकातों की यादें संजोकर रखता हूं और उनके व्यावहारिक और विनम्र दृष्टिकोण की दिल से प्रशंसा करता हूं। उन्होंने कड़ी मेहनत, बारीकियों पर सावधानीपूर्वक ध्यान और गुणवत्ता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण पेश करते हुए उदाहरण पेश किया। उनके परिवार, सहकर्मियों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना। उल्लेखनीय है कि ओसामु सुजुकी का 25 दिसंबर को घातक लिम्फोमा से निधन हो गया था। उनके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। वह 94 वर्ष के थे। ओसामु सुजुकी ने चार दशकों से अधिक समय तक जापान की सुजुकी मोटर का नेतृत्व किया।

बठिंडा बस हादसे पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया दुख, आर्थिक मदद की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंजाब के बठिंडा में बस हादसे पर दुख जताया। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बठिंडा, पंजाब में बस दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु के समाचार से मुझे गहरा दुख हुआ। मैं सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि इस दुर्घटना में घायल हुए सभी लोग शीघ्र स्वस्थ हों। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हवाले से कहा कि पंजाब के बठिंडा में बस दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

प्रत्येक मृतक के परिजनों को

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि पंजाब के बठिंडा में यात्रियों से भरी बस नाले में गिर गई। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हैं।

जमीअत ने मस्जिदों, पूजास्थल और वक्फ की सुरक्षा के लिए किया संघर्ष का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद कार्यकारिणी समिति की महत्वपूर्ण सभा नई दिल्ली में आईटीओ स्थित जमीअत मुख्यालय के मदनी हॉल में हुई। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में देश की वर्तमान सांप्रदायिक स्थिति सहित देश के विभिन्न हिस्सों में मस्जिदों और दरगाहों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाईयों, पूजास्थल अधिनियम और वक्फ संशोधन विधेयक जैसे ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा के बाद महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इसके साथ ही नए कार्यकाल के लिए जमीअत उलमा-ए-हिंद के नए सदस्य बनाने की भी घोषणा की गई। सभा में दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी समेत देशभर से जमीअत उलमा-ए-हिंद कार्यकारिणी समिति के सदस्यों और विशेष आमंत्रित लोगों ने भाग लिया और देश में अलग-अलग क्षेत्रों में होने वाली घटनाओं और समस्याओं पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय भाषण में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने कहा कि देश की मौजूदा स्थिति बेहद चिंताजनक है। नफरत के बढ़ते हुए माहौल ने न सिर्फ कानून-व्यवस्था के लिए खतरा पैदा किया है, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें व्यवस्थित तरीके से काम करना होगा, ताकि न केवल इन खतरों का सामना किया जा सके, बल्कि अपने बुनियादी संवैधानिक अधिकारों की भी प्रभावी ढंग से रक्षा की जा सके। मौलाना मदनी ने कहा कि हम हमेशा से इस बात के पक्षधर रहे हैं कि सांप्रदायिकता का जवाब साम्प्रदायिकता से नहीं दिया जा सकता है। मुस्लिम समुदाय को चाहिए कि वह अपने चरित्र और आचरण के जरिए न केवल अपनों के दरमियान एकता पैदा करे, बल्कि देशवासियों के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने का प्रयास करें। कार्यकारिणी समिति ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में जमीअत उलमा-ए-हिंद के नए कार्यकाल 2024-27 के लिए सदस्य बनाने और चुनाव की भी घोषणा की। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि सर्कुलर जारी होने की तारीख से लेकर 1 अप्रैल 2025 तक सदस्य बनाने की प्रक्रिया चलेगी।

नांगल चौधरी का लाल बना नौ सेना में कैप्टन, क्षेत्र में खुशी

एजेंसी

नांगल चौधरी। नांगल चौधरी तहसील के गांव अकबरपुर का एक किसान परिवार आज गर्व और खुशी से झूम रहा है। परिवार का महज अठारह वर्षिय बेटा साहिल भारतीय नौसेना में कैप्टन के पद पर चयनित हुआ है। अकबरपुर निवासी नेकीराम चौधरी के पौत्र एवं कृष्ण चौधरी के पुत्र साहिल की इस उपलब्धि ने न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव का नाम रोशन किया है। सेना में यह पद प्राप्त करना किसी भी युवा के लिए सम्मान और गर्व की बात होती है। कैप्टन साहिल ने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से यह मुकाम हासिल किया। साहिल की दादी संतोष देवी, माता प्रियंका, नाना सूबेदार ताराचंद, मामा दीपक समेत अन्य सगे संबंधी उनकी इस उपलब्धि पर काफी खुश हैं। साहिल ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई दसवी तक श्रीकृष्णा स्कूल भूंगारका तथा जमा दो सीकर से करके आईआईटी रूडकी में सलैक्शन प्राप्त किया और वहीं से नौसेना में कैप्टन पद के लिए न्युक्ति पाई है।

नववर्ष की आड़ में असामाजिक गतिविधियां करने वालों की खैर नही : एसपी विजय प्रताप

नूंह। नूंह पुलिस कप्तान विजय प्रताप ने जिला वासियों को नववर्ष की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नववर्ष आगमन अवसर पर आम जनता द्वारा हर्षोल्लास/जश्न मनाया जाता है। नए साल 2025 के शांतिपूर्ण जश्न मनाने व आमज़न की सुरक्षा और बिना किसी समस्या या परेशानी के यातायात व्यवस्था सुगम करने के लिए 30 दिसंबर 2024 को शाम 6:00 बजे से नए साल के उत्सव के समापन तक आमजन के लिए यातायात संबंधी निर्देश जारी किए गए हैं। सार्वजनिक स्थान और सड़क के किनारे शराब पीना, वाहनों के साइलेंसर से पटाखे फोड़ ध्वनि प्रदूषण कर हुड़दंग करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शरारती तत्वों द्वारा इस अवसर पर शराब पीकर सार्वजनिक स्थानों एवं मार्गों पर की जाने वाली हुडदंग बाजी और गतिविधियों को नियंत्रण करने के उद्देश्य से व्यापक पुलिस प्रबंध किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नववर्ष के अवसर पर जिला नूंह के अंतर्गत मुख्य होटल, रेस्टोरेंट्स, ढाबों एवं धर्मशाला पर अलग से विशेष सुरक्षा बंदोबस्त किए गए हैं। जिला में अलग-अलग विशेष नाके चिन्हित कर स्थापित किए गए हैं। जिला नूंह में यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने के लिए यातायात प्रभारी को उचित निर्देश दिए गए हैं। असामाजिक तत्वों की प्रत्येक गतिविधियों पर नूंह पुलिस की विशेष पैनी नजर रहेगी।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में मौन रखकर की गई श्रद्धांजलि अर्पित

नूंह। पुलिस कप्तान विजय प्रताप के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए पुलिस लाइंस नूंह में स्थित डी ए वी पुलिस पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य बलवंत बिश्नोई ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर विद्यालय में होने वाली प्रार्थना सभा में बच्चों को संबोधित करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को बताया कि मनमोहन सिंह उन राजनेताओं में से एक थे,जिन्होंने शिक्षा व प्रशासन के क्षेत्र में सहजता से काम किया। सार्वजनिक पदों पर अपनी अलग-अलग भूमिकाओं में काम करते हुए उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के सुधार में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बच्चों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी साधारण पृष्ठभूमि से उठकर एक सम्मानित अर्थशास्त्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने वित्त मंत्री सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएँ दी। इस अवसर पर सभी बच्चों व अध्यापकों ने दो मिनट का मौन रखकर पुण्यात्मा को श्रद्धांजलि देते हुए उनको सद्गति प्रदान करने व शोकाकुल परिजनों को अथाह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने जाति-धर्म से ऊपर उठकर देशहित में काम किएः पंकज डावर

गुरुग्राम। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज डावर ने पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख जताया है। पंकज डावर ने डा. मनमोहन ङ्क्षसह जी द्वारा देशहित में किए गए कार्यों को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि डा. मनमोहन सिंह ऐसे प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने जाति-धर्म से ऊपर उठकर काम किए। उनके अर्थशास्त्र के ज्ञान का दुनियाभर में जिक्र होता था। चाहे वित्त मंत्री के रूप में हों या प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने देश को हमेशा आगे बढ़ाने का काम किया। डा. मनमोहन सिंह जी के रूप में हमने ज्ञान के भंडार को खो दिया है।

पंकज डावर ने कहा कि प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने जाति धर्म से ऊपर उठकर निर्णय लिए। उनके ऊपर किसी भी तरह का आरोप नहीं लगा। सिख समाज के साथ उनका जुड़ाव भले ही रहा हो लेकिन उनका निर्णय सामूहिक रूप से होता रहा है। वह एक सच्चे देशभक्त प्रधानमंत्री थे। डा. मनमोहन सिंह का जीवन सादगी भरा था। उनके विचार देश की तरक्की और अर्थव्यवस्था को सुधारने के रहे। वित्त मंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह का योगदान महत्वपूर्ण है। आधुनिक भारत के निर्माण में उनकी भूमिका को भूलाया नहीं जाएगा। देश के इतिहास में उनके जैसा वित्त मंत्री नहीं हुआ। पंकज डावर ने कहा कि भारत का जब भी आर्थिक इतिहास लिखा जाएगा।

वेद भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। सेक्टर-17 स्थित ब्लिस बैंक्वेट हॉल में 'वेद प्रचार एवं वेद ग्रंथ वितरण' कार्यक्रम का आयोजन हुआ जो भारतीय संस्कृति और सभ्यता को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल साबित हुआ। इस आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग, महिलाएं, युवा, और प्रमुख संतों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्य के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शामिल हुए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्री दिनेश चंद्र जी ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, परमार्थ निकेतन ऋषिकेश संत स्वामी चिदानंद सरस्वती जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज जी, आचार्य स्वदेशजी, अमरज्योति जी महाराज पालमपुर वाले, प्रोफेसर सुदर्शन शर्मा जी समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति इस आयोजन में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में निवेदक की भूमिका डॉक्टर दिनेश शास्त्री मने निभाई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वेद भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। इनमें न केवल धार्मिक बल्कि वैज्ञानिक और सामाजिक समस्याओं का भी समाधान छिपा है। हमें इसे जन-जन तक पहुँचाना होगा ताकि युवा पीढ़ी इसका लाभ उठा सके। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र यादव, अध्यक्ष, फेडरेशन ग्रीनवुड सिटी और गुरुग्राम होम डेवलपर्स

एसोसिएशन के संरक्षक दिनेश नागपाल को इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए साधुवाद दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के युग में जब नैतिक और सांस्कृतिक मूल्य खो रहे हैं, वेदों का ज्ञान मानवता को सही दिशा दे सकता है। यह केवल हमारे अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि आने वाले भविष्य का पथप्रदर्शक है। संत स्वामी चिदानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि वेदों का प्रचार-प्रसार करना हमारी जिम्मेदारी है। अगर हम इसे नई पीढ़ी तक नहीं पहुंचाएंगे, तो हमारी सांस्कृतिक धरोहर धीरे-धीरे विलुप्त हो जाएगी। यह आयोजन एक आदर्श उदाहरण है कि कैसे हम इसे फिर से जीवंत कर सकते हैं।

संत स्वामी धर्मदेव जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि वेद हमें सिखाते हैं कि कैसे प्रकृति और मानवता के बीच संतुलन बनाए रखा जाए। यह केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं हैं, बल्कि जीवन का मार्गदर्शक हैं। हमें इन्हें केवल पढ़ना ही नहीं, बल्कि जीवन में अपनाना चाहिए। संत स्वामी स्वदेश जी महाराज ने कहा कि वेदों में केवल आध्यात्मिक ज्ञान नहीं है, बल्कि यह मानवता के कल्याण का संपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यह आयोजन समाज में एक नई चेतना लाने का कार्य करेगा। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक दिनेश चंद्र जी ने कहा कि वेदों की शिक्षाएं सभी धर्मों, जातियों और वर्गों के लिए समान रूप से उपयोगी हैं। इसे अपनाकर हम अपने समाज को सशक्त और समृद्ध बना सकते हैं।फेडरेशन ग्रीनवुड सिटी के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र यादव ने कहा कि वेदों का ज्ञान हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। यह आयोजन हमारी संस्कृति को मजबूत करने और समाज को नई दिशा देने में मददगार साबित होगा।

जींद में बोले भाजपा अध्यक्ष, सदमे से बाहर नहीं निकली कांग्रेस

एजेंसी

जींद। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने कहा कि हरियाणा में 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। अबतक 40 लाख से ज्यादा सदस्य बन चुके हैं। पचास हजार सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। तीस हजार सक्रिय सदस्य बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी है और लोकतंत्र में उसका पूरा विश्वास है।

भाजपा में हर कार्यकर्ता के हित सुरक्षित है और वह निश्चित तौर पर सबसे ऊंचे पायदान पर जा सकता है जबकि दूसरी पार्टियों में इस प्रकार की व्यवस्था नहीं है। बडौली भाजपा युवा मोर्चा की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष तेजेंद्र ढुल भी मौजूद रहे। बड़ौली ने

कहा कि नगर निगम और नगर निकाय संस्थाओं के चुनाव पार्टी सिंबल पर लडने् का फैसला चुनाव की घोषणा के बाद कोर कमेटी की बैठक में किया जाएगा। पहले यह चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़े जाते रहे हैं और इस बार भी ऐसा ही फैसला किया जा सकता है। मोहनलाल बडोली ने कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और पूरी कांग्रेस वर्तमान में बेहोशी की हालत में है। उन्हें किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह करके अपना इलाज करवाना चाहिए। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भर्ती रोको गैंग बनाया हुआ है। जब भी कोई सरकारी भर्ती होती है वह कोर्ट के माध्यम से भर्ती रुकवाने का प्रयास करते हैं लेकिन कोर्ट ने इस बात को माना है कि भाजपा की सरकार ने भर्ती पूरी पारदर्शिता से करने का काम किया है। बिना पर्ची और बिना खर्ची के योग्यता के आधार नौकरिया दी जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। दिल्ली के लोग आम आदमी पार्टी से तंग आ चुके हैं और इस बार भाजपा वहां पर पूर्ण बहुमत से अपनी सरकार बनाने का काम करेगी।

समाधान शिविरों में शिकायतों का शीघ्रता से निपटारा करें अधिकारीः हितेश मीणा

एजेंसी

गुरुग्राम।एनसीआर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री गुरुग्राम के अध्यक्ष एच पी यादव ने पूर्व पीएम डा. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, विद्वान, राजनीतिज्ञ और सरल व्यक्तित्व वाला व्यक्ति माना जाता था।

एचपी यादव ने कहा कि आर्थिक नीतियों पर उनके द्वारा लिए गए निर्णयों के कारण ही आज हम विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। वह कम बोलते थे लेकिन उस समय उन्होंने जो फैसले लिए वह आज हमें दिखाते हैं कि उन्होंने कितनी सावधानी से फैसले लिए थे, उनकी मानवता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने देश को कई क्षेत्रों में विकास हेतु प्रेरित किया। उनकी ईमानदारी हमारे लिए हमेशा प्रेरणा बनी रहेगी। उन्होंने कठिन समय के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जब दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं उथल-पुथल के दौर से गुजर रही थीं। डॉ. मन मोहन सिंह के साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने उनसे कहा था कि आपकी

कंपनी अभी आकार में छोटी है लेकिन एक दिन छोटी कंपनी बड़ी हो जाएगी और देश के युवाओं को नौकरियां प्रदान करने में आप जैसी कंपनियों का अहम योगदान होगा। उनका दुखद निधन वास्तव में हमारे साथ-साथ हमारे देश के लिए भी अपूरणीय क्षति है।

हकेंवि में प्रतिभागियों ने सीखीं सामाजिक विज्ञान प्रबंधन की तकनीक

एजेंसी

महेंद्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित दो सप्ताह के अनुसंधान पद्धति और शैक्षणिक लेखन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के पांचवें दिन देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों के बीच संवाद हुआ। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों के कौशल विकास के लिए आयोजन टीम की सराहना की।

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप मे उपस्थित वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश के अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग के प्रो. अजय प्रताप ने सामाजिक विज्ञानों में डेटा तैयार करने और सामाजिक विज्ञान प्रबंधन पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. शैक्षणिक लेखन और प्रकाशन में नैतिकता तथा गुणवत्तापूर्ण पत्रिकाओं की पहचान पर केंद्रित व्याख्यान दिया।

पाठ्यक्रम सह-निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम निदेशक, प्रो. पायल कंवर चंदेल ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार व आईसीएसएसआर का उनके मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सीखने को जीवन पर्यंत की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करने वालों पर वर्ष 2024 में 55,454 बोतल जब्त कीः एसपी पूजा वशिष्ठ

एजेंसी

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वर्ष 2024 में सालभर अपराध और अपराधियों पर लगाम कसने की दिशा में जिला पुलिस का लगातार सख्त रुख रहा, जनवरी से दिसंबर माह में अब तक जिला पुलिस द्वारा अवैध शऱाब की तस्करी करने वालों की धरपकड़ के लिए समय-समय पर विशेष अभियान चलाए गए।

मजबूत खुफिया नेटवर्क की बदौलत जिला पुलिस ने वर्ष 2024 में अवैध रूप से शराब बेचने वालों पर शिकंजा कसा है। पुलिस ने अवैध शराब मामलों में 177 एफआईआर दर्ज कर 187 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा इन मामलों में देसी शराब, अंग्रेजी शराब व बीयर की 55,454 बोतलों को जब्त किया गया। वहीं वर्ष 2023 में पुलिस द्वारा अवैध शराब के 196 मामले दर्ज कर 238 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया

था, जिनसे 32,812 बोतल अवैध शराब बरामद की गई थी।

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने बताया कि जिला पुलिस ने जनवरी से लेकर दिसम्बर माह में अबतक अवैध शराब का कारोबार करने वालों पर आबकारी अधिनियम के तहत 177 मामले दर्ज किए हैं। इन मामलों में अब तक 187 से अधिक आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा लाखों रूपये कीमत की कुल अलग-अलग मार्कों की 4903 बोतल शराब अंग्रेजी, 30942 बोतल शऱाब देशी, 19609 बोतल बीयर बरामद की गई। शराब की तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शराब पकड़ी है। नशा तस्करों के खिलाफ पुलिस सख्ती से कार्रवाई कर रही है।

अपराध पर अंकुश प्राथमिकताः एसपी

एसपी पूजा वशिष्ठ ने कहा कि वर्ष 2024 में महेंद्रगढ़ पुलिस को काफी सफलताएं मिली हैं। अवैध हथियार, मादक पदार्थ, शऱाब की अवैध बिक्री समेत अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर खुफिया नेटवर्क नजर रख रहा है। इसी तरह आमजन का सहयोग मिलता रहा तो ओर बेहतर परिणाम सामने आएंगे। ऐसी गैरकानूनी गतिविधियों करने वाले की सूचना पुलिस को दें, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

जिला नूंह में अधिक से अधिक खेल मैदान किए जाएं तैयार- उपायुक्त मीणा

नहरी पानी समय पर नहीं मिलने से किसानों चिंतित

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला विकास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वालीबाल मैदान सहित अन्य खेलों से संबंधित मैदान तैयार करवाए जाएं, ताकि जिला नूंह की युवा पीढ़ी को खेलों में आगे बढ़ने के अपार अवसर मिल सकें। आगामी दिनों में इस योजना पर मिशन मोड से कार्य शुरू हों। इन कार्यों को शुरू करने के लिए पंचायतों का भी सहयोग लिया जाए।

उपायुक्त लघु सचिवालय के कांफ्रेंस हाल में आयोजित बैठक में जिला विकास योजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्यों को ईमानदारी व तत्परता के साथ पूरा करवाया जाए, ताकि जिला के लोगों को इन कार्यों का लाभ मिलना सुनिश्चित हो। इसके अलावा जिला विकास योजना के तहत नए

संभावित कार्यों के प्रस्ताव भी तैयार किए जाएं।

उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान जिला विकास योजना के तहत अब तक 138 कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 38 कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जो कार्य फिलहाल चल रहे हैं, उन्हें जल्द से जल्द पूरा करवाया जाए और जो कार्य किसी कारणवश शुरू नहीं हो पाए हैं, उन कार्यों को भी शुरू करवाकर जल्द पूरा किया जाए। जिला विकास योजना के तहत ऐसे कार्यों अधिक शामिल किए जाएं, जिसका जिला के लोगों को बड़े स्तर पर फायदा हो। जिले में विकास कार्यों की गति को बढ़ाना हमारी प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए। विकास कार्यों को पूरा करवाने के लिए सभी विभागों में समन्वय सुनिश्चित हो।

अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने कहा कि जिला विकास योजना के कार्यों की समय-समय पर समीक्षा की जा रही है तथा जो कार्य किसी कारणवश शुरू नहीं हो पाए हैं, उन्हें जल्द शुरू करवाकर पूरा किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को इस योजना से संबंधित कार्यों में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में जिला योजना अधिकारी दिवान सिंह, पंचायती राज के एक्सईएन योगेश शर्मा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

तावडू में मंदिर से लाखों रूपए का सामान चोरी, मामला दर्ज

एजेंसी

तावडू। शहर के मुख्य मार्ग पर स्थित जय भारत रामलीला मैदान में वैष्णों माता मंदिर में गत रात्रि अज्ञात चोर मंदिर की 4 बट्रियां, इंर्वटर व पानी की मोटर चुरा कर ले गए। मंदिर के पुजारी राम अक्षयवर तिवारी ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई शुरू कर दी थी,

लेकिन समाचार लिखे जाने तक इस संदर्भ में कोई मामला दर्ज नहीं था।मंदिर के पुजारी राम अक्षयवर तिवारी ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि गत 23 दिसंबर की रात्रि अज्ञात चोर मंदिर की 4 बट्रियां, इंर्वटर व पानी की मोटर चुरा कर ले गए। पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई शुरू कर दी। शहर पुलिस थाना प्रभारी दलबीर सिंह ने बताया कि मंदिर में चोरी होने की शिकायत गुरूवार को उन्हें मिली है। जिस पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

तावडू में हो रही वर्षा से जनजीवन अस्त व्यस्त, किसानों के चेहरे खिले

एजेंसी

तावडू। शहर व क्षेत्र में बुधवार रात से रूक-रूक कर हो रही वर्षा से तापमान में भारी गिरावट आने से मौसम में ठंडक आ गई है। वहीं वर्षा के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त हो

गया है। क्षेत्र में हो रही वर्षा से किसानों की फसलों को भले ही फायदा मिलेगा। लेकिन कडाके की ठंड व तेज हवाओं से ठिठुरन बढ गई है। इस दौरान वाहन चालकों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड रहा है। वाहन चालक रोहन कुमार, मनोज शर्मा, छोटू, मनोहर लाल, काशिम खान, अली आदि ने बताया कि ठंडक व वर्षा के कारण कोहरे में उन्हें वाहन चलाने में काफी असुविधा महसूस हो रही है। वहीं किसानों ने बताया कि इस समय हो रही वर्षा से मौसम में बढ रही ठंडक से उनकी फसलों को फायदा मिलेगा। जिससे किसान अभी तो खुश नजर आ रहा है। लेकिन यदि यह वर्षा कुछ समय ओर चली तो किसानों को उनकी फसल में नुकसान हो सकता है।

भाजपा के संगठन में सशक्त और समर्पित कार्यकर्ताओं को मिलेगा पदः कमल यादव

गुरुग्राम। संगठन चुनावों को लेकर गुरुग्राम जिला भाजपा की कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला में बूथ के चुनावों की प्रक्रिया से मंडल सहयोगियों को अवगत कराया गया।

चुनाव अधिकारी पूर्व विधायक नरेंद्र गुप्ता और और चुनाव सह अधिकारी राहुल राणा ने बताया कि गुरुग्राम जिला के 26 मंडलों में मंडल सहयोगियों की नियुक्ति हो गई है। ये सभी सहयोगी जिला के 382 बूथों पर चुनाव कराएंगे। जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कार्यशाला में जिला के सभी 382 बूथों पर पार्टी की विचारधारा से सदस्यों को सर्वसम्मति से जोड़ने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि सशक्त और समर्पित कार्यकर्ताओं को ही पद मिलेगा। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी पवन यादव ने कार्यकर्ताओं से आग्रह करते हुए कहा कि संगठन के चुनाव

के दौरान बिना पक्षपात और भय के अच्छे व्यक्ति का चुनाव करने में चुनाव अधिकारियों का सहयोग करें। संगठन के चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं जब नगर निगम के चुनाव भी नजदीक है, जिसका हमें बहुत बड़ा फायदा पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली के भी निर्देश हैं कि संगठन चुनाव जल्द से जल्द होने चाहिए। जिला अध्यक्ष ने विश्वास जताते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता चुनाव अधिकारियों का सहयोग करेंगे और एक अच्छी टीम के चयन में सहयोगी बनेंगे। जिला मीडिया प्रभारी पवन यादव ने बताया कि कार्यशाला में संगठन चुनाव के अधिकारी नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि जनसंख्या के हिसाब से गुरुग्राम जिला के मंडलों और बूथों का विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले गुरुग्राम में 15 मंडल थे जिन्हें बढ़ाकर 26 कर दिया है और बूथ भी 306 से बढ़ाकर 382 हो गए हैं। सभी बूथों पर तीन-तीन सक्रिय सदस्य बनाने और महिलाओं की संख्याओं का भी विशेष ध्यान रखा जाना है।

सरकार ने हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को कोयला खदान के लिए आवंटन आदेश जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को ओडिशा स्थित कोयला खदान के लिए आवंटन आदेश जारी किया है। मीनाक्षी कोयला खदान के लिए यह आदेश जारी किया गया है, जिसकी अधिकतम रेटिंग क्षमता 12 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है। कोयला मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को मीनाक्षी कोयला खदान के लिए आदेश जारी किया गया है। यह 22 नवंबर, 2024 को कोयला खदान विकास और उत्पादन समझौते (सीएमडीपीए) पर हस्ताक्षर करने के बाद हुआ है। मंत्रालय के मुताबिक मीनाक्षी कोयला खदान, खान और खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम (एमएमडीआर) के तहत खोजी गई खदान है, जिसकी अधिकतम रेटिंग क्षमता (पीआरसी) 12.00 एमटीपीए है, जिसमें 285.23 एमटी का भूवैज्ञानिक भंडार शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि मीनाक्षी कोयला खदान से इसकी अधिकतम क्षमता के आधार पर 1,152.84 करोड़ रूपये का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने की संभावना है। यह खदान 1,800 करोड़ रुपये के अनुमानित पूंजी निवेश के साथ देश के कोयला उत्पादन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी और ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने में योगदान देगी।

अर्थूड सर्विसेज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई/नई दिल्ली। गुरुग्राम स्थित सेवा कंपनी अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड के 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 36 लाख इक्विटी शेयरों तक का नया इश्यू और प्रमोटर-सेलिंग शेयरधारकों के 42 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। कंपनी के बिक्री प्रस्ताव में शेयरधारक डॉ. कविराज सिंह के 27.30 लाख इक्विटी शेयर और अशोक कुमार गौतम के 14.70 लाख इक्विटी शेयर हैं। गुरुग्राम स्थित सेवा कंपनी अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड के आईपीओ प्रस्ताव में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट दी जा रही है। इस नए निर्गम से प्राप्त 30 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कंपनी बौद्धिक संपदा, समाधानों के विकास एवं व्यावसायीकरण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के माध्यम से तकनीकी क्षमताओं को मजबूत तथा वित्तपोषण आवश्यकताओं के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 में स्थापित और डॉ. कविराज सिंह और अशोक कुमार गौतम द्वारा प्रवर्तित अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड कंपनी को ऊर्जा, पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल है। कंपनी के पास 23 वर्षों का अनुभव है। यह कंपनी भारत तथा अंतराष्ट्रीय स्तर पर ग्राहकों को पर्यावरण, सामाजिक तथा शासन रामर्श तथा आश्वासन सेवाएं प्रदान करती है।

डॉ. अरुणीश चावला ने संभाला वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में सचिव पद

नई दिल्ली। वरिष्ठ आईएएस डॉ. अरुणीश चावला ने वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के सचिव पद का कार्यभार संभाल लिया। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने बुधवार को एक अधिसूचना में डॉ. अरुणीश चावला को राजस्व सचिव नियुक्त किया। अधिसूचना के अनुसार नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति होने तक वह संस्कृति मंत्रालय के सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। चावला 1 नवंबर, 2023 से रसायन और उर्वरक मंत्रालय में फार्मास्यूटिकल्स विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत हैं। बिहार कैडर के 1992 बैच के आईएएस अधिकारी चावला ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने पटना मेट्रो रेल परियोजना के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य किया है। वे आर्थिक मामलों के विभाग के माध्यम से विदेशी कार्यभार पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में वरिष्ठ अर्थशास्त्री, वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास में मंत्री (आर्थिक) और वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग में संयुक्त सचिव के रूप में भी कार्य किया है।

ओसामु सान की वजह से लाखों लोग बेहतर जीवन जी रहे हैं : भार्गव

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष आर सी भार्गव ने कंपनी के मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुये आज कहा कि इस देश में हममें से लाखों लोग ओसामु सान की वजह से बेहतर जीवन जी रहे हैं। श्री भार्गव ने यहां जारी बयान में कहा मुझे अत्यंत व्यक्तिगत दुख के साथ ओसामु सुजुकी सान के निधन की खबर मिली है। उनकी दूरदर्शिता और दूरदर्शिता, ऐसा जोखिम उठाने की उनकी इच्छा, जिसे कोई और नहीं उठाने को तैयार था, भारत के प्रति उनके गहरे और अडिग प्रेम और एक शिक्षक के रूप में उनकी अपार क्षमताओं के बिना, मेरा मानना है कि भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग वह शक्तिशाली देश नहीं बन सकता था, जो वह बन गया है। उन्होंने कई प्रधानमंत्रियों का विश्वास जीता और उनका आनंद लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बहुत करीबी समझ थी। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में ओसामु सान के योगदान और भारत और जापान के बीच पुल बनाने के लिए उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। देश में उनके असंख्य प्रशंसक और लाभार्थी उन्हें याद करेंगे।

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की 42वीं वार्षिक आम बैठक संपन्न

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की 42वीं वार्षिक आम बैठक विशाखापत्तनम स्थित कार्यालय में संपन्न हो गई। आरआईएनएल के अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) अजीत कुमार सक्सेना ने बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में इस्पात मंत्रालय की निदेशक सुदर्शन मेंदीरत्ता ने राष्ट्रपति की अधिकृत नामित सदस्य के तौर पर भाग लिया।

इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि आरआईएनएल के कंपनी मामलों के विभाग ने इस बैठक की कार्यवाही समन्वित की। इस अवसर पर अजीत कुमार सक्सेना ने आरआईएनएल/वीएसपी के शेयरधारकों को संबोधित किया और कंपनी की स्थिति की जानकारी

दी। उन्होंने अपने संबोधन में कंपनी के प्रदर्शन की समीक्षा की और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने अपने संबोधन में उत्पादन उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए वित्?त वर्ष 2023-24 के दौरान आई चुनौतियों की जानकारी दी। सक्सेना ने सभी हितधारकों, विशेषकर इस्पात मंत्रालय और भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों, आंध्रप्रदेश सरकार, आपूर्तिकर्ताओं (घरेलू और विदेशी), ग्राहकों, सहायक इकाइयों, बैंकरों, जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन और विभिन्न अन्य एजेंसियों का कंपनी के प्रति भरोसा जताने पर आभार व्यक्त किया और भविष्य में उनके निरंतर सहयोग की अपेक्षा की। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की वार्षिक आम बैठक में निदेशक (परियोजनाएं) एवं अपर प्रभार निदेशक (संचालन) अरुण कांति बागची, निदेशक (कार्मिक) सुरेश चंद्र पांडे, निदेशक (वित्त) एसआरवीजीके गणेश, निदेशक (वाणिज्यिक) जीवीएन प्रसाद और सरकार के निदेशक डॉ. संजय रॉय ने भाग लिया।

लगातार तीसरे हफ्ते देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 644.39 अरब डॉलर पर

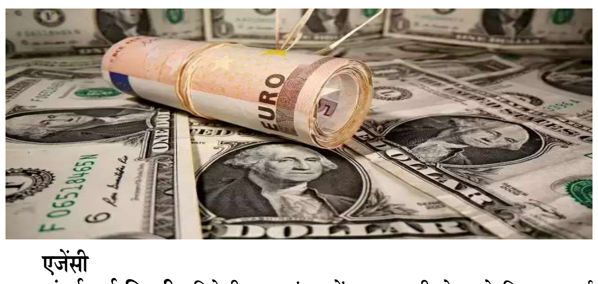

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में 8.48 अरब डॉलर घटकर 644.39 अरब डॉलर पर आ गया है। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 1.99 अरब डॉलर घटकर छह महीने के निचले स्तर 652.87 अरब डॉलर पर आ गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के जारी आंकड़ों में बताया गया है कि 20 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 6.01 अरब डॉलर घटकर 556.56 अरब डॉलर रह गईं। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.33 अरब डॉलर घटकर 65.73 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.22 अरब डॉलर रहा है। इससे पहले सितंबर, 2024 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 250 से 280 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये से लेकर 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,400 रुपये से लेकर 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये प्रति

10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

आरबीआई ने प्रीपेड कार्ड से तीसरे पक्ष वाले ऐप के जरिए यूपीआई भुगतान की मंजूरी दी

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने थर्ड पार्टी एप्लीकेशन के जरिए प्रीपेड भुगतान उपकरणों (पीपीआई) के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) एक्सेस की अनुमति दे दी है। इससे गिफ्ट कार्ड, मेट्रो रेल कार्ड और डिजिटल वॉलेट जैसे प्रीपेड उत्पाद धारकों को ज्?यादा सुविधा होगी।

आरबीआई ने जारी परिपत्र में कहा है कि तीसरे पक्ष वाले यूपीआई ऐप के जरिए पूर्ण-केवाईसी वाले प्रीपेड भुगतान उपकरणों से यूपीआई के जरिए भुगतान को सक्षम बनाने का निर्णय लिया गया है। इसी तरह पीपीआई को यूपीआई भुगतान पाने की भी मंजूरी दी गई है। इस तरह के लेन-देन को यूपीआई प्रणाली तक पहुंचने से पहले पूर्व-अनुमोदित किया जाएगा। रिजर्व बैंक के मुताबिक एक पीपीआई जारीकर्ता अपने ग्राहक को यूपीआई हैंडल से जोड़कर केवल अपने पूर्ण-केवाईसी वाले पीपीआई धारकों को यूपीआई के जरिए भुगतान करने में सक्षम करेगा। जारीकर्ता के एप्लिकेशन पर पीपीआई से यूपीआई लेन-देन

ग्राहक के मौजूदा पीपीआई पहचान का उपयोग करके प्रमाणित किया जाएगा।

आरबीआई ने कहा कि भुगतान प्रणाली प्रदाता के रूप में पीपीआई जारीकर्ता को किसी भी बैंक या किसी अन्य पीपीआई जारीकर्ता के ग्राहकों को अपने साथ नहीं जोड़ना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पीपीआई ऐसे उपकरण हैं जो वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद, वित्तीय सेवाओं के संचालन और उसमें संग्रहीत मूल्य के विरुद्ध धनप्रेषण की सुविधाओं को सक्षम करते हैं। वहीं, यूपीआई भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा मोबाइल फोन के जरिए अंतर-बैंक लेन-देन की सुविधा के लिए विकसित एक त्वरित वास्तविक समय पर भुगतान की प्रणाली है।

केंद्र ने डॉ. संदीप शाह को एनएबीएल-क्यूसीआई का अध्यक्ष नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रख्यात चिकित्सा पेशेवर डॉ. संदीप शाह को भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के एक घटक बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि डॉ. संदीप शाह को क्यूसीआई के एक घटक बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉ. शाह इस पद पर प्रो. सुब्बाना अय्यप्पन की जगह लेंगे। एनएबीएल परीक्षण और अंशशोधन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए काम करता है, जिससे उपभोक्ताओं, व्यवसायों और नियामकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उत्पादों और सेवाओं में विश्वास सुनिश्चित होता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) भारत सरकार के द्वारा स्थापित एक प्रमुख स्वायत्त निकाय है। क्यूसीआई गुणवत्ता के प्रति मानसिकता बनाने के लिए जिम्मेदार है, जो हर नागरिक को प्रभावित करने वाले उत्पादों और सेवाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता है।

शेयर बाजार में लिस्टिंग के जरिए 6 कंपनियों की एंट्री, ममता मशीनरी के शेयरों से निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज 6 कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए दस्तक दी। इनमें 5 कंपनियां के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही बढ़िया मुनाफा हुआ, वहीं एक कंपनी न्यू मलयालम स्टील लिमिटेड के निवेशकों को नुकसान का सामना भी करना पड़ा। आज लिस्ट होने वाली कंपनियों में से 5 मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि एक कंपनी एसएमई सेगमेंट की है। स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाली कंपनियों में ममता मशीनरी लिमिटेड के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री हुई, जिसके कारण पहले दिन ही आईपीओ निवेशकों का पैसा बढ़ कर ढाई गुना से अधिक हो गया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 243 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 146.91 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 600 रुपये के भाव

पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में ये शेयर उछल कर 630 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों पहले दिन ही 159.24 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। प्लास्टिक बैग और पाउच के लिए मशीनरी बनाने वाली कंपनी ममता मशीनरी का 179.39 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 23 दिसंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। कंपनी के आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिससे ये ओवरऑल 194.95 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 235.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 274.38 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 138.08 गुना और कर्मचारियों के लिए रिजर्व पोर्शन 153.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 73,82,340 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। इसमें कोई भी नया शेयर जारी नहीं किया गया है।आज ही इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन का काम करने वाली ट्रांसरेल लाइटिंग के शेयरों की भी घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एंट्री हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयरों में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से पूरे दिन इसके भाव में उतार-चढ़ाव होता रहा। आईपीओ के तहत कंपनी ने 432 रुपये के भाव पर शेयर जारी किया था। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इसकी 585.15 के भाव पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 590 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई।

ग्रामीण और शहरी एम पी सी आई क्रमश: 4122 रुपए और 6996 रुपए

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वर्ष 2023-24 में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) क्रमशः 4,122 रुपये और 6,996 रुपये रहने का अनुमान है, जिसमें विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से परिवारों को प्राप्त हुई निःशुल्क वस्तुओं के मूल्यों को शामिल नहीं किया गया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कोविड-19 महामारी के बाद स्थिति सामान्य होने पर वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान घरेलू उपभोग व्यय पर दो सर्वेक्षण किए है। पहला सर्वेक्षण अगस्त 2022 से जुलाई 2023 की अवधि के दौरान किया गया था और दूसरे सर्वेक्षण पूरे देश में अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान किया गया था। घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण- 2023-24 (एचसीईएस-2023-24) के परिणाम राज्य और व्यापक मद समूह स्तर पर तैयार किए गए हैं और उन्हें आज जारी किया गया।इसमें कहा गया है कि विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से निःशुल्क प्राप्त वस्तुओं के अनुमानित मूल्य पर विचार करते हुए, ये अनुमान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए 4,247 रुपये और 7,078 रुपये हैं। एमपीसीई के अनुसार भारत की ग्रामीण आबादी के सबसे निचले 5 प्रतिशत वर्ग का औसत एमपीसीई 1,677 रुपये है, जबकि शहरी क्षेत्रों में इसी वर्ग की आबादी के लिए यह 2,376 रुपये है। एमपीसीई द्वारा क्रमबद्ध भारत की ग्रामीण और शहरी आबादी के शीर्ष 5 प्रतिशत का औसत एमपीसीई 10,137 रुपये और 20,310 रुपये है। नॉमिनल कीमतों में, वर्ष 2023-24 में औसत एमपीसीई (बिना निर्धारण के) 2022-23 के स्तर से ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 9 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 8 प्रतिशत अधिक है।शहरी-ग्रामीण एमपीसीई में अंतर 2011-12 में 84 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 71 प्रतिशत रह गया है। यह 2023-24 में और घटकर 70 प्रतिशत रह गया है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग की गति की पुष्टि करता है। इसमें कहा गया है कि एमपीसीई के आधार पर रैंकिंग करने पर, 2022-23 के स्तर से 2023-24 में औसत एमपीसीई में वृद्धि भारत की ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की निचली 5 से 10 प्रतिशत आबादी के लिए अधिकतम रही है। गैर-खाद्य वस्तुएं 2023-24 में घरेलू औसत मासिक व्यय में प्रमुख बनी रहेंगी, जिनकी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एमपीसीई में लगभग 53 प्रतिशत और 60 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण और शहरी परिवारों की खाद्य वस्तुओं में पेय पदार्थ, जलपान और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का 2023-24 में भी प्रमुख व्यय हिस्सा बना रहेगा।परिवहन , कपड़े, बिस्तर और जूते, विभिन्न प्रकार के सामान और मनोरंजन तथा टिकाऊ वस्तुओं पर ग्रामीण और शहरी परिवारों के गैर-खाद्य व्यय का बड़ा हिस्सा खर्च होता है।मकान किराया, गैराज किराया और होटल आवास शुल्क सहित किराया, जिसकी हिस्सेदारी लगभग 7 प्रतिशत है, शहरी परिवारों के गैर-खाद्य व्यय का एक अन्य प्रमुख घटक है।

जे एस डब्ल्यू करेगी ओ 2 पवार के 4696 मेगावाट प्लेटफार्म का अधिग्रहण

एजेंसी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि उसकी इकाई जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड (जेएसडब्ल्यू नियो) ओ2 पावर पूलिंग पीटीई लिमिटेड (ओ2 पावर) से 12,468 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर 4,696 मेगावाट अक्षय ऊर्जा प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस सौदे में ओ2 पावर मिडको होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड और ओ2 एनर्जी एसजी पीटीई लिमिटेड का अधिग्रहण शामिल है और यह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी और इस सौदे के लिए अन्य प्रथागत मंजूरी मानक के अधीन है। बयान के मुताबिक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी (जेएसडब्ल्यू नियो) ने ईक्यूटी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड टेमासेक द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित प्लेटफॉर्म ओ2 पावर से 4,696 मेगावाट अक्षय ऊर्जा (आरई) प्लेटफॉर्म का अधिग्रहण ह्व2 पावर एक अक्षय ऊर्जा

प्लेटफॉर्म है जिसकी क्षमता 4,696 मेगावाट है - जिसमें से 2,259 मेगावाट जून 2025 तक चालू हो जाएगा, 1,463 मेगावाट वर्तमान में निर्माणाधीन है, और 974 मेगावाट पाइपलाइन में हैं। सभी को जून 2027 तक चालू करने की योजना है। इस प्लेटफॉर्म का मिश्रित औसत टैरिफ 3.37 रुपये प्रति किलोवाट घंटा है और इसका शेष जीवन 23 वर्ष है। यह क्षमता देश के सात राज्यों में फैली हुई है। इस अधिग्रहण से कंपनी की लॉक-इन उत्पादन क्षमता 23 प्रतिशत बढ़कर 20,012 मेगावाट से 24,708 मेगावाट हो जाएगी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी के संयुक्त प्रबंध निदेशक और सीईओ शरद महेंद्र ने बयान में कहा, यह ऐतिहासिक अधिग्रहण भारत के ऊर्जा क्षेत्र में एक अग्रणी खिलाड़ी के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करता है।

अडानी कोचीन शिपयार्ड से 450 करोड़ रुपये में लेगा आठ रस्सा पोत

नयी दिल्ली। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईज़ेड) नेकहा कि उसने सरकारी विनिर्माण कंपनी कोचीन शिपयार्ड को कुल 450 करोड़ रुपये के आठ टग (रस्सा जहाज) के ऑर्डर दिए हैं। टग या रस्सा पोत बंदरगाहों पर बड़े जहाजों को खींच कर लाने-निकालने के काम आते हैं। एपीएसईज़ेड ने एक बयान में कहा, यह पहल स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देकर और समुद्री क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाकर सरकार की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप है। अडानी समूह बंदरगाह परिचालन के कारोबार में निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा परिचालक है।कंपनी के अनुसार उसे इन रस्सा जहाजों की डिलीवरी अगले साल दिसंबर से शुरू होने और मई 2028 तक जारी रहने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा है कि कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड से पोत खरीद के लिए यह सहयोग भारत में समुद्री बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है और हमारे देश के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में उसके विश्वास को प्रदर्शित करता है। एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अश्विनी गुप्ता ने कहा, स्थानीय विनिर्माण क्षमताओं का लाभ उठाकर, जो विश्व स्तरीय हैं।

आखिरी दिन के कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। सप्ताह के आखिरी कारोबार दिन आज घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में जोरदार तेजी आई हुई नजर आई। हालांकि पहले घंटे का कारोबार होने के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक ऊपरी स्तर से फिसल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसके साथ ही बैंकिंग, आईटी, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर रियल्टी, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसके साथ ही पीएसई, ऑयल एंड गैस, मेटल, कंज्यूमर ड्यूरेबल और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 442.39 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 442.01 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 38 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,081 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,944 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,024 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 113 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,501 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,268 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,233 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 135.14 अंक की मजबूती के साथ 78,607.62 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10:30 बजे के करीब ये सूचकांक 570.67 अंक की मजबूती के साथ 79,043.15 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई। मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से ये सूचकांक लगातार नीचे गिरता चला गया।

वेट लॉस के लिए ब्राउन शुगर बेहतर या शहद किसका सेवन करने से कम होगी शरीर की चर्बी, जानें काम की बात

वजन कम करने के लिए लोगों को ऐसे फूड्स का सेवन करना चाहिए, जिनमें कैलोरी की मात्रा कम हो. ब्राउन शुगर और शहद दोनों में से शहद को वेट लॉस में ज्यादा फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि इसमें कैलोरी कम होती है.

आज के जमाने में बड़ी संख्या में लोग ओवरवेट और मोटापे से जूझ रहे हैं. अगर शरीर का वजन ज्यादा हो जाए तो डायबिटीज, हार्ट डिजीज समेत कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है. ऐसे में लोग वजन कम करने के लिए हरसंभव कोशिश करते हैं. कई लोग वेट लॉस के लिए चीनी यानी शुगर को छोड़ देते हैं और इसके अन्य विकल्पों पर विचार करते हैं. कुछ लोग व्हाइट शुगर के बजाय ब्राउन शुगर का सेवन करते हैं, तो कई लोग शहद को शुगर का विकल्प मानते हैं. अब सवाल है कि वेट लॉस के लिए ब्राउन शुगर ज्यादा फायदेमंद होती है या शहद?

ञ्ह्ढ्ढ की रिपोर्ट के मुताबिक ब्राउन शुगर सफेद चीनी का ही एक रूप है, जिसमें थोड़ा सा गुड़ और कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम जैसे मिनरल्स मिलाए जाते हैं. यह व्हाइट शुगर की तुलना में बेहतर मानी जा सकती है, लेकिन इसका कैलोरी स्तर भी बहुत अधिक होता है. एक चम्मच ब्राउन शुगर में लगभग 17 कैलोरी होती है. यह ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा सकती है और इससे वजन भी बढ़ सकता है. हालांकि ब्राउन शुगर में शहद के मुकाबले कम पोषक तत्व होते हैं और इसमें कैलोरी की मात्रा भी ज्यादा होती है. ऐसे में वेट लॉस के लिए इसे अच्छा विकल्प नहीं माना जा सकता है.

शहद की बात करें, तो यह एक नेचुरल स्वीटनर है, जिसे कई पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर माना जाता है. शहद में ग्लूकोज और फ्रुक्टोज दोनों होते हैं, लेकिन यह धीरे-धीरे शरीर में अवशोषित होता है, जिससे यह ब्लड शुगर लेवल अचानक नहीं बढ़ाता है. एक चम्मच शहद में लगभग 64 कैलोरी होती है, जो ब्राउन शुगर से ज्यादा होती है, लेकिन शहद का सेवन कम मात्रा में किया जाता है. शहद शरीर को एनर्जी प्रदान करता है, पाचन में मदद करता है और यह भूख को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है.

जब वजन घटाने की बात आती है, तो शहद को ब्राउन शुगर से बेहतर माना जा सकता है. शहद के प्राकृतिक गुण इसे एक हेल्दी ऑप्शन बनाते हैं. शहद में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं और हार्ट डिजीज को बेहतर बनाते हैं. इसके अलावा शहद में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर की सूजन को कम करते हैं, जो वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं. हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि शहद और ब्राउन शुगर दोनों का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए, ताकि कैलोरी इनटेक कंट्रोल रहे. दोनों ही चीजों का ज्यादा सेवन करेंगे तो सेहत को नुकसान हो जाएगा. अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो दोनों ही चीजों को अवॉइड करें.

औषणीय गुणों की खान है यह छोटा सा काला बीज, पेट दर्द, गैस, कब्ज से दिलाता है छुटकारा, हृदय का भी रखता है ख्याल

छोटे-छोटे सरसों के दानों से निकलने वाले तेल का उपयोग हर घर, रेस्टोरेंट और होटल के काम में लिया जाता है. सरसों के तेल के अलावा इसके दानों का उपयोग भी कई व्यंजनों का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है. राजस्थान में बड़ी मात्रा में सरसों की खेती की जाती है. इसकी पतली पत्तियां से सरसों का साग भी बनाया जाता है, जो बहुत स्वादिष्ट और गुणकारी होता है. सरसों के दानों का प्रयोग प्राचीन काल से ही आयुर्वेदिक औषधियों के रूप में होता रहा है.

हृदय को स्वस्थ रखने में कारगर है सरसों

आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. किशन लाल ने लोकल 18 को बताया कि सरसों के दाने में प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हृदय को स्वस्थ और मजबूत बनाने में सहायक होते हैं. सरसों के दाने कई बीमारियों में औषधि के रूप में इसका इस्तेमाल होता है. रसोई में मसाले के रूप में सरसों के दानों का सबसे ज्यादा से प्रयोग किया जाता है. सरसों के बीजों का इस्तेमाल सब्ज़ियों और नॉनवेज के व्यंजनों में स्वाद और तीखापन बढ़ाने के लिए किया जाता है. सरसों में प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं.

अंधभक्त होने की शर्त पूरा करते लोग

क्रिसमस की खुशियां मनाते लोगों के लिए नफरत का इज़हार सोशल मीडिया पर भी देखा गया। महेन्द्र सिंह धोनी सांता के वेष में दिखे और उनके साथ उनका परिवार भी था, तो लोगों ने इस पर तंज कसे। राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने क्रिसमस ट्री के पास खड़े होकर अपनी तस्वीर डाली और इस त्योहार की बधाई दी

25 दिसम्बर को पटना में अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर एनडीए सरकार ने मैं अटल रहूंगा कार्यक्रम रखा। इसमें लोक गायिका देवी ने जैसे ही गांधी जी के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम गाया, सामने बैठे भाजपा नेताओं ने हंगामा शुरु कर दिया। नौबत ऐसी आ गई कि लोक गायिका को गांधी जी का भजन गाने के लिए माफी मंगवाई गई। ये घटना एक बानगी है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किस किस्म के भारत का निर्माण हो चुका है।

वैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद क्रिसमस के मौके पर दिल्ली में स्थित कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया के मुख्यालय में पहुंचे थे, जहां उन्होंने शांति और सद्भाव की मन को लगने वाली अच्छी-अच्छी बातें कहीं। जर्मनी में हाल ही में क्रिसमस बाजार में हुए हमले की निंदा और श्रीलंका में पांच साल पहले 2019 में ईस्टर के मौके पर हुए बम विस्फोटों का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने अपने नारे सबका साथ सबका विकास के नारे को ईसाई समुदाय की शिक्षाओं से जोड़ने की कोशिश की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बाइबल कहती है, एक-दूसरे का सहारा बनो। यीशु मसीह ने दया और निस्वार्थ सेवा का उदाहरण दिया है। हम क्रिसमस इसलिए मनाते हैं ताकि इन शिक्षाओं को अपने जीवन में उतार सकें। इस बार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा समेत कई और भाजपा नेता क्रिसमस के दिन चर्च गए और ईसाई समुदाय को बड़े दिन की शुभकामनाएं दीं।

इधर 19 दिसम्बर को संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि राम मंदिर के साथ हिंदुओं की श्रद्धा है लेकिन राम मंदिर निर्माण के बाद कुछ लोगों को लगता है कि वो नई जगहों पर इसी तरह के मुद्दों को उठाकर हिंदुओं का नेता बन सकते हैं। ये स्वीकार्य नहीं है। जिस वक्त देश में हर मस्जिद के नीचे एक मंदिर तलाशने की कोशिश की जा रही है, और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद खुदाई का कार्य किया जा रहा है। उस समय श्री भागवत के बयान का यह निहितार्थ निकाला गया कि संघ प्रमुख इशारों में फिर से नरेन्द्र मोदी को नसीहत दे रहे हैं कि उनके शासन में सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने वाले ये प्रकरण संघ को ठीक नहीं लग रहे हैं। हालांकि अब संघ के मुखपत्र आर्गनाइजर का जो संपादकीय आया है, उसमें फिर यह बात स्थापित हो गई कि संघ जिन उद्देश्यों के साथ सौ साल पहले अस्तित्व में आया था, वह अब भी उन्हीं पर कायम है।

इस संपादकीय में लिखा है कि सभ्यतागत न्याय की खोज के बारे में बात करने का वक्त आ गया है। बाबा साहेब अंबेडकर ने जाति आधारित भेदभाव की असली वजह को समझा और इसे खत्म करने के लिए कुछ संवैधानिक उपाय हमारे सामने रखे। हमें धार्मिक झगड़ों को समाप्त करने के लिए इसी तरह के दृष्टिकोण की जरूरत है। संपादकीय में तर्क दिया गया है कि यह तभी संभव है जब मुस्लिम समुदाय सत्य को स्वीकार करे और अगर यह समुदाय इससे इनकार करता है तो इससे अलगाववाद को बढ़ावा मिलेगा। आर्गनाइजर लिखता है -भारत के मुस्लिम समुदाय के लिए यह जरूरी है कि वह आक्रांताओं द्वारा हिंदुओं के साथ किए गए ऐतिहासिक अन्याय को स्वीकार करे। सोमनाथ से लेकर संभल और इसके आगे तक सच को जानने की यह लड़ाई धार्मिक श्रेष्ठता के बारे में नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय पहचान को साबित करने और सभ्यतागत न्याय के बारे में है।

इधर विश्व हिंदू परिषद के एक नेता सुरेंद्र जैन ने एक टीवी चैनल से चर्चा में कहा कि 1984 में भारत के संतों ने मुस्लिम समाज को बहुत अच्छा ऑफर दिया था कि आप हमें केवल तीन दे दीजिए, अयोध्या, मथुरा और काशी.. हम लाखों को भूल जाएंगे। आज की परिस्थिति जो बनी है उसके लिए मुस्लिम नेतृत्व जिम्मेदार है। अयोध्या हमने लिया है वो लड़कर लिया है। यदि मुस्लिम उस समय आगे आए होते तो ये तीनों स्थान हमारे होते, ये विषय ही नहीं आता है।नरेन्द्र मोदी और मोहन भागवत ने जो बयान दिए हैं, उनमें और उपरोक्त बातों में कोई तालमेल नजर नहीं आता। लेकिन फिलहाल यही देश की हकीकत है कि शीर्ष पर बैठे लोग प्रेम और सद्भाव का ज्ञान दे रहे हैं और उनके अधीनस्थ या निर्देशन में काम कर रहे लोग नफरत को बढ़ाने में लगे हैं। मुसलमानों को मीठी जुबान में धमकी दी जा रही है कि हमें मस्जिदों को तोड़कर मंदिरों की तलाश करने दो। हालांकि वास्तव में यह धमकी देश के संविधान और न्याय व्यवस्था को दी जा रही है कि बाबरी मस्जिद जैसी घटनाएं देश में बार-बार होंगी और हिंदुत्व के ठेकेदारों को तब तक कोई रोक नहीं पाएगा, जब तक संघ और भाजपा की सरपरस्ती में देश चलेगा। जब इंडिया गठबंधन सामाजिक न्याय के मुद्दे को राजनीति की मुख्यधारा में लाने की कोशिश में है, तब संघ सभ्यतागत न्याय का नया शिगूफा छोड़ चुका है।क्रिसमस के मौके पर देश में कई स्थानों पर ऐसी घटनाएं हुईं, जो मोदी और भागवत के बयानों के ठीक विपरीत हैं। इंदौर में जोमैटो कंपनी के एक कर्मचारी को हिंदू संगठन के लोगों ने बीच सड़क पर रोककर उसकी सांता क्लॉज की पोशाक उतरवाई और बाकायदा इसका वीडियो भी बनाया। उस कर्मचारी को ये गुंडा तत्व कह रहे हैं कि हिंदू त्योहारों तुम इसी तरह तैयार होकर क्यों नहीं जाते। राजस्थान में एक स्कूल में क्रिसमस कार्निवाल को लोगों ने बीच में रुकवा दिया, उन्हें आपत्ति थी कि ईसाइयों के त्योहार पर जश्न क्यों हो रहा है। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक और शर्मनाक घटना को अंजाम दिया गया। यहां हजरतगंज में चर्च के बाहर ही युवाओं की भीड़ ने इकट्ठा होकर हरे रामा, हरे कृष्णा जोर-जोर से गाया। इस घटना के वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि ईसाइयों की प्रार्थना में खलल पहुंचाकर ये युवा काफी प्रसन्नता महसूस कर रहे थे।क्रिसमस की खुशियां मनाते लोगों के लिए नफरत का इज़हार सोशल मीडिया पर भी देखा गया। महेन्द्र सिंह धोनी सांता के वेष में दिखे और उनके साथ उनका परिवार भी था, तो लोगों ने इस पर तंज कसे। राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने क्रिसमस ट्री के पास खड़े होकर अपनी तस्वीर डाली और इस त्योहार की बधाई दी, तो उस पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि जब मुसलमान और ईसाई हिंदू त्योहारों की बधाई नहीं देते, तो इनके त्योहार पर बधाई क्यों दी जा रही है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता से पूरी तरह अनजान या बेहद मूर्ख किस्म के लोग ही इस तरह की बातें कर सकते हैं। दुख इस बात का है कि इस मूर्खता का अब जश्न मनाया जा रहा है।परसाईजी ने कहा ही था कि अंधभक्त होने के लिए प्रचंड मूर्ख होना अनिवार्य शर्त है। श्री मोदी के बनाए न्यू इंडिया में यह शर्त पूरी होते नजर आ रही है। युवाओं को खास तौर पर इसी काम में लगा दिया गया है ताकि उन्हें न अपने रोजगार की चिंता रहे, न पेपर लीक या परीक्षा में धांधलियों की फिक्र हो, न उन्हें ये समझ आए कि उनके अभिभावक इस महंगाई में घर किस तरह चला रहे हैं। चर्च के बाहर चिल्ला-चिल्ला कर हरे रामा हरे कृष्णा करने से न भगवान मिलेंगे, न नौकरी मिलेगी। और सोचने वाली बात यह भी है कि जब मस्जिद या दरगाह या चर्च के बाहर भजन-कीर्तन करने हैं, तो फिर देश में और नए मंदिर क्यों चाहिए। मुस्लिम अस्पताल में या ट्रेन के भीतर नमाज पढ़ें तो हिंदू खतरे में दिखाई देने लगता है, लेकिन बीच सड़क पर भजन के नाम पर चीख-चिल्लाहट मचाने से धर्म की रक्षा होती है, ऐसा ज्ञान विश्वगुरु भारत के युवा दुनिया के सामने रख रहे हैं।

संपादकीय

दूर तलक जायेगा बेलगावी का संदेश

कर्नाटक के बेलगावी में आयोजित अपने दो दिवसीय अधिवेशन के पहले दिन कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफ़ लड़ाई तेज करने का निश्चय किया है। अधिवेशन के पहले ही दिन कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऐलान किया है कि हम नेहरू-गांधी की विचारधारा, बाबा साहेब अंबेडकर के सम्मान के लिए आखिरी सांस तक लड़ेंगे। इसके साथ ही कुछ महत्वपूर्ण निर्णय कांग्रेस ने लिए हैं। जिसमें संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ चुनाव प्रक्रिया में सुधार लाने, किसानों के हितों की रक्षा करने, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को तेज करने की रणनीति बनाई जाएगी। श्री खड़गे ने कहा है कि 2025 संगठन को मजबूत करने का साल होगा, पार्टी में खाली पदों को भरा जाएगा। उदयपुर घोषणापत्र को पूरी तरह लागू किया जाएगा। पार्टी को चुनाव जीतने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जाएगा। साथ ही वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध लोगों को ढूंढा जाएगा जो संविधान और भारत के विचार की रक्षा करेंगे।खड़गे ने कहा कि केवल कड़ी मेहनत पर्याप्त नहीं, समय पर ठोस रणनीति, सही दिशा, नई शक्ति, नेतृत्व को मौका देने की जरूरत है। हमारे पास गांधी-नेहरू की विरासत है। बेलगाव से नए संकल्प के साथ लौटेंगे, यह भरोसा श्री खड़गे ने जताया। वहीं कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी इस अधिवेशन में शामिल नहीं हो पाईं, लेकिन अपने संदेश में उन्होंने कहा कि दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों से महात्मा गांधी की विरासत खतरे में है। जिन संगठनों ने कभी स्वतंत्रता के लिए लड़ाई नहीं लड़ी, उन्होंने महात्मा गांधी का कटु विरोध किया, विषाक्त वातावरण बनाया जिसके कारण उनकी हत्या कर दी गई। आइए हम व्यक्तिगत रूप से, सामूहिक रूप से, पार्टी के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तत्परता की नई भावना के साथ संकल्प के साथ आगे बढ़ें।

गौरतलब है कि ठीक सौ वर्ष पूर्व इसी स्थल पर कांग्रेस का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अधिवेशन हुआ था जो महात्मा गांधी द्वारा की गयी सदारत का पार्टी का एकमेव अधिवेशन है। जिस प्रकार से उस अधिवेशन में गांधीजी ने आपसी भेदभाव भुलाकर फिरंगियों के खिलाफ़ लड़ाई तेज करने और आजादी हासिल करने तक शांत न बैठने का आह्वान किया था, इस अधिवेशन में भी कांग्रेस ने संकल्प लिया कि जनविरोधी और निरंकुश हो चुकी भाजपा सरकार के खिलाफ़ देशव्यापी आंदोलन चलाया जायेगा। इस अधिवेशन के लिये कांग्रेस ने अपना घोष वाक्य %जय बापू-जय भीम-जय संविधान% निर्धारित किया है, जो अपने आप में यह बतलाने के लिये काफी है कि पार्टी गांधीवादी मूल्यों के साथ संविधान को बचाने के लिये देश में बड़ी लड़ाई छेड़ेगी।

लोकसभा के लगातार तीन चुनाव जीतते हुए पिछले 11 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने जिस तरह से सारी शक्तियों का केन्द्रीकरण किया है और निरंकुश कार्य पद्धति अपना रखी है, उसके विरूद्ध कांग्रेस संसद के भीतर व बाहर संघर्ष तो छेड़े हुए ही है, उसने इस अधिवेशन में जो संकल्प लिये हैं वह उसी लड़ाई को तेज व धारदार करेगी। उम्मीद की जानी चाहिये कि संगठन को नया रूप देते हुए नवसंकल्पों के साथ पार्टी बेलगावी से निकलेगी और पूरे देश में अपने निश्चयों को पूरा करने हेतु जी-जान से जुट जायेगी।

नव सत्याग्रह के नाम से आयोजित बेलगावी अधिवेशन ऐसे समय में हो रहा है जब देश अनेक तरह के अच्छे-बुरे घटनाक्रमों के बीच से होकर गुजर रहा है। जो सामने दिख रहा है, वह यह कि 11 वर्षों में मोदी एंड कम्पनी ने लोकतांत्रिक व संसदीय मर्यादाओं तथा परम्पराओं को तार-तार कर दिया है, तमाम संवैधानिक संस्थाओं को शक्तिहीन कर देश पर एकछत्र राज कायम किया है और लोकहितों को पूरी तरह से उपेक्षित करते हुए एक बदहाल देश खड़ा कर दिया है। इतना ही नहीं, विरोध की आवाज को बन्द करने के लिये उसने न केवल विपक्षी दलों में अनैतिक तरीकों से तोड़-फोड़ की है, बल्कि प्रेस की आज़ादी को भी कुचलकर रख दिया है। मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा देश में लोकतंत्र को नेस्तनाबूद करने के लिये घृणित अभियान चलाये गये। उन्होंने पहले कांग्रेस मुक्त भारत और फिर विपक्ष मुक्त भारत के न केवल नारे दिये बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर उतारने के लिये ऑपरेशन लोटस चलाया। विपक्षी नेताओं को लालच देकर या केन्द्रीय जांच एजेंसियों के जरिये डरा-धमकाकर अपनी पार्टी में शामिल किया और विरोधी दलों की निर्वाचित कई सरकारें गिराई गयीं। अपनी नापाक करतूतों को %डबल इंजन सरकार% का नाम देकर देश के संघीय ढांचे को ध्वस्त किया गया है।

सरकार अर्थव्यवस्था और व्यापार की कमान संभालती है रिजर्व बैंक नहीं

आम तौर पर, पांच प्रमुख कारक घरेलू मुद्रा की विनिमय दरों को प्रभावित करते हैं। मुद्रास्फीति दर और विदेशी व्यापार संतुलन उनमें से सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। उच्च मुद्रास्फीति का अनुभव करने वाले राष्ट्र आमतौर पर अपने व्यापारिक भागीदारों की मुद्राओं की तुलना में अपनी मुद्रा में मूल्य ह्रास देखते हैं। ब्याज दर केंद्रीय बैंक द्वारा नियंत्रण मूल्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है।

रिजर्व बैंक के नये गवर्नर संजय मल्होत्रा, जो एक पेशेवर नौकरशाह और पूर्व राजस्व सचिव हैं, से मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने, घरेलू मुद्रा को स्थिर करने, विदेशी मुद्रा नियंत्रण और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने जैसे केंद्रीय बैंक प्रमुख के प्रमुख कार्यों को पूरा करने के मामले में बहुत उम्मीद करना अनुचित होगा। यदि 2014 के बाद से रिजर्व बैंक के तीन पूर्ववर्ती गवर्नर - रघुराम राजन, उर्जित पटेल और शक्तिकांत दास - उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम नहीं थे, तो यह उम्मीद करने का कोई कारण नहीं है कि वर्तमान रिजर्व बैंक गवर्नर का प्रदर्शन बहुत अलग होगा।

शक्तिकांत दास, जो एक पेशेवर नौकरशाह और पूर्व वित्त सचिव भी हैं, का रिजर्व बैंक गवर्नर के रूप में दूसरा सबसे लंबा कार्यकाल था। इसके बावजूद दास ने मूल्य और मुद्रास्फीति को रोकने में बहुत कम सफलता हासिल की, खासकर मजदूरों से जुड़े वस्तुओं के मामले में, जैसे खाद्यान्न, वस्त्र, दूध, साबुन, चीनी आदि,जो देश की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले निम्न और मध्यम आय वर्ग को चिंतित करते हैं। वह रुपये के विनिमय मूल्य में गिरावट को भी नहीं रोक पाये, तथा बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, आवक और जावक दोनों तरह से धन प्रवाह के प्रवाह, एवं व्यापार और आर्थिक विकास को भी स्थिर नहीं रख सके। इसके विपरीत चिंताजनक रूप से, रुपया-अमेरिकी डॉलर विनिमय समता 2014 से 40 प्रतिशत से अधिक गिर गयी है। एक अमेरिकी डॉलर के लिए विनिमय दर60.34 रुपये से बढ़कर अब 85 रुपये से अधिक हो गयी है।निश्चित रूप से यह आरबीआई गवर्नर के अधिकार में नहीं है कि वह स्वतंत्र रूप से अपने कार्यात्मक उद्देश्यों को आगे बढ़ायें और अपनी सफलता या विफलता के लिए जिम्मेदार हों। यह अक्सर होता है कि आरबीआई गवर्नर सरकार और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली बड़े औद्योगिक उधारकर्ताओं के दबाव में काम करते हुए देखे जाते हैं।

पिछले 10 वर्षों (2013-2023) में भारत की औसत जीडीपी वृद्धि दर 8.5 प्रतिशत थी। मजदूरों से जुड़े सामान के लिए औसत खुदरा मुद्रास्फीति दर लगभग नौ प्रतिशत थी। यह कहना मुश्किल है कि आरबीआई की ब्याज दर में हेरफेर पिछले कुछ वर्षों में इस तरह की उच्च मुद्रास्फीति प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने में कितनी प्रभावी रही है।

आरबीआई द्वारा तय की गयी प्राइम लेंडिंगरेट का देश की अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति दरों और खपत पर बहुत कम प्रभाव पड़ा। अप्रैल 2012 में भारत की उच्चतम बैंक ऋण दर 12.56 प्रतिशत थी। 2012 से 2024 तक भारत में औसत बैंक ऋ्रा दर 10.61 प्रतिशत थी। मुद्रास्फीति नियंत्रण, विनिमय दर स्थिरता, आर्थिक स्थिरता, व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण और निर्यात को बढ़ावा देने के संबंध में आरबीआई की नीतियां इन क्षेत्रों में सरकार के अपने निर्णयों, कार्यों या निष्क्रियताओं से काफी प्रभावित होती हैं, यदि काफी हद तक निर्देशित नहीं होती हैं तो भी।कागज पर, केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति के लिए जिम्मेदार है, जिसमें मुद्रा आपूर्ति का निर्धारण करना, मुद्रा मूल्य को स्थिर करने में मदद करने के लिए मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने सम्बंधी नीतियों को लागू करना शामिल है। यदि आरबीआई रुपये की विनिमय दर स्थिरता बनाये रखने में विफल रहा है, तो इसका कारण यह है कि सरकार देश को पर्याप्त रूप से आत्मनिर्भर बनाने में पूरी तरह विफल रही है। देश तेजी से आयात पर निर्भर होता जा रहा है, जिससे साल दर साल भारी व्यापार घाटा हो रहा है। इससे रुपये की विनिमय दर स्थिरता प्रभावित हो रही है। शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) कम बना हुआ है, हालांकि आरबीआई की नीति एफडीआई के अनुकूल है।आरबीआई देश और उसके बाजार के बारे में विदेशी निवेशकों की धारणा को बदलने के लिए कुछ खास नहीं कर सकता, जो मूल रूप से सरकार का काम है। 2024 के दौरान भारत का शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) केवल 10.58अरब अमेरिकी डॉलर के आसपास रहने की उम्मीद है। सरकार अक्सर उच्च व्यापार घाटे के लिए बढ़ते पेट्रोलियम आयात को दोषी ठहराती है। यह सच नहीं है।

उदाहरण के लिए, पिछले साल, भारत के सकल आयात (मूल्य के संदर्भ में) के प्रतिशत के रूप में पेट्रोलियम आयात 25.1 प्रतिशत था, जो 2022-23 में 28.2 प्रतिशत से कम ही है। संयोग से, भारत एक प्रमुख पेट्रोलियम निर्यातक भी है। 2023-24 में, देश का पेट्रोलियम निर्यात उसके सकल निर्यात के प्रतिशत के रूप में 12 प्रतिशत था।

आरबीआई रुपये के विनिमय दर में हस्तक्षेप के लिए दैनिक निर्णय लेता है। हालांकि, यह विनिमय दर स्थिरता बनाये रखने के लिए केवल एक सीमा तक ही जा सकता है, उससे आगे नहीं। आर्थिक स्थिरता और व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल माहौल सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका काफी हद तक सरकारी कार्रवाई या उनकी कमी पर निर्भर करती है। कमजोर होती भारतीय मुद्रा बंपर निर्यात में मदद नहीं कर रही है। ऐसा पिछले कुछ वर्षों में मजबूत सरकारी दिशा-निर्देशों की कमी के कारण देश की सीमित निर्यात क्षमता के कारण है। किसी देश की मुद्रा विनिमय दर उसके सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक स्वास्थ्य निर्धारकों में से एक है। ब्याज दरों और मुद्रास्फीति दरों के साथ-साथ, विनिमय दरें किसी देश के व्यापार के स्तर में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो दुनिया की लगभग हर मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि विनिमय दरें सबसे अधिक देखी और विश्लेषित आर्थिक संख्याओं में से हैं, और उनमें से सबसे अधिक सरकारी हेरफेर के अधीन हैं।

आम तौर पर, पांच प्रमुख कारक घरेलू मुद्रा की विनिमय दरों को प्रभावित करते हैं। मुद्रास्फीति दर और विदेशी व्यापार संतुलन उनमें से सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। उच्च मुद्रास्फीति का अनुभव करने वाले राष्ट्र आमतौर पर अपने व्यापारिक भागीदारों की मुद्राओं की तुलना में अपनी मुद्रा में मूल्य ह्रास देखते हैं। ब्याज दर केंद्रीय बैंक द्वारा नियंत्रण मूल्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। अपेक्षाकृत कम मुद्रास्फीति दर वाले देश में आमतौर पर उच्च मुद्रा मूल्य का अनुभव होता है, क्योंकि इसकी क्रय शक्ति अन्य मुद्राओं के सापेक्ष बढ़ जाती है। वास्तव में, बैंक दरें, मुद्रास्फीति और विनिमय दरें अत्यधिक सहसम्बद्ध हैं।केंद्रीय बैंक, ब्याज दरों में हेरफेर करके, मुद्रास्फीति और विनिमय दरों दोनों पर प्रभाव डालते हैं। ब्याज दर में बदलाव का मुद्रास्फीति और मुद्रा मूल्यों पर प्रभाव पड़ता है। उच्च ब्याज दरें बैंकों और अन्य उधारदाताओं को अन्य देशों की तुलना में बेहतर रिटर्न प्रदान करती हैं। उच्च ब्याज दरें विदेशी पूंजी को आकर्षित करती हैं और विनिमय दर को बढ़ाती हैं। बड़े चालू खाता घाटे और सार्वजनिक ऋण, जिन पर केंद्रीय बैंक का बहुत कम नियंत्रण होता है,

विनिमय दर को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक भी हैं। हाल ही में, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोषने अनुमान लगाया था कि भारत सरकार का ऋ्रा 2027-28 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद के 100 प्रतिशत को पार कर सकता है।इस प्रकार, रिजर्व बैंक नहीं, बल्कि भारत सरकार देश की अर्थव्यवस्था और व्यापार पर पूर्ण नियंत्रण रखती है। सरकार की नीतियां घरेलू उत्पादन, आयात और वितरण के लिए जिम्मेदार हैं। उदाहरण के लिए, इस वर्ष सरकार ने जनता के पास अधिशेष मुद्रा आपूर्ति के एक हिस्से को नियंत्रित करने के लिए सस्ते सोने के आयात की अनुमति दी। मुद्रा आपूर्ति और विनिमय दर को स्थिर करने में आरबीआई सरकार के लिए सबसे अच्छा सहायक है। इस प्रकार, भारतीय मुद्रा की स्थिरता, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने, निर्यात को बढ़ावा देने और सार्वजनिक ऋ ण को नियंत्रण में रखने के संबंध में नवनियुक्त आरबीआई गवर्नर से कोई चमत्कार करने की उम्मीद करना अनुचित होगा।

कपड़े पर लगे आयरन के दाग को हटाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

जब भी हम जल्दबाजी में अपने कपड़े आयरन करते है तो कभी-कभी प्रेस इनती ज्यादा गरम हो जाती है कि हमारे कपड़े सड़ जाते है। ऐसे में हम प्रेस के दाग को हटाने की बहुत कोशिश करते है पर यह दाग धोने के बाद गहरे हो जाते हैं जो कि धुलाई से भी नहीं जाते।अगर यह दाग सफेद कपड़े पर लग जाए तो उन्हें छुड़वाना बहुत ही मुसकिल हो जाता है। आज हम आपको बताएगे कि कैसे आप इनसे कपड़ो के दाग निकाल सकती है।

1. सिरका

अगर आप के सफेद कपड़ों पर दाग लगा हो या पीला पड़ गया है तो उनहें हटाने के लिए कपड़े को धोने के बाद एक बाल्टी में गरम पानी सें और उसी में एक चम्मच सिरका मिलाकर उस कपड़े को फिर से धोएं। ऐसी करने से सफेद कपड़ों का पीलापन दूर हो जाता है।

2. नमक

नमक हर घर में पाया जाता है। आप इसका इसतेमाल कपड़ो के दाग और पीला पर दूर करने कि लिए अपना सकते है। इसके लिए आप गर्म पानी में नमक को मिला कर कपड़े को 10-20 सेकेंड के लिए भिगो दें। ऐसा करने से दाग बहुत ही जल्द गायब हो जाते है।

3. सर्फ

कपड़ो के दाग को हटाने के लिए ब्लीच का उपयोग न करें। इसकी जगह पर आप अच्छी क्वालिटी के सर्फ का इस्तमाल कर सकते है।

4. कपड़े को जमीन पर फैलाना

अगर आपके कपड़े पर आयरन से दाग लग गया है तो कपड़े को जमीन पर फैला कर सफेद सिरका और नमक को छिड़का कर रगड़ें। रगड़ने के बाद इसे 5 मिनट तक धोड़ दें और फिर पानी में डुबो कर दाग छुड़ा कर साफ कर लें।

5. नींबू और काला नमक

कपड़ो पर लगे दागों को आसानी से छुड़वाने के लिए नींबू और काला नमक डाल कर रगड़े।

6. बेकिंग सोडा

पानी की आधी बाल्टी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिला कर उसमें कपड़ों को 15 मिनट के लिए भिगो दें। बाद में कपड़ो को निकाल कर साबुन या सर्फ से साफ कर लें।

7. कपड़े ड्रायर से न सुखाएं

अगर कपड़े पर आयरन के दाग लगे है तो कभी भी ड्रायर से न सुखाएं। ड्रायर का साथ कपड़े सुखाने से लगे दाग और भी गहरे हो जाते है।

डिशवॉशर से कभी न साफ करें ये चीजें, नहीं तो...

डिश सोप हर घर में पाया जाता हैं। इसका इस्तेमाल बर्तनों को धोने के लिए किया जाता है। पर कुछ लोग इसे बहुत सी ऐसी चीजों को धोने के लिए उपयोग करते हैं जो कि उन चीजों की चमक खत्म कर देता है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताएगें जिनहें डिशवॉशर से कभी नही साफ करना चाहिए। तो आइए जानते है उन चीजों के बारे में...

1. कार को डिश सोप से ना धोएं

अगर आपकी कार बहुत गंदी है और आप उसे धोना चाहते है तो आपको बता दें कि इसे कभी भी डिश सोप से न धोएं क्योंकि इससे आपकी कार का रंग धीरे-धीरे से फेड हो कर निकल जाएगा। ऐसे में आप कार को वाश करने के लिए शैंपू का उपयोग कर सकते है।

2. डिश सोप से कपड़े न धोएं

हम सब यह तो जानते है कि जब कपड़ों पर दांग लग

जाते है उनहें आसानी ले नही छुड़ाया जा सकता। ऐसे में इन दांगों को हटाने के लिए कठोर डिटर्जेंट की जरुरत होती है। कुछ लोग दागों को हटाने के लिए बर्तन धोने वाले डिश सोप का इस्तेमाल कर लेते है। पर यह कपड़ों को धोने के लिए काफी हल्का होता है। इसे आप सिर्फ गिलास, प्लास्टिक और मेटल की चीजें ही धो सकते है।

3. डिश सोप से कभी हाथ ना धोएं

कभी-कभी ज्यगबाजी में हम सभी बर्तन धोने वाले डिश सोप से ही हाथ धों लेते हैं। पर हमें इसे हाथ नही धोंने चाहिएं क्योंकि यह सोप हमारे हाथों की खूबसूरती को और हमारे हाथों की कोमल स्किन को खराब देते हैं।

4. लेदर की चीजें

आजकल देखा गया है कि हर किसी के घर में सोफे पर लेदर कवर चाड़े होते हैं क्योंकि इन पर दांग लगने पर आसानी से साफ किया जा सकता है। ऐसे में अगर सोफे पर कुछ गिर भी जाए तो उनहें कभी भी बर्तन धोने वाले डिश सोप से न धोएं। लेदर को इससे साफ करने से इसकी चमक खो जाती है।

5. डिशवॉशर

डिशवॉशर काफी हल्का होता है और इसकी झाग ज्यादा होती हैं। इससे कपड़ें अच्छें सो नही धूल पाते इसीलिए इसका उपयोग बर्तनो को साफ करने के लिए ही करें।

वास्तु दोष को दूर करना चाहते है तो घर में रखें

मछली का एक्वेरियम

कई बार घर में पैसे और अन्य किस्म की सारी सुविधाएं होने के बावजूद भी क्लेश खत्म नहीं होता। इसके पीछे की वजह वास्तुदोष हो सकता है हालांकि वास्तुशास्त्र पर कुछ लोग यकीन करते हैं तो कुछ नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि मछली का एक्वेरियम भी वास्तु दोष का कारण बन सकता है। आपके घर में जो भी मछली घर हो, उसमें नौ मछलियां रखनी चाहिए न कि आठ। एक्वेरियम को रखने की जगह भी उचित होनी चाहिए। मछलियों को बार-बार एक से दूसरी जगह पर नहीं रखना चाहिए और उन्हे सिर्फ एक ही व्यक्ति के द्वारा भोजन देना चाहिए। मछली के टैंक या जार को बिल्कुल साफ रखना चाहिए। फिल्टर्स, एरिएशन आदि बिल्कुल सही तरीके से चलने चाहिए। अगर आप अपने फिश एक्वेरियम को अच्छा और रंगीन रखना चाहते है तो उसमें कुछ प्रकार के आर्टिफिशियल प्लांट भी लगा सकते हैं। वास्तु दोष का कारण ये एक्वेरियम आसानी से बन सकते हैं। इसलिए अगर आपको ये दोष दूर करने हैं तो आपको निम्न बातों पर विशेष रखना चाहिए।

1. बुरी नजर से दूर रखें

कहते है कि घर में मछली को रखना शगुन होता है क्योकि मछलियां घर को बुरी नजर से दूर रखती हैं। ऐसा माना जाता है कि अगर आपके द्वारा पाली गई मछलियां प्राकृतिक मृत्यु मरती हैं तो आपके घर या ऑफिस की भी समस्याएं खतम हो जाती हैं।

2. सकारात्मक ऊर्जा का संचार

मछलियों का पालन करने से घर और कार्यालय में काफी ज्यादा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जब आप थके हुए होते हैं तो उस समय इन मछलियों को देखे। ऐसी करने से आपके दिमाग को आराम मिलता है और एक सुकून भरा वातावरण बन जाता है।

3. घर या ऑफिस में वास्तु दोष

अगर आपको लगता है कि आपके घर या ऑफिस में परेशानियां आ रही हैं तो इसका मतलब है कि वास्तु दोष है। अगर है तो इसे मिटाने के लिए उस जगह पर फिश एक्वेरियम रखें। इससे समस्याएं भी सुलझेंगी और पैसा भी खूब आएगा। मछलियों को दाना देने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

4. वातावरण खुशनुमा रहता है

मछलियां बहुत एक्टिव होती हैं, जो हमें प्रोत्साहित करती हैं और हमारे अंदर उमंग भर देती हैं। एक्वेरियम रखने से पूरे घर का वातावरण खुशनुमा रहता है। ऐसे बुरी ऊर्जा का संचार नहीं होता है और रंगीन मछलियां आकर्षित करती हैं।

5. मछलियों को घर में रखने से ऊर्जा आती है

वास्तु शास्त्र के अनुसार, एक फिश टैंक में ढेर सारा पानी भरा जाता है जो भार को सही तरीके से बैलेंस करता है। भार को बैलेंस करन के लिए फिश टैंक को हॉल या वरांडा साउथ वेस्ट कोने में रख जाना चाहिए। जिससे घर में आने वाले हर इंसान की नजर उस पर पडे। चीनी फेंग शुई के मुताबिक, मछलियों को घर में रखने से ची नामक ऊर्जा आती है जो धन और स्वास्थ्य को बढाती है।

रूम को यूनिक लुक देना चाहते है तो करें इन वॉलपेपर की सलेक्शन

हर कोई चाहता है कि उनका घर सुंदर दिखे। ऐसे में आजकल हर कोई अपने घर के इंटीरियर सजावट की और बहुत ज्यादा ध्यान दें रहे हैं। अगर आप भी स्वीड होम को मेकओवर करना चाहती हैं, तो दीवारों का कलर बदलने के साथ ही कुछ अलग वॉल डेकोर के लिए वॉलपेपर्स का यूज करें। इससे आप अपने आशियाने को यूनिक लुक देकर खूबसूरत बना सकती हैं। वैसे तो मार्केट में बहुत से वॉलपेपर्स उपलब्ध होते हैं, लेकिन आप अपने कमरे की स्पेप और अपनी पसंद, दोनों को देखते हुए इनका चुनाव करें। ऐसा करके आप घर को कन्टेम्प्रेरी, डिजाइनर लुक देने के साथ-साथ अपने मॉनी भी बचा सकती हैं। आइए जानतो है कैसे...

1. विनाइल या फैब्रिक वॉलपेपर्स

आप अपने बेडरूम या लिविंग रूम को यूनिक लुक देने के लिए ट्रेडिशनल वॉलपेपर विनाइल या फैब्रिक वॉलपेपर्स में से कोई भी कलर, डिजाइन, पसंदीदा चित्रों वाले वॉलपेपर्स को ट्राई कर सकती हैं। इन जगहों पर वॉलपेपर सलेक्ट करते हुए सिर्फ आपकी पसंद ही जरूरी है।

2. टेक्सचर्ड वॉलपेपर

टेक्सचर्ड वॉलपेपर से मिलता है नैचुरल लुक भी इन दिनों खूब पसंद किए जा रहे हैं, क्योंकि ये नैचुरल दिखते हैं। इनमें वुड, ब्रीक जैसे कई प्राकृतिक टेक्सचर उपलब्ध हैं। ओरिजनल लुक वजह से इनकी मांग बहुत तेजी से बढ रही है।

3. मेटैलिक वॉपेसर्स

आज की जेनरेशन को ध्यान में रखकर इस तरह के वॉलपपर्स लॉन्च किए गए है। इनका मेटैलिक कलर व इफे क्ट लोगो द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है।

4. बेस्ट क्लालिटी वाले वॉशेबल वॉपेसर्स

इस बात का ध्यान रखें कि आप जिस भी तरह का वॉलपेपर पसंद कर रहें है वह वॉशेबल है या नही। वॉशेबल वॉलपेपर्स लम्बे समय तक सुंदर दिखते हैं, क्योंकि उन्हें किसी भी माइल्ड साबुन पानी व गीले कपडे से साफ कर नया जैसा बनाया जा सकता है।

गुणों से भरपूर अदरक

ठंड से बचने के लिए घरों में अदरक का इस्तेमाल चाय व खाने में किया जाता है क्योंकि यह शरीर को गर्मी प्रदान करता है। मगर इसके अलावा अदरक के कई और गुण हैं, जैसे कि जिन लोगों को अपच की शिकायत रहती है उनके लिए अदरक फायदेमंद है। अदरक नेचुरल हर्ब है और इसका इस्तेमाल दवाई के रूप में किया जाता है। जी मिचलाना, अपच, रक्त प्रवाह धीमा पड़ना व आर्थराइटिस की प्रॉब्लम में अदरक लाभ पहुंचाता है।

कैसे आयी अदरक

अदरक की खेती उष्णप्रदेशी क्षेत्रों में की जाती है। मूल रूप से अदरक दक्षिण-पूर्व एशिया से आयी लेकिन इन दिनों जमैका में इसकी खैती सबसे ज्यादा की जाती है। अदरक का स्वाद व महक तीखी होती है। चीन में इसका इस्तेमाल पचीस सौ साल पहले से किया जा रहा है। सभी चाइनीज व्यंजनों में अदरक डाली जाती है, जबकि भारत में अदरक कच्ची कम खायी जाती है क्योंकि इसका स्वाद तीखा होता है। लेकिन चीनी लोगों का टेस्ट उस तरह से विकसित हो चुका है कि उन्हें बिना अदरक के खाना पसंद नहीं आता। बल्कि वहां र्गिमयों में भी अदरक इस्तेमाल की जाती है। भारत में अदरक का इस्तेमाल ठंड से बचने के लिए किया जाता है जबकि चीन आदि देशों में इसका इस्तेमाल हर्ब के तौर पर किया जाता है।

किन बीमारियों में है कारगर

गर्भावस्था के दौरान जी मचलाने की स्थिति में अदरक कारगर होती है। महावारी के दौरान पेट दर्द, अकड़न होना, शरीर दर्द में अदरक राहत पहुंचाती है। ऐसी स्थिति में अदरक वाली चाय पीने से फायदा पहुंचता है। बल्कि महावारी व गर्भावस्था में अपच की भी शिकायत रहती है, उस दौरान अदरक को खाने में शामिल किया जाए तो थाड़े ही दिनों में यह शिकायत दूर हो जाती है। अदरक माइग्रेन व आर्थराइटिस में भी दवाई का काम करती है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसका तीखापन ब्रेन में जाकर केमिकल रिएक्शन करता है, जो तुरंत मूड को बदल देता है।

क्यों है फायदेमंद

फ्रेश अदरक ही इस्तेमाल करने चाहिए। कुछ लोग स्टॉक में अदरक रख लेते हैं और समय उपरांत वह लूज पड़ जाती है, जो शरीर को नुकसान कर सकती है। इससे फूड पॉयजनिग भी हो सकती है। जिन्हें अपच की प्रॉब्लम होती है, वह अदरक को नींबू के साथ मिलकार पीएं। इससे वह आसानी से शरीर में डायलूट होता जाता है। अकड़न व शरीर दर्द में इसे मसाज ऑयल की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

कितनी मात्रा में लें

पूरे दिन में 100 से 200 ग्राम अदरक लेनी चाहिए, जो लोग अदरक नहीं खा सकते, उनके लिए बाजार में अदरक पाउडर भी मिलता है। खाने व चाय में आधा व एक चौथाई चम्मच ही अदरक पाउडर इस्तेमाल करें, ज्यादा लेने से यह गर्मी भी कर सकती है। अदरक के कोई साइड इफेक्ट नहीं होते। इसकी खूबी है कि अन्य हर्ब आदि के साथ इस्तेमाल करने से भी यह शरीर में कोई केमिकल रिएक्शन नहीं करती है।

कैसे और क्यों फायदेमंद

- ठंड में तुलसी के साथ अदरक वाली चाय पीने से राहत मिलती है।
- शहद के साथ अदरक लेने से भी र्सिदयों में फायदा मिलता था।
- अपच की शिकायत में नींबू पानी के साथ अदरक मिलाकर पीना चाहिए।
- एसिडिटी की प्रॉब्लम में अदरक नहीं खानी चाहिए।
- कच्ची अदरक ब्रेन के लिए फायदा करती है, यह रक्त प्रवाह बढ़ाती है।

हेल्थ प्लस

मसालों से चिकित्सा

आज हर कोई अपनी साधारण सी बीमारी के लिए भी परेशान हो डॉक्टर के पास दौड़ता हैं आम आदमी नहीं जानता कि वह थोड़ी सी जानकारी बढ़ाए तो घर बैठे ही मसालों व अनाज से अपनी छोटी-मोटी बीमारी का इलाज कर सकता हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि हमारी भारतीय रसोई में उपयोग होने वाले बहुत से मसालों में ऐसे गुण होते हैं जो अनेक रोगों को दूर करने में सक्षम होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार शरीर में वात, पित्त एवं कफ के संतुलन से शरीर स्वस्थ व निरोगी रहता हैं। मसालों व अनाज के सही प्रयोग से यह संतुलन बनाया जा सकता हैं।

बढ़ाएं अपनी पाचन शक्ति

- एक बार में अधिक भोजन न खाएं। थोड़े-थोड़े समय के अंतराल पर कुछ न कुछ खाते रहें।
- अधिक गर्म भोजन न करें। यह पाचन शक्ति को कमजोर बनाता है।
- चाय कॉफी का सेवन कम से कम करें।
- धूम्रपान, शराब व अन्य नशीले पदार्थ बदहजमी का मुख्य कारण हैं मुख्य कारण हैं अतः इनका सेवन करने से बचें।
- हड़बड़ाहट में भोजन न करें। जो भी खाएं, चबा-चबा कर खाएं।
- रात का खाना सोने से दो घंटे पूर्व खाएं।
- टमाटर का निरंतर सेवन करने से आमाशय साफ रहता है व शक्ति ठीक रहती है।
- लहसुन अंतड़ियों में रूकी हवा को निकाल कर पाचन शक्ति पुष्ट करता है।
- भोजन करने के पश्चात् एक चम्मच सूखे आंवले के चूर्ण की फंकी लेने से पाचन शक्ति में वृद्धि होती है।
- करेले की सब्जी का रस पाचन शक्ति को ठीक करता है अतः नियमित सेवन करें।
- आम पेट को साफ रखने में सहायक है। आम चूसने के बाद दूध पीने से आंतों को बल मिलता है व पाचन शक्ति में वृद्धि होती है।
- अधिक समय तक भूखे रहने से भी अपच की शिकायत हो जाती है अतः ज्यादा देर तक भूखे न रहें।

बीमारी नहीं डिसलेक्सिया

कुछ बच्चों को पढ़ने-लिखने में दिक्कत होती है इसलिए वह अन्य बच्चों की तरह महंगे स्कूल व टूशन पढ़ने के बावजूद अच्छे अंक लेकर पास नहीं हो पाते हैं। बल्कि कुछ बच्चे तो फेल हो जाते हैं, जिसके चलते स्कूल में साथी बच्चे ही नहीं, टीचर भी उसे उपेक्षित भाव से देखने लगते हैं। घर पर भी मातापिता दूसरों बच्चों के साथ उसकी तुलना करते हैं और कभी-कभी तो गुस्से में आकर हाथ भी उठा लेते हैं। उस वक्त मातापिता को लगता है कि बोडग स्कूल ही उनके बच्चे के लिए सबसे बेहतर जरिया है क्योंकि वहां जाने के बाद तो अच्छे-अच्छे भी रास्ते पर आ जाते हैं। हालिया रिलीज फिल्म 'तारे जमीन पर' में इस समस्या को बड़ी गंभीरता से उठाया गया है। कहानी के हीरो इशान को भी इसी तरह की प्रॉब्लम है लेकिन उसके स्कूलवाले और मातापिता इस बात को नहीं समझते हैं। परिणामस्वरूप बच्चा गुमसुम रहने लगता है। इशान की तरह ऐसे कई बच्चे हैं, जिन्हें पढ़ने-लिखने की दिक्कत है।

क्या है लनग डिसैबलिटी

पढ़ने-लिखने की दिक्कत को 'लनग डिसैबलिटी' कहते हैं। मेडिकल लैंग्वेज में इसके लिए एक खास शब्द का प्रयोग किया जाता है, 'डिसलेक्सिया'। डिसलेक्सिया बीमारी नहीं बल्कि डिसऑर्डर है और यह ठीक हो सकती है। डिसलेक्सिया तीन तरह के होते हैं- ट्रॉमा(मानसिक आघात), प्राइमा(प्राथमिक), और डेवलपमेंटल। ट्रॉमा डिसलक्सिया मानसिक आघात या चोट लगने के कारण होता है। प्रेगनेंसी के दौरान कई बार मां के साथ कोई दुर्घटना हो जाए तो बच्चे को ट्रॉमा डिसलेक्सिया हो सकता है। प्राइमा डिसलेक्सिया अनुवांशिक होता है और यह लड़कियों से ज्यादा लड़कों में पाया जाता है। वहीं डवलपमेंटल डिसलेक्सिया हार्मोनल डवलपमेंट न हो पाने की वजह से होता है। सीधी भाषा में कहें तो लनग डिसैबिलिटी की प्रॉब्लम ब्रेन में होने वाली नेचुरल प्रोसेसिग के ठीक से न होने की वजह से होती है। यह डिसऑर्डर जन्मजात होता है और कुछ बच्चों में अनुवांशिक रूप से पाया जाता है। आमतौर पर मातापिता यह बात नहीं समझ पाते हैं और उन्हें लगता है कि बच्चा पढ़ाई से जी चुराता है या फिर बुद्धू है। जबकि चिकित्सकों का मानना है कि इस तरह के बच्चे भी दूसरे बच्चों की तरह इंटेलिजेंट व क्रिएटिव होते हैं, बस उन्हें पढ़ाई-लिखाई को लेकर दिक्कत होती है, जो कि कुछ महीनों की ट्रेनिग के बाद ठीक हो सकती है।

मातापिता की काउंसलिग जरूरी

डिसलेक्सिया को 'रीमेडियल ट्रेनिग' के जरिए ठीक किया जाता है पर उससे पहले मातापिता की काउंसलिग करनी आवश्यक होती है। ट्रेनिग बच्चे की समस्या के स्तर पर निर्भर करती है। ज्यादातर मामलों में तीन महीने की ट्रेनिग दी जाती है। पहले महीने में बच्चे को अकेले ट्रेनिग दी जाती है और बाद के दो महीनों में बच्चे को ग्रुप में ट्रेनिग दी जाती है। बच्चे की ट्रेनिग के बाद मातापिता को भी ट्रेनिग दी जाती है, जिसमें उन्हें बच्चे को पढ़ाने-लिखाने का पैटर्न सिखाया जाता है।

सुरक्षित माहौल दें

यदि बच्चे को घर पर ही सरल तरीके से पढ़ाया-लिखाया जाए तो उनकी यह समस्या जल्दी ही ठीक हो जाती है। बच्चे में इस तरह की अगर कोई प्रॉब्लम है तो मातापिता व टीचर दोनों का ही फर्ज बनता है कि वे उसे सुरक्षित माहौल दें। यदि उन्हें बार-बार रिजेक्ट किया जाता है तो धीरे-धीरे उनमें आत्मविश्वास की कमी आ जाती है। यदि समय रहते उनकी प्रॉब्लम को ठीक न किया जाए तो यह बच्चे फ्रस्ट्रेट व डिप्रेस्ड हो जाते हैं।

लक्षण

- पढ़ने-लिखने में दिक्कत होना।
- अक्षर व नंबरों को उल्टा लिखना।
- बोर्ड पर लिखे शब्दों को कॉपी करने में प्रॉब्लम होना।
- यदि इन्हें कोई मुंह-जुबानी पढ़ाए तो यह चीजें पकड़ लेते हैं लेकिन पढ़कर समझने यानी सेल्फ रीडिग में इन्हें प्रॉब्लम होती है।

कैंसर के इलाज में भी कारगर है होम्योपैथी

कैंसर रोगियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। कैंसर एक ऐसा रोग है जिसमें शरीर के किसी भी अंग की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर विभाजन एवं गुणन करती हैं व अपने आसपास के अंगों पर भी हमला करती हैं। कैंसर एक अंग से दूसरे अंग में भी फैल सकता है। जिसे 'मेटासटेसिस' कहते हैं। यह रोग खून व लिम्फ के द्वारा एक अंग से दूसरे अंग में फैलता है। कैंसर की स्टेज उसके आकार, उसके आसपास बड़ी हुई गांठें व मेटासटेसिस द्वारा निर्धारित होती है।

महिलाओं में स्तन व बच्चेदानी का कैंसर ज्यादा पाया जाता है। जबकि पुरूषों में मुंह, गले, फेफड़े, जिगर व आंत का कैंसर ज्यादा पाया जाता है।

कैंसर क्यों होता है यह तो अभी पक्के तौर पर पता नहीं चला है परंतु क्लीनिकल शोध व केस हिस्ट्री में यह जरूर पाया गया है कि जो लोग तम्बाकू, शराब व फास्ट फूड बहुत ज्यादा मात्रा में लेते हैं। उन्हें रोग ज्यादा होता है। अमरीका में कोलोन आंतों का कैंसर ज्यादा पाया जाता है क्योंकि वहां फास्ट फूड का प्रचलन ज्यादा है। कुछ शोध इसका कारण रेडियोएक्टिव तरंगों व अल्ट्रा वायलेट किरणों को भी बताते हैं। कुछ शोध पारिवारिक इतिहास की तरफ भी इशारा करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति (खासकर महिलाओं) को समय-समय पर अपने शरीर की जांच कराते रहना चाहिए। शरीर में आए किसी भी अंतर को अनदेखा न करें जैसे कि स्तन में कोई गांठ, स्तन से कोई स्त्राव, अचानक महावारी में गड़बड़ी, पेट की समस्या व अचानक भार का कम होना आदि। कैंसर का यदि समय से पता लगा लिया जाए व इलाज शुरू कर दिया जाए तो कैंसर ठीक हो जाता है। होम्योपैथी में ऐसी बहुत-सी दवाइयां हैं जो बेलगाम कोशिकाओं को फैलने से रोकता हैं।

कैंसर का पक्का उपचार तो भी तक किसी भी उपचार पद्धति में उपलब्ध नहीं है और न ही कोई इस पर दावा कर सकता है। होम्योपैथी में लक्षणों के आधार पर दवाई दी जाती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों आगमन होगा। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-4-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ समाचारों मिलेगें। शुभांक-3-5-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ड्डंचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1941

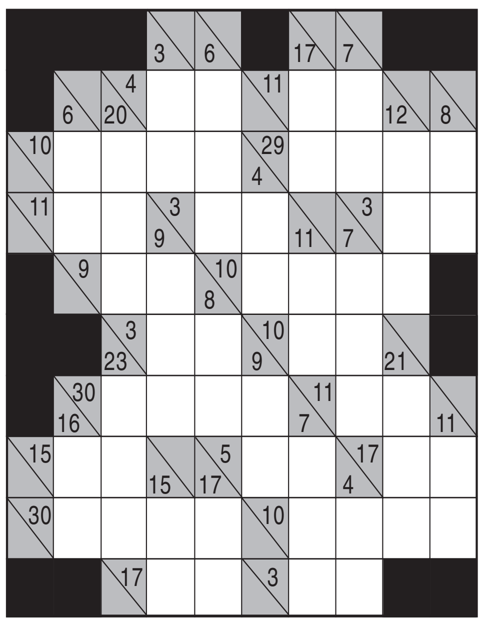

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

15/24 | 1 2 3 4 5 ; 7 8 9

1+2=3
1+3=4
7+9=16
8+9=17

काकुरो - 1940 का हल

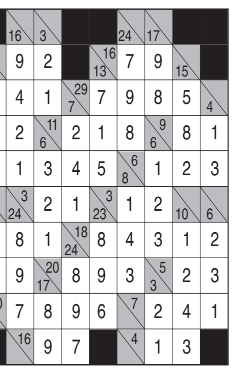

लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दुःख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दुःख होता है।

□ □ □

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

□ □ □

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छिः!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 1941

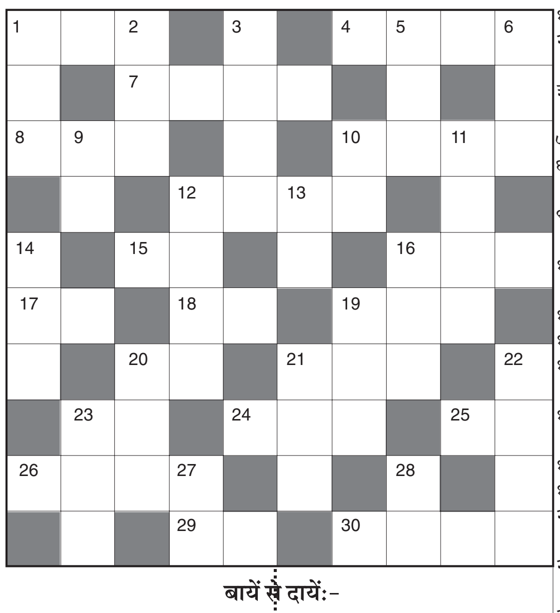

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1940

सूडोकु -1941

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में १ से ९ तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं ३×३ के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1940 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 1941

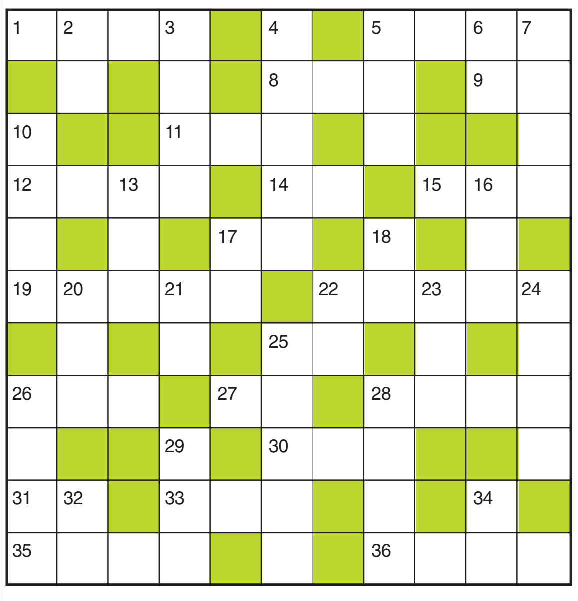

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली - 1940 का हल

मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दीः रामनाथ कोविंद

एजेंसी

कोलकाता। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में कोविंद ने कहा कि डॉ. सिंह ने उस समय देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी, जब आर्थिक संकट गहरा हुआ था। डॉ. सिंह के निधन को अपना व्यक्तिगत क्षति बताते हुए कोविंद ने कहा, उनकी विनम्रता और सरलता की छवि हमेशा मेरे मन में रहेगी। मैंने कभी उनके मुख से कोई आपत्तिजनक या अशोभनीय शब्द नहीं सुना। कोविंद ने कहा कि डॉ. सिंह ने भारत को आर्थिक संकट के समय कुशल नेतृत्व प्रदान किया और अर्थव्यवस्था को नई दिशा में अग्रसर किया। डॉ. सिंह भारतीय मूल्यों और विज्ञान के संगम का प्रतीक थे। उनके अंदर भारतीय संस्कृति और आधुनिकता का अद्भुत समन्वय था। कोविंद ने कहा, उनके साथ मेरी अनेक यादें जुड़ी हुई हैं। यह नुकसान मेरे लिए किसी अपने को खोने जैसा है। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री सिंह का निधन गुरुवार रात दिल्ली में 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री रहे।

उत्तरी अरब सागर में डूबे भारतीय पोत के नौ सदस्यों को आईसीजी ने बचाया

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने उत्तरी अरब सागर में डूब रहे भारतीय पोत एमएसवी 'ताज धारे हरम' के चालक दल के नौ सदस्यों को बचा लिया है। ख़ास बात यह रही कि इस खोज और बचाव मिशन में भारतीय तटरक्षक बल के साथ पाकिस्तान की समुद्री सुरक्षा एजेंसी (एमएसए) ?ने सहयोग ?किया। दोनों देशों के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) ने भी पूरे ऑपरेशन के दौरान निरंतर संवाद बनाए रखा। बचाए गए चालक दल को गुजरात के पोरबंदर तट पर लाया गया है।दरअसल, गुजरात के मुंद्रा से रवाना होकर यमन के सोकोत्रा की ओर जाने वाला यह जहाज 26 दिसंबर को समुद्र की लहरों और बाढ़ की वजह से पाकिस्तान के खोज और बचाव क्षेत्र में बुरी तरह प्रभावित हुआ। नियमित निगरानी उड़ान के दौरान आईसीजी डोर्नियर विमान को इस संकट की जानकारी मिली, जिसके बाद मुंबई और गांधीनगर के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र ने आईसीजी क्षेत्रीय मुख्यालय (उत्तर पश्चिम) को तुरंत सतर्क कर दिया। उत्तरी अरब सागर में पहले से ही गश्त कर रहे आईसीजीएस शूर को घटनास्थल पर तेज रफ्तार से बताए गए स्थान के लिए रवाना किया गया।

कोलकाता के पार्क स्ट्रीट से एक और बांग्लादेशी घुसपैठिया गिरफ्तार, फर्जी दस्तावेज बनाने का आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता की पुलिस टीम ने गुरुवार देर रात पार्क स्ट्रीट के मार्क्विस स्ट्रीट इलाके से एक और बांग्लादेशी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 37 वर्षीय मोहम्मद अबीउर रहमान के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के नाराइल जिले के नूतनगंज का रहने वाला है। पुलिस ने एक बयान में यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आरोपित रहमान बिना वैध दस्तावेज के भारत में दाखिल हुआ था। उस पर आरोप है कि भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के बाद उसने फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज तैयार किए। पुलिस का कहना है कि वह इन फर्जी दस्तावेजों का उपयोग विभिन्न धोखाधड़ी और आपराधिक गतिविधियों के लिए करता था। इस मामले में लालबाजार पुलिस मुख्यालय ने आरोपित को अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बांग्लादेश में अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद देश में अराजकता की स्थिति पैदा हुई, जिसके कारण कई लोग अवैध रूप से भारत में घुसपैठ कर रहे हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में त्रिपुरा होते हुए कोलकाता आ रहे तीन बांग्लादेशियों को अगरतला स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था। ये तीनों नोआखाली जिले के निवासी बताए गए।

राजस्थान के कोटपूतली में पांच दिन बाद भी बोरवेल में फंसी है चेतना, बारिश से बचाव कार्य बाधित

कोटपूतली। राजस्थान के कोटपूतली के किरतपुरा गांव की बड़ियाली की ढाणी में 5 दिन से जारी रेस्क्यू ऑपरेशन में मासूम चेतना (3) को बचाने का प्रयास अभी भी अधूरा है। टीम ने पाइलिंग मशीन से बोरवेल के पैरलल करीब 170 फीट गहरा गड्ढा तो खोद लिया है लेकिन चेतना तक पहुंचने का काम अब भी लंबित है। रेस्क्यू ऑपरेशन में इस्तेमाल की जा रही आधुनिक तकनीकों के बावजूद अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। बारिश के कारण भी बचाव कार्य बार-बार बाधित हो रहा है।चेतना 23 दिसंबर को 700 फीट गहरे बोरवेल में 150 फीट पर फंस गई थी। देसी जुगाड़ के जरिए उसे केवल 30 फीट ऊपर लाया जा सका था लेकिन पिछले तीन दिनों से वह 120 फीट की गहराई में फंसी हुई है। करीब 96 घंटे से भूखी-प्यासी चेतना की हालत को लेकर अधिकारी कुछ भी स्पष्ट नहीं बता रहे हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे एनडीआरएफ इंचार्ज योगेश कुमार मीणा ने बताया कि बारिश की वजह से ऑपरेशन बार-बार बाधित हो रहा है। अब 170 फीट गहरे गड्ढे में पाइप वेल्डिंग का काम पूरा कर रैट माइनर्स को उतारने की तैयारी की जा रही है।

आत्मा की खुशी भी तकनीकी प्रगति जितनी महत्वपूर्णः रामनाथ कोविंद

एजेंसी

कोलकाता। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि तकनीकी प्रगति जिस गति से हो रही है, उसी के साथ आत्मा की खुशी सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विज्ञान और आध्यात्म विरोधाभासी नहीं, बल्कि एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, जो समाज की बेहतरी के लिए साथ-साथ कार्य करते हैं।

कोलकाता में आयोजित वर्ल्ड कॉन्फ्लुएंस ऑफ ह्यूमैनिटी, पावर एंड स्पिरिचुअलिटी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि यह ऐसा समय है जब तकनीकी चमत्कारों ने आश्चर्यजनक प्रगति की है, लेकिन यह कहानी का केवल एक पहलू है। विज्ञान और आध्यात्म अलग चीजें नहीं हैं, वे एक-दूसरे के पूरक हैं। वैज्ञानिक सच्चाई की खोज में जीवन समर्पित करते हैं और उनकी यह

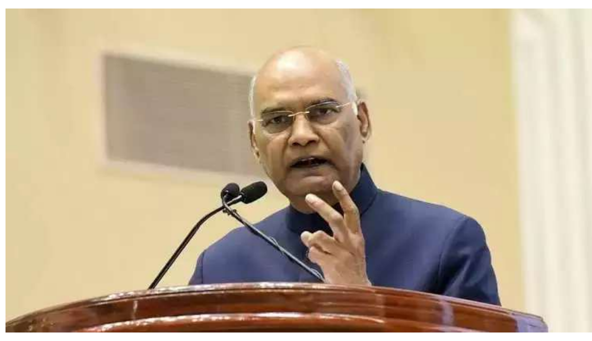

खोज साधना कहलाती है। उन्होंने कहा कि आज हम एक नेटवर्क से जुड़े विश्व में जी रहे हैं, जहां तकनीक सुपरसोनिक स्पीड से प्रगति कर रही है। हालांकि, मानव की जरूरतें केवल भौतिक सुविधाओं तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने आत्म-खोज और आध्यात्मिक जड़ों की तलाश को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बंगाल की धरती ने रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा और स्वामी विवेकानंद जैसे महान संतों को जन्म दिया, जिन्होंने आध्यात्मिकता की राह पर चलते हुए भौतिक सुख-सुविधाओं का त्याग किया। स्वामी विवेकानंद ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण से आध्यात्मिकता को समझाया और यह धारणा खारिज की कि अध्यात्मिक खोज के लिए संन्यास आवश्यक है। स्वामी विवेकानंद के लिए आध्यात्मिकता का अर्थ केवल संन्यास नहीं था, बल्कि यह उनके दिन-प्रतिदिन के कार्यों में परिलक्षित होती थी। रामनाथ कोविंद ने एक ऐसा वातावरण बनाने की अपील की, जहां लोग अपनी दैनिक आर्थिक जरूरतें पूरी करने के बाद आध्यात्मिक खोज कर सकें। उन्होंने कहा, गरीबी और भूख किसी व्यक्ति की आध्यात्मिक खोज में बाधा डालती हैं।

कांकेर में तेज रफ्तार का कहर, पांच लोगों की मौत

एजेंसी

कांकेर। जिले के भानुप्रतापपुर थानांतर्गत भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग में खंडी नदी के पास तेज रफ्तार एक स्कॉर्पियो ने दो मोटरसाइकिल सवार पांच लोगों को रौंद दिया। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतकों में तीन युवक और दो युवती शामिल हैं। बीजापुर निवासी स्कॉर्पियो चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है। भानुप्रतापपुर के एसडीओपी प्रशांत पैकरा ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब चार बजे सूचना मिली कि एक वाहन चालक जो भानुप्रतापपुर से अंतागढ़ की ओर तेज रफ्तार से जा रहा था। इसी दौरान उसने दो मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में दो मोटरसाइकिलों पर सवार पांच लोगों की मृत्यु हो गई। वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है जबकि मृतकों को भानुप्रतापपुर अस्पताल की मर्चुरी में रखा दिया गया है। मृतकों की पहचान की जा रही है,

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतकों में दो लड़कियां और एक पुरुष संबलपुर का निवासी है, वहीं बाकी दो के मानपुर के निवासी होने की जानकारी मिली है।

भारत ने अतिवाद नहीं, मध्यमार्ग दिखा कर दुनिया को सम्यक जीवन का उपहार दियाः मनोज सिन्हा

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज कहा कि भारत कभी अतिवाद की गिरफ्त में नहीं रहा है और यहां आध्यात्मिक ज्ञान से भौतिक इच्छाओं एवं आकांक्षाओं पर संतुलन साधा गया है और यहीं से विश्व को सम्यक जीवन जीते हुए ऐश्वर्य एवं समृद्धि के लिए सन्मार्ग पर चलने के दर्शन का उपहार मिला है।श्री सिन्हा ने शाम यहां साहित्यकार, दार्शनिक, राजनेता एवं सांसद रहे स्वर्गीय डॉ. शंकरदयाल सिंह की जन्मजयंती के मौके पर शंकर संस्कृति प्रतिष्ठान के तत्त्वाधान में आयोजित हमारी जरूरतें और चाहतें विषय पर एक व्याख्यानमाला में बतौर मुख्य अतिथि यह बात कही। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने प्रेरक उद्बोधन प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रंजन कुमार सिंह ने की। स्वर्गीय शंकरदयाल सिंह की पुत्री भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी श्रीमती रश्मि सिंह ने कार्यक्रम का प्रबंध संचालन किया।

श्री सिन्हा ने स्वर्गीय शंकरदयाल सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह एक संत साहित्यकार, राजनेता, प्रखर राष्ट्रवादी और ऐसे

विलक्षण प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व थे जिनमें देश के प्राचीन गौरव को पुनः हासिल करने की आकांक्षा थी और उन्हें सृष्टि के प्रति अपने कर्त्तव्य का बोध था और उनका मानना था कि यदि इस कर्त्तव्य के प्रति हमारी सभ्यता में यह बोध ना होता तो भारत की सभ्यता इतनी विकसित कभी नहीं होती और ना ही तमाम विरोधाभासों एवं टकरावों के बावजूद जीवंत होती। उन्होंने कहा कि भारत एक समय ज्ञान एवं उद्योग दोनों का बड़ा केन्द्र था। अन्य देशों से लोग केवल व्यापार के लिए नहीं बल्कि शिक्षा एवं अध्यात्म के लिए भी आते थे। ऐश्वर्य एवं समृद्धि के लिए सन्मार्ग पर चलें, ऐसा भारत की भूमि ने ही सिखाया है। हमारे वैज्ञानिक आध्यात्मिक चिंतन के साथ ऋषि ही थे। उनके अंतरतम में भौतिकता नहीं थी। भारत ने दुनिया को सम्यक जीवन का बहुत बड़ा उपहार दिया है।

उपराज्यपाल ने कहा कि भारत कभी भी अतिवाद की गिरफ्त में नहीं रहा है। भारत ने संतुलित जीवन की राह दिखायी है। सन्यास की अति और ऐश्वर्य की अति, दोनों ही बुरी हैं। इनका मध्य मार्ग में ही जीवन का सुख और आनंद है।

श्रीनगर और कश्मीर घाटी के मैदानी इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी

एजेंसी

श्रीनगर। श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अन्य मैदानी इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी हुई है, जिससे लंबे समय से चल रहा सूखा खत्म हो गया। डोडा, रामबन और किश्तवाड़ के कुछ हिस्सों से भी बर्फबारी की हुई है, जबकि जम्मू जिले के मैदानी इलाकों में बारिश हो रही है।

बर्फबारी के कारण दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले को जम्मू जिले के पुंछ और राजौरी जिले से जोड़ने वाली ऐतिहासिक मुगल रोड, लद्दाख को जोड़ने वाली श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी रोड के अलावा सिंथन-किश्तवाड़ रोड और कोकरनाग-मारवा-वारवान रोड सहित कुछ रणनीतिक सड़कें भी बंद हो गई हैं। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में लंबे समय से चल रहे सूखे के बाद मौसम की पहली बर्फबारी हुई है, जिससे पर्यटक काफी खुश हुए हैं। पर्यटक डल झील के किनारे फैशनेबल बुलेवार्ड रोड पर आलीशान हाउसबोट की पृष्ठभूमि में बर्फ के टुकड़ों का आनंद लेते हुए और जीवन भर के लिए यादगार तस्वीरें क्लिक करते हुए देखे गए। बिजबिहाडा, शोपियां, कुलगाम, पुलवामा और काजीगुंड के कुछ हिस्सों, बारामुला और कश्मीर घाटी

के अन्य हिस्सों सहित दक्षिण कश्मीर के कई मैदानी इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी दर्ज की गई। स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता फैजान आरिफ ने बताया कि मौजूदा जमीनी अवलोकनों और भविष्य के पूर्वानुमान के आधार पर कुछ ऊंचे इलाकों में महत्वपूर्ण बर्फबारी की उम्मीद है जिसमें 12 से 18 इंच के बीच बर्फबारी हो सकती है। उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर के कुछ मैदानी इलाकों में भी अच्छी बर्फबारी हो सकती है। उन्होंने कहा कि मध्य और उत्तरी कश्मीर के मैदानी इलाकों में बर्फबारी की मात्रा या गहराई का अनुमान लगाना मुश्किल हो गया है। इसके बाद 31 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहेगा और 1 से 4 जनवरी के दौरान छिटपुट स्थानों पर हल्की बर्फबारी की उम्मीद है। श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अन्य हिस्सों में हाड़ कंपाने वाली ठंड में कोई कमी नहीं आई और रात के तापमान में गिरावट जारी रही।

पंजाब में बेकाबू बस नाले में गिरी, चालक समेत आठ की मौत

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के बठिंडा में यात्रियों से भरी एक बस बेकाबू होकर नाले में गिर गई। इस हादसे में चालक समेत आठ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। पुलिस, एनडीआरएफ की टीमों ने क्षेत्रीय लोगों की मदद से नाले में गिरे यात्रियों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। हादसे के वक्त बस में 45 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों की मौत नाले में जहरीली गैस के कारण दम घुटने से हुई है। जानकारी के अनुसार एक निजी कंपनी की यात्रियों से भरी बस सरदूलगढ़ से बठिंडा की तरफ जा रही थी। गांव जीवन सिंह वाला के पास एक नाले पर बने पुल से निकलते समय बस अनियंत्रित होकर गंदे पानी में जा गिरी। बस के नाले में गिरते ही लोगों की चीख पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण व राहगीर दौड़कर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के साथ सीढ़ियां लगाकर नाले के पानी

में फंसी बस से यात्रियों को बाहर निकाला। इस बीच नाले में जहरीली गैस के कारण यात्रियों का दम घुटने लगा। ग्रामीणों के अनुसार इस बरसाती नाले में आसपास के इलाके से सीवरेज का पानी गिरने और कई सालों से सफाई नहीं हुई है। हदासे की सूचना पर एसएसपी अमनीत कौंडल ने बताया कि गुरु काशी ट्रांसपोर्ट की बस लोगों को लेकर बठिंडा की तरफ जा रही थी। जीवन सिंह वाला गांव के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर नाले में पलट गई। मृतक चालक की पहचान मानसा के रहने वाले बलकार सिंह के रूप में हुई है। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बठिंडा के उपायुक्त शौकत अहमद परे के अनुसार ग्रामीणों ने राहत कार्यों में काफी सहयोग किया है। बस को क्रेन की मदद से नाले से बाहर निकाल लिया गया है। एंबुलेंस से हादसे में घायल लोगों को तलवंडी साबो अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इलाज के बाद कुछ लोगों को सिविल अस्पताल में रेफर कर दिया। शवों को मॉर्च्युरी रखवाए गए हैं। हादसे को लेकर विधायक जगरूप सिंह गिल ने दावा किया है कि पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन लोगों की अस्पताल में मौत हुई हैं। जितने लोग घायल हुए हैं, उनके बेहतर इलाज के लिए आदेश दे दिए हैं।

छत्तीसगढ़ के पांच दिनी प्रवास पर रायपुर पहुंचे सरसंघचालक मोहन भागवत

एजेंसी

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत पांच दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर रायपुर पहुंच गए हैं। वे यहां 31 दिसंबर तक संगठन विस्तार को लेकर महत्वूर्ण बैठक में शामिल होंगे और आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर कार्यक्रमों की जानकारी लेंगे। भागवत अलग-अलग सत्रों में कार्यकताओं व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संगठन के सुदृढ़ीकरण पर बैठक कर चर्चा भी करेंगे।छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान भागवत कई बैठकों में कार्य विस्तार के साथ कार्यकर्ताओं व स्वयंसेवकों के गुणात्मक विकास पर विशेष रूप से होने वाली चर्चा में शामिल होंगे। इसके साथ भागवत प्रदेश में आरएसएस की रिपोर्ट लेंगे। बैठक में आरएसएस को मजूबत करने पर विस्तार से चर्चा करेंगे। वे पंच परिवर्तन स्व का बोध, सामाजिक समरसता कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण अनुकूल विकास व नागरिक कर्तव्य पर भी चर्चा करेंगे। उल्लेखनीय है कि आरएसएस ने संगठन के शताब्दी वर्ष में प्रत्येक गांव व शहरी क्षेत्र तक शाखा के माध्यम से

पहुंचने का लक्ष्य तय किया है। वर्ष 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस वर्ष अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मना रहा है। इसी के तहत कार्यक्रमों की तैयारियों के संबंध में सरसंघचालक भागवत विभिन्न प्रांतों में प्रवास कर रहे हैं।

भारतीय नौसेना ने अमेरिका से खरीदे गए 9 खूंखार शिकारियों को किया ऑपरेशनल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने अमेरिका से खरीदे जा रहे खूंखार शिकारी 24 एमएच 60आर हेलीकॉप्टरों में से पहले नौ को बेड़े के जहाजों पर ऑपरेशनल कर दिया है। इन बहु भूमिका वाले हेलीकॉप्टरों ने भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को काफी हद तक मजबूत किया है। भविष्य में भारतीय नौसेना की आंख, कान बनकर यह रोमियो हेलीकॉप्टर लंबी दूरी तक अपने दुश्मन का सफाया करने में सक्षम होंगे। साथ ही इससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की समुद्री युद्धक क्षमता और मजबूत होगी।

भारतीय नौसेना ने इसी साल 06 मार्च को पारंपरिक वॉटर कैनन सलामी के साथ कोच्चि के आईएनएस गरुड़ पर अमेरिकी एमएच-60आर सीहॉक बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर की पहली स्क्वाड्रन को

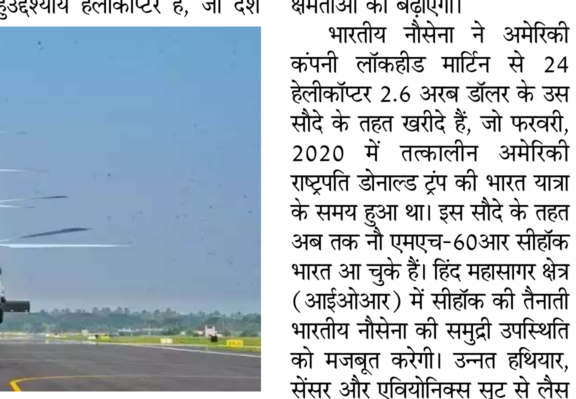

औपचारिक रूप से हवाई बेड़े में शामिल किया था। इस सीहॉक्स स्क्वाड्रन को आईएनएएस 334 के रूप में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। एमएच 60आर हेलीकॉप्टर दुनिया का शक्तिशाली बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर है, जो देश की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने के साथ ही राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करेगा। अत्याधुनिक सेंसरों और मल्टी-मिशन क्षमताओं के साथ एमएच 60आर हमारी समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाएगा।

भारतीय नौसेना ने अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन से 24 हेलीकॉप्टर 2.6 अरब डॉलर के उस सौदे के तहत खरीदे हैं, जो फरवरी, 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के समय हुआ था। इस सौदे के तहत अब तक नौ एमएच-60आर सीहॉक भारत आ चुके हैं। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में सीहॉक की तैनाती भारतीय नौसेना की समुद्री उपस्थिति को मजबूत करेगी। उन्नत हथियार, सेंसर और एवियोनिक्स सूट से लैस सीहॉक भारतीय नौसेना की समुद्री सुरक्षा जरूरतों के लिहाज से बनाया गया है, जो पारंपरिक और असममित दोनों खतरों के लिए उन्नत क्षमताएं प्रदान करते हैं। अमेरिकी नौसेना के साथ हुए अनुबंध के तहत सभी 24 हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति 2025 तक पूरी हो जाएगी। अत्याधुनिक मिशन सक्षम प्लेटफार्मों को शामिल करने से भारतीय नौसेना की विभिन्न एएसडब्ल्यू क्षमता को काफी बढ़ावा मिलेगा। सभी हेलीकॉप्टर मिलने के बाद भारत को सतह-विरोधी और पनडुब्बी-रोधी युद्ध अभियानों को अंजाम देने की क्षमता मिलेगी। साथ ही भारतीय नौसेना की त्रि-आयामी क्षमताओं में वृद्धि होगी। भारत अपनी बढ़ी हुई क्षमता का उपयोग क्षेत्रीय खतरों से निपटने और अपनी मातृभूमि की रक्षा को मजबूत करने के लिए करेगा। एमएच 60आर हेलीकॉप्टर भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ावा देने के साथ समुद्री डोमेन में निरंतर नौसैनिक संचालन का समर्थन करेगा।

संभल में जामा मस्जिद के सामने पुलिस चौकी निर्माण का कार्य शुरू, बढ़ाई गई सुरक्षा

एजेंसी

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में विगत 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद और हरिहरनाथ मंदिर विवाद को लेकर हुए सर्वे के दौरान भड़की हिंसा को लेकर जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला किया है। इस विवादित शाही जामा मस्जिद के सामने खाली पड़ी जमीन पर नई पुलिस चौकी का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। निर्माण कार्य के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीचंद्र ने पत्रकारों को बताया कि जुम्मे की नमाज के बाद पुलिस चौकी के लिए जमीन को चिह्नित कर नापी की गई। इसके बाद नींव की खुदाई के साथ ही पुलिस चौकी का निर्माण कार्य शुरू हो गया। उन्होंने बताया कि

सुरक्षा की दृष्टि से इस जगह पर पुलिस चौकी बनाने का फैसला लिया गया है। जामा मस्जिद के सामने बनाई जाने वाली इस पुलिस चौकी का नाम भी तय कर लिया गया है। इसका नाम 'सत्यव्रत' पुलिस चौकी होगा।

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के भोपाल, ग्वालियर व जबलपुर स्थित छह ठिकानों पर ईडी का छापा

एजेंसी

भोपाल। लोकायुक्त और आयकर विभाग के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके करीबियों से जुड़े भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर स्थित छह ठिकानों पर छापा मारा है। ईडी की अलग-अलग टीमों ने शुक्रवार सुबह एक साथ तीनों शहरों में दबिश देकर सर्चिंग शुरू की। इस दौरान कई अहम दस्तावेज बरामद होने की जानकारी सामने आई है। फिलहाल ईडी की कार्रवाई जारी है। दरअसल, लोकायुक्त पुलिस के आय से अधिक संपत्ति के मामले में दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने भी तीन दिन पहले सौरभ के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया था। ईडी की टीम शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे भोपाल में अरेरा कॉलोनी ई-7 स्थित मकान नंबर 78 और 657 समेत 1100 क्वार्टर स्थित जयपुरिया स्कूल के दफ्तर पहुंची और सर्च अभियान चलाया। ईडी के अधिकारी दीवारों और फर्श की मेटल डिटेक्टर और अन्य आधुनिक उपकरणों के साथ जांच कर रहे हैं। अधिकारी सौरभ शर्मा की संपत्ति के दस्तावेजों का परीक्षण कर रहे हैं। इसके साथ ग्वालियर के बहोड़ापुर स्थित सौरभ शर्मा की कोठी पर सुबह 5 बजे ही पुलिस फोर्स के साथ ईडी ने दबिश दी। फिलहाल, घर के बाहर पुलिस बल तैनात है और अंदर ईडी के अधिकारी सर्चिंग कर रहे हैं। हालांकि, ग्वालियर के पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह का कहना है कि यह कार्रवाई किसकी है, यह अभी उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। किसी भी जांच एजेंसी ने ग्वालियर पुलिस से संपर्क नहीं किया है। पड़ोस में रहने वाले रिटायर्ड डीएसपी मुनीष राजौरिया ने बताया कि यह डॉ. राकेश शर्मा का घर है। उनके दो लड़के सचिन और सौरभ शर्मा हैं। सचिन छत्तीसगढ़ में नौकरी करता है।

रक्षा मंत्री ने 2024 में मित्र देशों के साथ रक्षा सहयोग को अगले स्तर पर पहुंचाया

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्यमंत्री, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, तीनों सेनाओं के प्रमुख और रक्षा सचिव ने रक्षा संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से 2024 में मित्र देशों के दौरे किए। रक्षा मंत्री ने इस साल अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन, लाओस, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, जापान, सिंगापुर, नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया के दौरे में अपने समकक्षों से मुलाकात की। रक्षा मंत्रालय ने अपने मित्र देशों के साथ रक्षा सहयोग को सैन्य अभ्यासों के माध्यम से भी अगले स्तर पर पहुंचाया। रक्षा मंत्री ने इस वर्ष विदेशी दौरों की शुरुआत ब्रिटेन से की। उन्होंने 09 से 10 जनवरी तक लंदन, यूनाइटेड किंगडम का आधिकारिक दौरा किया। उन्होंने लंदन में ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ग्रांट शैप्स के साथ द्विपक्षीय बैठक करके रक्षा, सुरक्षा और सहयोग के विभिन्न मामलों पर चर्चा की, जिसमें रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधान मंत्री ऋषि सुनक से भी मुलाकात की। वार्ता में चर्चा हुई कि देशों ने ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक, बहुआयामी और पारस्परिक रूप से लाभकारी

साझेदारी में ढालने और फिर से तैयार करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। रक्षा मंत्री ने 23 फरवरी को नई दिल्ली में नीदरलैंड की रक्षा मंत्री काजसा ओलोंग्रेन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने अपने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, विशेष रूप से समुद्री और औद्योगिक क्षेत्रों में विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने दोनों नौसेनाओं के बीच बढ़ती बातचीत पर ध्यान दिया और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की इच्छा व्यक्त की। रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने 20 अगस्त को नई दिल्ली में तीसरी भारत-जापान 2 प्लस 2 मंत्रिस्तरीय वार्ता के लिए जापानी रक्षा मंत्री किहारा मिनोरू और विदेश मंत्री सुश्री योको कामिकावा की मेजबानी की। 2 प्लस 2 वार्ता के दौरान रक्षा मंत्री और उनके जापानी समकक्ष के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। उन्होंने मौजूदा रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा की और सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 से 26 अगस्त तक अमेरिका के दौरे पर रहे। उन्होंने अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग, औद्योगिक सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा की।

अकेलेपन को करें एंजॉय

अकेलापन शायद ही किसी को अच्छा लगता हो, लेकिन यह भी सच ही है कि जो लोग ज्यादा सामाजिक होते हैं या फिर जिन्हें सामाजिकता से ज्यादा प्यार होता है, उनके पास अपने लिए भी वक्त नहीं होता है। लेकिन अगर आप ज्यादा सामाजिक नहीं हैं या फिर आप इससे दूर भागते हैं और अकेले हैं तो कोई बात नहीं। आप अपने अकेलेपन को भी एंजॉय कर सकते हैं। क्योंकि हर परिस्थिति हमेशा बुरी नहीं होती है। पूरी बात हमारे नजरिए पर निर्भर है कि हम क्या सोचते हैं। इसलिए अगली बार अकेलापन को सकारात्मक नजर से देखें।

...तो हो जाएं थोड़ा क्रिएटिव

अकेलेपन का यह मतलब बिल्कुल भी नहीं है कि आप लेजी हो जाएं,दिनभर सुस्ती के साथ बिस्तर पर लेटे रहें। बल्कि यही मौका होता है जब आप अपने अंदर की रचनात्मकता को निखार सकते हैं। अगर आपको कुकिंग का शौक है तो कोई डिश,जो आप रोज बनाते हैं उसे अलग तरीके से बनाइए। लिखने का शौक है तो क्यों न कुछ लिखें। अगर कोई विषय नहीं मिल रहा है तो अपने आपको केंद्रित करके भी कुछ लिख सकते हैं। तूलिका से अगर प्यार है तो आड़ी-टेढ़ी रेखाओं से ही सही कुछ तस्वीर ही खींच दें।

सीखें खुद से प्यार करना...

जब आप अकेले रहते हैं तो आपने यह महसूस किया होगा कि आपके आस-पास कोई ?सा शख्स नहीं होता है कि जो आपको देख रहा हो। आप पूरी तरह से मुक्त होते हैं हर तरह के बंधन से। आप वो सारी चीजें कर सकते हैं जो आप करना चाहते हैं। पहले आप वो चीजें इसलिए नहीं कर पाते थे क्योंकि लोग आपके आस-पास रहते थे। लेकिन चूंकि आप अकेले हैं तो हर वो चीज करें जिसकी आपको ख्वाहिश थी। नाचे,गाएं,मनपसंद खाना खाएं। यह थोड़ा अजीब है लेकिन इसमें मजा आएगा। आप कहीं जाएं और लोगों के व्यवहार को ऑब्जर्व करें कि वो क्या करते हैं (अक्सर लोगों को लगता है कि वो जो काम कर रहें हैं उसे कोई नोटिस नहीं कर रहा है) आप पार्क में या किसी मॉल में जाइए लोगों के व्यवहार को देखिए। आप पाएंगे कि हर व्यक्ति अलग-अलग लोगों से कैसे व्यवहार करता है। इस चीज में आपको मजा आएगा लेकिन अगर नही आता है तो कोई बात नही,किसी शांत और प्रकृतिमय जगह जाएं। जहां पशुओं-पक्षियों के व्यवहार को ऑब्जर्व करें,मजा आएगा।

जा रही हैं ब्यूटी पार्लर...

आज ब्यूटी पार्लर जाना आम बात हो गई है पर कई बार हम वहां जाते तो हैं अपनी खूबसूरती में चार चांद लगवाने पर अनजाने में ढेर सारी बीमारियां साथ लेकर चले आते हैं। ब्यूटी के मामले में लापरवाही से काम लेना उचित नहीं है। जब भी पार्लर जाएं, वहां कुछ बातों का ध्यान रखें...

पेडीक्योर के समय

खतरा : फंगल इंफेक्शन, मस्से
सावधानी : पैर रखने वाले बरतन को अच्छी तरह से स्टरलाइज्ड करवाएं वरना पैरों में इंफेक्शन होने का भय रहता है। इस बात का ध्यान रखें कि क्यूटिकल स्टिक दोबारा इस्तेमाल आप पर न हो।
समाधान : पर्सनल झावां और क्यूटिकल स्टिक अपने साथ ले जाएं। ऐसे पार्लर पर जाएं जहां फ्रेश या एक ही बार इस्तेमाल की जाने वाली पेडी पैडल का उपयोग किया जाता है।

आई ब्रो बनवाते समय

खतरा : त्वचा रोग, हर्पीज
सावधानी : आई ब्रो निकालने के लिए चिमटी का इस्तेमाल किया जाता है। मामूली सी दिखने वाली चिमटी बहुत सारी बीमारियों से भरी होती है। जब ब्यूटी थेरेपिस्ट चिमटी का इस्तेमाल करे तो उससे चिमटी स्टरलाइज कर लेने को कहें, नहीं तो आप इंफेक्शन का शिकार हो सकती हैं।
समाधान : ब्यूटी पार्लर में यह जरूर चेक करें कि ट्रे में रखें टूल्स स्टरलाइज्ड है या नहीं। हो सके तो अपने सामने चिमटी को स्टरलाइज्ड करवाएं। चिमटी को खौलते पानी में उबाला गया है तो बेशक इसका इस्तेमाल करें। अपने साथ पर्सनल चिमटी ले जाएं।

जब फेशियल करवाएं

खतरा : इम्पेटिगो डर्माटाइटिस (त्वचा रोग)
सावधानी : कई लोगों द्वारा इस्तेमाल किए गए तौलिए से त्वचा में संक्रमण होने का खतरा रहता है। इसमें चेहरे पर सूजन या जलन हो सकती है। एक ही फेशियल प्रॉडक्ट्स को अंगुलियों में डुबोकर हर किसी के चेहरे पर लगाने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।
समाधान : इस्तेमाल किए जाने वाले तौलिया या गाउंस साफ - सुथरी हों। दूसरों द्वारा इस्तेमाल न की गई हों। फेशियल करते वक्त थेरेपिस्ट को हाथों को अच्छे से धोने या हाथों पर दस्ताने चढ़ाने के लिए कहें। ध्यान रहे कि दस्ताने नए हों, पहले से काम में लिए न हों। थेरेपिस्ट के हाथों में घाव, सूजन या इंफेक्शन हो तो उससे फेशियल न करवाएं ताकि उसके हाथ से कीटाणु आपके शरीर में न पहुंचें।

वैक्सिंग के वक्त

खतरा : दाद, खाज या जलन
सावधानी : वैक्सिंग के वक्त जरूर चेक कर लें कि फ्रेश स्पैचुला का इस्तेमाल किया जा रहा है या नहीं।
समाधान : पार्लर वाली से नया स्पैचुला इस्तेमाल करने को कहें। तिल, मस्से, दाद, खुजली पर वैक्स न करवाएं।

नीम की पत्तियां निखारे त्वचा

नीम की पत्तियां आपको आसानी से हर जगह मिल जाएंगी। इनका इस्तेमाल भी मुश्किल नहीं है। आपको बस करना यह होगा...

नीम की पचास पत्तियों को दो लीटर पानी में डालकर खूब उबाल लें। उस उबले पानी को ठंडा करके एक बॉटल में रख लें। रोज नहाते वक्त उस पानी की थोड़ी मात्रा नहाने वाले पानी मिलाएं। त्वचा में कोई संक्रमण नहीं होगा।

नीम के इस पानी का उपयोग आप चेहरा साफ करने के लिए भी कर सकती हैं। रात में सोने से पहले एक कॉटन बॉल को नीम के पानी में डुबोएं उसके बाद उस पानी से चेहरे को साफ करें। ?सा करने से चेहरा तो साफ होगा, साथ ही मुंहासे और ब्लैकहेड्स की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। नीम की छाल और जड़ भी सेहत के लिहाज से बहुत प्रभावी होते हैं। इनका पाउडर बनाकर बालों में लगाने से रूसी और जूं की समस्या नहीं होती है। क्योंकि नीम अपने आप में एक बहुत ही अच्छा एंटीबैक्टेरियल होता है।

पाँवों को भी है देखभाल की जरूरत

खूबसूरत मुलायम पैरों का सौंदर्य में उतना ही महत्व है जितना कि चेहरे का। चेहरे व शरीर के अन्य अंगों की तरह पैरों की भी देखभाल की जानी चाहिए। अपने दिनभर के रूटीन से थोड़ा सा समय निकाल कर पैरों की देखभाल में लगाएं और देखें कि आपके पैर कितनी जल्दी मुलायम और सुंदर बन जाते हैं।

फुरसत के समय या टीवी देखते समय अच्छी क्रीम या तेल के हल्के हाथों से गोलाई में पैरों की मालिश करें। थोड़ी देर में तेल त्वचा में रम जाएगा। इससे थके?हारे पैरों को आराम मिलेगा और रूखी त्वचा मुलायम बनी रहेगी। नहाते समय प्यूमिक स्टोन से पैरों की अच्छी तरह सफाई करें ताकि कटी?फटी त्वचा उतर जाए। नहाने के बाद कोई अच्छा बॉडी लोशन या क्रीम पैरों पर लगाएं।

अगर पैरों में पसीना ज्यादा आता हो तो गुनगुने पानी में नींबू की कुछ बूंदें डालें। इसमें पैरों को डुबो कर रखें। पंद्रह मिनट के बाद पैरों को पोंछ लें। थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी में गुलाबजल डाल कर पेस्ट बनाकर पैरों पर पतली परत लगाएं और सूखने पर उसे धो लें। पसीने की समस्या से बचने के लिए पैरों पर अच्छी तरह पाउडर लगाकर जूते पहनें।

गर्म पानी में नमक डाल कर उसमें कुछ देर के लिए पैरों को डाल कर रखें। इससे थके पैरों को आराम मिलता है। मुल्तानी मिट्टी में थोड़ा सा दही डाल कर पेस्ट बना कर पैरों में लगा लें और सूखने पर धो दें। इससे पैर मुलायम हो जाएंगे। पैरों की त्वचा ज्यादा सूखी हो तो गुनगुने पानी में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिला लें। पंद्रह मिनट तक अपने पैरों को इसमें भिगो कर रखें फिर पोंछ कर किसी अच्छी क्रीम से मालिश करें।

पैरों को मुलायम बनाने के लिए मलाई में कुछ बूंदें नींबू की मिलाएं और इससे पैरों की मालिश करें। दो चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच गुलाबजल में एक चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को एक बोतल में बंद करके रोज सोने से पहले लगाएं। इससे पैरों की त्वचा मुलायम बनी रहेगी।

आपके पैर ठंडे रहते हैं तो सोने से पहले जैतून के तेल से मालिश करें। पैरों के अंदर धंसे नाखूनों की समस्या उन्हें गलत ढंग से काटने से होती है। नाखूनों को सीधा और चौड़ाई में काटें। नेलपालिश लगे हुए पैर सुंदर लगते हैं पर बीच-

बीच में नेलपालिश का प्रयोग बंद कर देना चाहिए ताकि नाखूनों का स्वाभाविक रंग बना रहे। लगातार कुर्सी पर बैठे रहने के कारण पैर खिंच जाते हों तो पैरों को क्लॉकवाइज और एंटी क्लॉकवाइज थोड़ी?थोड़ी देर में घुमाते रहें। जूते?चप्पल हमेशा सही माप के खरीदें जिससे आपके पैरों को उनमें पूरी जगह मिल सके। बहुत देर तक ऊंची एड़ी की सैंडलें नही पहनें इनसे थकान ज्यादा होती है और शरीर का संतुलन बिगड़ता है। अगर हील पहननी ही हो तो प्लेटफॉर्म हील ही खरीदें। नंगे पांव हरी घास पर टहलना भी पैरों के लिए लाभदायक होता है।

कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट में चैंपियन बनी ईश्वर देव मिश्र एकादश

एजेंसी

वाराणसी। ईश्वर देव मिश्र एकादश ने आनन्द चंदोला खेल महोत्सव में खेली जा रही 37वीं कनिष्कदेव गोरावाला मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में विद्या भास्कर एकादश को 32 रनों से हरा कर खिताब जीत लिया। काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब एवं जिला प्रशासन के बैनर तले सांसद सांस्कृतिक जागरूकता महोत्सव के तहत डॉ सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स काम्पलेक्स सिगरा में फाइनल मैच खेला गया। प्रतियोगिता में पहले खेलते हुए ईश्वर देव मिश्र एकादश ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 177 रन बनाए। सोनू ने 52, अमित मिश्रा ने 17, अमित मिश्र द्वितीय ने 13, इरफान ने 30 गेंद पर नाबाद 50 रन बनाए। विद्याभास्कर एकादश की तरफ से सुब्रतो मुखर्जी ने तीन, अभिषेक कुमार ने दो विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी विद्या भास्कर एकादश की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 145 रन ही बना सकी। राहुल सिंह ने 30 गेंद पर 57 रन, अभिषेक कुमार ने 23 रन की पारी खेली। ईश्वरदेव मिश्र एकादश की तरफ से इरफान ने तीन, रवि सिंह, पुरूषोत्तम चतुर्वेदी, सोनू, अमित मिश्रा व शैलेश चौरसिया ने एक-एक विकेट लिया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि हिमांशु नाग पाल (वाराणसी सीडीओ) ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार इरफान खान को, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज दीनबंधु राय को, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज विनय शंकर सिंह को मिला।

खिलाड़ियों ने मैदान पर दिखाया दम, बोले फाइनल को तैयार हैं हम

प्रयागराज। नगर निगम की ओर से सात दिवसीय 'स्वच्छता महाकुम्भ' के तीसरे दिन तीन पालियों में क्रिकेट मैच हुआ। जमुना क्रिश्चियन कॉलेज में चल रहे 'स्वच्छता प्रयाग प्रीमियर लीग' में छह टीमों के बीच दिलचस्प मुकाबला हुआ। पहली पाली में यादगारे हुसैनी इंटर कॉलेज और स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज के बीच मैच हुआ। स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का मौका यादगार हुसैनी इंटर कॉलेज की टीम को दिया। मैदान पर उतरे यादगार हुसैनी के धुरंधरों ने 10 ओवर में 100 बनाए। टीम के कप्तान मोहम्मद अमीन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अकेले 70 रन बनाए। वहीं, जवाब में उतरी स्वामी विवेकानंद की टीम 94 रन पर ऑल आउट हो गई। बिशप जॉर्ज ने 29 रनों से जीता मैच दूसरी पाली का मैच बिशप जॉर्ज स्कूल और सीएवी इंटर कॉलेज के बीच हुआ। सीएवी इंटर कॉलेज की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का मौका बिशप जॉर्ज स्कूल को दिया। बिशप जॉर्ज स्कूल के सलामी बल्लेबाज आमिर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 21 रन बनाए। पूरी टीम ने मिलकर 10 ओवर में 88 रनों का स्कोर खड़ा किया। वहीं, जवाब में उतरे सीएवी इंटर कॉलेज के बल्लेबाज मैदान पर कमाल न दिखा सके और पूरी टीम 59 रन बनाकर सिमट गई। बिशप जॉर्ज स्कूल की टीम ने 29 रनों से मैच जीत लिया।

हैदराबाद के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी ईस्ट बंगाल एफसी

हैदराबाद। ईस्ट बंगाल एफसी (रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड) शनिवार को जीएमसी बालायोगी एथलेटिक स्टेडियम में शाम को खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मेजबान हैदराबाद एफसी से भिड़ेगी, तो रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड का लक्ष्य मेजबान टीम पर अपने हालिया दबदबे को जारी रखना होगा।रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने सीजन 2023-24 में हैदराबाद एफसी के खिलाफ अपने पिछले दो आईएसएल मैच जीतकर लीग डबल पूरा किया और पिछले पांच मैचों में चार जीते हैं। ईस्ट बंगाल एफसी 12 मैचों में चार जीत, एक ड्रा और सात हार से 13 अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर है। वहीं, हैदराबाद एफसी पिछले पांच मैचों में लगातार हार रही है। हैदराबाद एफसी 12 मैचों में दो जीत, एक ड्रा और नौ हार से सात अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है। हैदराबाद एफसी ने इस सीजन में 12 मैचों में 25 गोल खाए हैं। उन्होंने अपने पिछले पांच मैचों में ही 15 गोल खाए हैं और इस दौरान ओडिशा एफसी के खिलाफ 0-6 और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ 2-5 की हारी है। डिफेंसिव खामियों के बावजूद, एलेक्स साजी ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करके प्रति मैच औसतन 5.8 क्लीयरेंस किए हैं।

चेन्नइयन की कमजोरी का फायदा उठाने उतरेगी बेंगलुरू एफसी

चेन्नई। बेंगलुरू एफसी और चेन्नइयन एफसी शनिवार को शाम जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगे। एफसी गोवा के साथ 2-2 से ड्रा खेलने के बाद बेंगलुरू इस मुकाबले में उतरेंगे। बेंगलुरू 12 मैचों में सात जीत, तीन ड्रा और दो हार से 24 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर है। वहीं, चेन्नइयन को मुम्बई सिटी एफसी से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। अपने पिछले पांच मुकाबलों में चार हारने वाली चेन्नइयन 13 मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और छह हार से 15 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। बेंगलुरु (15) ने रक्षात्मक दृढ़ता दिखाते हुए लीग में दूसरे सबसे कम गोल खाए हैं। वहीं, चेन्नइयन एफसी ने केवल 17 गोल किए हैं, जिनमें विलमर जॉर्डन गिल के छह गोल हैं। बेंगलुरू एफसी (तीन ड्रा, छह हार) के खिलाफ अपने पिछले 10 आईएसएल मैचों में चेन्नइयन एफसी केवल एक बार जीती है। हैदराबाद एफसी को 1-0 से हराकर चेन्नइयन ने घरेलू मैदान पर चार मैचों में जीत से दूरी को समाप्त किया। बेंगलुरु ने अपने पिछले पांच आईएसएल मैचों में कई गोल किए हैं और अपने सबसे लंबे स्कोरिंग सिलसिले की बराबरी की है।

मेलबर्न टेस्ट : तीसरे दिन का खेल खत्म, नीतीश के शतक की बदौलत भारत 9 नौ विकेट पर 358 रन बनाए

एजेंसी

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है।

खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट खोकर 358 रन बना लिए हैं। युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने बेहतरीन शतक जड़ा है और वह फिलहाल 176 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 105 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके साथ मोहम्मद सिराज भी दो रन बनाकर नाबाद हैं। मेलबर्न में खेले जा रहे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारतीय टीम अभी भी 116 रन पीछे है। भारतीय टीम तीसरे दिन आज अपने कल के स्कोर 5 विकेट पर 164 रन से आगे खेलना शुरू किया। ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने संभलकर पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि पंत टीम के 191 के कुल स्कोर पर बोलैंड का शिकार बने। पंत

ने 28 रन बनाए। रवींद्र जडेजा भी 221 के कुल स्कोर पर नाथन लियोन का शिकार बने। जडेजा ने 17 रन बनाए। 221 रन पर 7 विकेट खोकर भारतीय टीम मुश्किल में फंस गई थी और ऐसा लग रहा था कि भारत फॉलोआन खेलेगा, लेकिन यहां से नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर भारत को न सिर्फ फॉलोआन से बचाया, बल्कि मैच में वापसी भी दिला दी। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले पुरानी और फिर नई गेंद को भी संभलकर खेला और भारत के स्कोर को तीन सौ के पार पहुंचाया। नीतीश ने इस दौरान अपना अर्धशतक भी पूरा किया। दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। नीतीश के बाद सुंदर ने भी अर्धशतक जड़ दिया। हालांकि इसके बाद वह ऑउट हो गए। उन्होंने 162 गेंद में 50 रन बनाए। 350 के स्कोर पर भारत को नौवां झटका लगा। जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बाद नीतीश रेड्डी ने शानदार शतक जड़ दिया। उन्होंने 171 गेंद में चौका लगाकर शतक लगाया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक है। इसके बाद खराब रोशनी की वजह से खेल रोका गया, लेकिन फिर बारिश शुरू हो गई जिसके चलते दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी गई।

इससे पहले दूसरे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 82 रन, कप्तान रोहित शर्मा तीन, केएल राहुल 24 रन, विराट कोहली 36 रन बनाकर आउट हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस ने 3, स्कॉट बोलैंड ने 3 और नाथन लियोन ने 2 विकेट लिए।

प्रीमियर लीग: इप्सविच को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा आर्सेनल

एजेंसी

लंदन। आर्सेनल घरेलू मैदान पर संघर्षरत इप्सविच टाउन को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। लिआंड्रो ट्रॉसार्ड के क्रॉस के बाद काई हैवर्टज़ का 23वें मिनट में किया गया टैप-इन, खेल का निर्णायक बिंदु साबित हुआ, जिसमें आर्सेनल ने शुरू से अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा, इप्सविच ने खेल के दौरान केवल तीन शॉट ही लगाए, जिनमें से कोई भी निशाने पर नहीं लगा।हैवर्टज़ ने आर्सेनल की बढ़त को दोगुना करने का मौका गंवा दिया, जबकि गेब्रियल जीसस के एक गोल को ऑफसाइड के कारण रद्द किया गया। अन्य मैचों में ब्राइटन और ब्रेंटफ़ोर्ड का मैच गोल रहित ड्रा रहा। गुरुवार को लिवरपूल ने लीसेस्टर सिटी को घरेलू मैदान पर 3-1 से हराकर अपनी बढ़त मजबूत कर

ली, जबकि फुलहम ने चेल्सी को 2-1 से हराकर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर 45 वर्षों में अपनी पहली जीत दर्ज की। नॉटिंघम फॉरेस्ट ने टोटेनहैम को 1-0 से हराकर अपना शानदार सत्र जारी रखा है, जबकि मैनचेस्टर यूनाइटेड की समस्याएं जारी हैं, क्योंकि उसे वोल्वरहैम्पटन वांडरर्स से 2-0 से हार का सामना करना पड़ा, जो इस जीत के साथ अंतिम तीन से बाहर आ गया है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने की बैलन डी'ओर पुरस्कार की आलोचना, कहा- विनिसियस जूनियर गोल्डन बॉल जीतने के हकदार थे

एजेंसी

दुबई। दिग्गज पुर्तगाली फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बैलन डी'ओर पुरस्कार की आलोचना की और कहा कि रियल मैड्रिड और ब्राजील के सुपरस्टार विनीसियस जूनियर सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के रूप में नामित होने के हकदार थे।इससे पहले अक्टूबर में, मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रॉड्री को 2024 पुरुष बैलन डी'ओर विजेता नामित किया गया था, उन्होंने अपने क्लब को लगातार चौथी बार इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब दिलाने में मदद की। क्लब फ़ुटबॉल के अलावा, रॉड्री ने स्पेनिश राष्ट्रीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जर्मनी में 2024 यूरो में उनकी जीत में योगदान दिया, जहाँ उन्होंने जुलाई में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट चुना गया।बैलन डी'ओर पुरस्कार समारोह के एक महीने बाद, विनीसियस ने द बेस्ट फीफा मेन्स प्लेयर ऑफ़ द ईयर जीता और उन्हें दुबई ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में प्लेयर ऑफ़ द ईयर का पुरस्कार

भी दिया गया। पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो को ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में 'बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर' का पुरस्कार भी दिया गया। ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में रोनाल्डो ने कहा,विनिसियस को 2024 का पुरुष बैलन डी'ओर पुरस्कार देने से मना करना अनुचित था। मेरी राय में, वह [विनिसियस] गोल्डन बॉल [बैलन डी'ओर पुरस्कार] जीतने के हकदार थे। मैं यहाँ सबके सामने कह रहा हूँ। वे इसे रॉड्री को देते हैं, वह भी इसके हकदार थे, लेकिन उन्हें इसे विनिसियस को देना चाहिए था क्योंकि उन्होंने चैंपियंस लीग जीती और फाइनल में गोल किया। पुर्तगाल के कप्तान ने कहा कि ग्लोब सॉकर अवार्ड्स अन्य गाला से बेहतर है क्योंकि वे पारदर्शी हैं। उन्होंने कहा, आप इन गाला को जानते हैं, वे हमेशा एक ही काम करते हैं।

महिला एशेज से बाहर हुईं ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर सोफी मोलिनक्स इंग्लैंड के खिलाफ 12 जनवरी से शुरू होने वाले वनडे मैचों के साथ मल्टी-फॉर्मेट महिला एशेज के दौरान एक्शन में नहीं दिखेंगी। मोलिनक्स, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में मेलबर्न रेनेगेड्स को महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) खिताब दिलाया था, घुटने की समस्या से जूझ रही थीं। हाल ही में भारत के साथ सीरीज के बाद उन्हें दर्द हुआ और पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड में तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गईं। अब उन्हें घुटने की सर्जरी करानी होगी, जिससे वह कुछ समय के लिए आराम कर सकेंगी। टीम की फिजियोथेरेपिस्ट केट बीरवर्थ ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, सोफी मोलिनक्स अगले महीने अपने बाएं घुटने की सर्जरी करवाएंगी, जिसके बाद हम वापसी की अनुमानित तारीख के बारे में जानकारी देंगे। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली भी घुटने की चोट से जूझ रही हैं, जिसके कारण उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज से

बाहर बैठना पड़ा। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए लौटीं, लेकिन उन्होंने उन वनडे मैचों में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं ली - उन्होंने यह जिम्मेदारी बेथ मूनी को सौंप दी। यह देखना अभी बाकी है कि वह एशेज में यह जिम्मेदारी संभालती हैं या नहीं।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की परफॉरमेंस हेड (महिला क्रिकेट) और राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, एलिसा हीली को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते हुए देखना सुखद था और वह अच्छी लय में दिखीं, साथ ही कई बल्लेबाजों ने भारत के खिलाफ हाल ही में खेली गई सीरीज से अपनी मजबूत फॉर्म जारी रखी।

पीकेएल 11: पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली को हराया, फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स से होगा सामना

एजेंसी

पुणे। पटना पाइरेट्स ने शुक्रवार रात श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी में प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 में दबंग दिल्ली के 15 मैचों से चले आ रहे अपराजेय अभियान को रोकते हुए फाइनल में जगह बना ली। पटना ने दिल्ली को 32-28 से हराया।पाइरेट्स ने मैच की शुरुआत जोरदार तरीके से की और देवांक दलाल और अयान लोहचब की जोड़ी के दम पर दिल्ली पर हमला किया और 10 मिनट के बाद पांच अंकों की बढ़त ले ली। मैट पर आखिरी खिलाड़ी तक पहुंचने के बाद, दिल्ली के सुपर-सब मोहित ने दूसरे चरण के शुरुआती चरण में अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखने के लिए तीन अंकों की रेड की। तीन बार के चैंपियन पाइरेट्स ने आखिरकार दिल्ली पर जोरदार हमला किया, जिससे उनका दबदबा और मजबूत हुआ और 15

मिनट के बाद उनकी बढ़त 12-8 के अंतर तक पहुंच गई।हाफ-टाइम तक पाइरेट्स ने अपने विरोधियों पर सात अंकों की महत्वपूर्ण बढ़त बनाए रखी, जिससे संभावित निर्णायक जीत की स्थिति बन गई। हालांकि, अपने करिश्माई कप्तान से प्रेरित दिल्ली ने शानदार वापसी की। इसके डिफेंस ने भी महत्वपूर्ण योगदान देना शुरू कर दिया, जिससे पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट पर भारी दबाव पड़ा। सीजन आठ की चैंपियन दिल्ली ने अपने ऑल-आउट के साथ अंतिम चरण की शुरुआत की, जिससे अंतर नाटकीय रूप से घटकर मात्र एक अंक रह गया। कीमती मिनट बचे होने पर स्कोर 27-27 पर था, जिससे गहन सस्पेंस का माहौल बन गया। एक महत्वपूर्ण करो या मरो रेड में, अयान ने योगेश पर एक सफल टच किया, जिससे पाइरेट्स को मामूली बढ़त मिली। इसके बाद उन्होंने गति का लाभ उठाते हुए मैच के अंतिम रेड में दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए, जिससे उनकी टीम की जीत सुनिश्चित हो गई। दिल्ली के लिए आशु ने नौ अंक लेकर अहम योगदान दिया, जबकि मोहित ने सात अंक बनाकर प्रभावित किया। हालांकि, इसके डिफेंस ने पाइरेट्स की रेडिंग यूनिट को रोकने के लिए संघर्ष किया, खासकर पहले हाफ में, जो अंततः हार का एक महत्वपूर्ण कारक साबित हुआ।

प्रदेशीय महिला खेल समारोह वॉलीबाल में लखनऊ, खो-खो में वाराणसी बनी चैम्पियन

एजेंसी

जौनपुर। इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजित हो रही प्रदेश स्तरीय महिला वॉलीबाल एवं खो-खो प्रतियोगिता के तीसरे दिन फाइनल खिलाड़ियों के बीच पूर्व प्रधानमंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह के निधन की खबर लगने के साथ ही राष्ट्रीय शोक की घोषणा के मध्य मैच सादगीपूर्ण ढंग से खेला गया।

अधिकारी, खिलाड़ी, टीम मैनेजर एवं निर्णायक ने दो मिनट का मौन रखकर पूर्व प्रधानमंत्री के प्रति अपनी शोक संवेदना प्रकट किया। इस अवसर पर वॉलीबाल व खो-खो के विजेता, उप विजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को बिना किसी समारोह के पुरस्कृत किया गया। आज खेले गये मैच का विवरण इस प्रकार है- वॉलीबाल में सेमीफाइनल का पहला मैच गोरखपुर बनाम लखनऊ के मध्य खेला गया, जिसमें लखनऊ की टीम (2-1) 25-22, 25-18 एवं 25-16 अंक से विजेता हुई। सेमीफाइनल का दूसरा मैच कानपुर बनाम आजमगढ़ के मध्य खेला गया, जिसमें आजमगढ़ की टीम (2-0) 25-13, 25-02 अंक से विजेता रही। फाइनल मैच लखनऊ बनाम आजमगढ़ के मध्य हुआ जिसमें लखनऊ की टीम 3-2, 25-16, 12-25, 25-10, 26-24 व 15-07 अंक से विजेता रही। आजमगढ़ की टीम की अना रिजवी का प्रदर्शन बेहतरीन रहा तथा लखनऊ की टीम खुशबू रावत ने अच्छा प्रदर्शन किया।

ओडिशा एफसी को ड्रा पर रोककर मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने तोड़ा अपनी हार का सिलसिला

एजेंसी

कोलकाता। मोहम्मडन एससी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में लगातार पांच हार के सिलसिले को तोड़ दिया है, जब ब्लैक पैंथर्स ने अपने घरेलू मैदान किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले गए आईएसएल 2024-25 मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करते हुए ओडिशा एफसी को गोलरहित (0-0) ड्रा खेलने के लिए मजबूर किया। मोहम्मडन स्पोर्टिंग के अर्जेंटीनी मिडफील्डर एलेक्सिस गोमेज को बीच मैदान पर मजबूत खेल दिखाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। आज जगरनॉट्स द्वारा नीरस ड्रा खेलने से स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा निश्चित रूप से निराश होंगे क्योंकि सहायक कोच एंथनी फर्नांडीस की देखरेख में मैदान पर उतरने के बाद जगरनॉट्स प्रभावी खेल नहीं दिखा पाए। ओडिशा एफसी 13 मैचों में पांच जीत, पांच ड्रा और तीन हार से 20 अंक लेकर तालिका में पांचवें से चौथे स्थान पर आ गई है। वहीं, ब्लैक पैंथर्स द्वारा बेहतर खेल दिखाने के बावजूद ड्रा के रूप में परिणाम आने से रूसी हेड कोच आंद्रेई चेर्निशोव जरूर निराश होंगे। मोहम्मडन स्पोर्टिंग 13 मैचों में एक जीत, तीन ड्रा और नौ हार से छह अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर है।

बेहद नीरस रहा पहला हाफ गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ, क्योंकि दोनों ही टीमें बहुत ज्यादा डिफेंसिव खेलती नजर आई और गतिरोध तोड़कर बढ़त बनाने की भूख नहीं दिखाई दी। लिहाजा, हाफ टाइम ब्रेक पर स्कोर 0-0 था। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण ओडिशा एफसी का 60 फीसदी रहा। लेकिन जगरनॉट्स आश्चर्यजनक रूप से कोई भी प्रयास करने में नाकाम रहे। उनको मैदान के बाहर बेंच पर अपने हेड कोच लोबेरा और मैदान के अंदर क्रिएटिव मिडफील्डर अहमद जाहौह की कमी साफ खली, जिस कारण जगरनॉट्स के खेल में पैनापन बिल्कुल भी नहीं था और वे हमले भी नहीं बोल पाए। लिहाजा, गोल नहीं आया। वहीं, गेंद पर 40 फीसदी कब्जा रखने वाली मोहम्मडन स्पोर्टिंग की तरफ से पांच प्रयास किए गए, जिनमें से सभी शॉट दिशाहीन थे और गोल नहीं आया। लिहाजा, दोनों टीमों के बेहद रक्षात्मक खेलने के कारण दोनों गोलकीपरों पदम छेत्री (मोहम्मडन स्पोर्टिंग) और अमरिंदर सिंह (ओडिशा एफसी) को टेस्ट नहीं किया जा सका। यह आईएसएल में ओडिशा एफसी और मोहम्मडन एससी के बीच पहला मुकाबला था, जो कि ड्रा पर समाप्त हुआ।

संतोष ट्रॉफी : सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल का सामना सर्विसेज से, मणिपुर से भिड़ेगा केरल

एजेंसी

हैदराबाद। 78वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी के सेमीफाइनल की लाइन-अप पूरी हो गई है। खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबलों के बाद केरल, सर्विसेज, पश्चिम बंगाल और मणिपुर ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। रविवार, को सेमीफाइनल में, पश्चिम बंगाल का सामना सर्विसेज के साथ दोपहर ढाई बजे और उसके बाद शाम साढे सात बजे केरल का सामना मणिपुर से होगा। खेले गए पिछले दो क्वार्टर फाइनल में, फुटबॉल की दिग्गज टीम केरल ने जम्मू और कश्मीर के कड़े प्रतिरोध को पार करते हुए 1-0 से जीत हासिल की और 31वीं बार सेमीफाइनल में जगह बनाई, जबकि गत चैंपियन सर्विसेज ने मेघालय को 2-1 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। दिन के पहले मैच में, केरल ने आखिरकार 73वें मिनट में नसीब रहमान के गोल के

जरिए जम्मू और कश्मीर को 1-0 से हराया। दूसरे मैच में, थिंगनाम बिध्यासागर सिंह (33फीसदी) और राहुल रामकृष्णन (46फीसदी) ने सर्विसेज के लिए गोल किए, जबकि ओवरकाइंडनेस एल मवनई (86फीसदी) ने मेघालय के लिए एक गोल किया।

हरियाणा स्टीलर्स ने यूपी योद्धा को हरा फाइनल में बनाई जगह

पुणे। हरियाणा स्टीलर्स ने पुणे के बालेवाड़ी स्थित श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सेमीफाइनल 1 में यूपी योद्धा को हराकर पीकेएल सीजन 11 के फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। हरियाणा स्टीलर्स ने बहुत ही करीबी मुकाबले में 28-25 के स्कोर से जीत हासिल की जिसमें शिवम पटारे, विनय, राहुल और मोहम्मद रेजा शादलोई ने प्रमुख भूमिका निभाई। यह लगातार दूसरी बार है, जब हरियाणा स्टीलर्स ने पीकेएल के फाइनल में जगह बनाई है। शाम की शुरुआत एक्शन से भरपूर रही, जिसमें हरियाणा स्टीलर्स और यूपी योद्धा दोनों ने शुरुआती मुकाबलों में बढ़त हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। पहले कुछ मिनटों में मुकाबला बराबरी का रहा, फिर यूपी योद्धा ने तीन अंकों की बढ़त बना ली। मोहम्मदरेजा शादलोई और विनय ने हरियाणा स्टीलर्स के लिए अहम जिम्मेदारी निभाई जबकि गगन गौड़ा और सुमित ने यूपी योद्धाज के लिए नेतृत्व किया। जैसे-जैसे हाफ आगे बढ़ा, दोनों टीमों ने पॉइंट्स, रेड्स और टैकल का आदान-प्रदान किया और कोई भी टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। विनय हरियाणा स्टीलर्स के लिए महत्वपूर्ण अंक बना रहे थे और भवानी राजपूत यह सुनिश्चित कर रहे थे कि यूपी योद्धा बराबरी की स्थिति में रहे। दोनों टीमों की रक्षात्मक इकाइयों ने स्थिति को काफी सुरक्षित बनाए रखा,फिर भी हरियाणा स्टीलर्स हाफ टाइम तक 12-11 की बढ़त के साथ आगे बढ़ने में सफल रहा।दूसरे हाफ की शुरुआत में हरियाणा स्टीलर्स ने तेजी से अंक बनाए और अपने विरोधियों को ऑल आउट कर दिया जिससे यूपी योद्धा पर दबाव बढ़ गया। शिवम पटारे और विनय विपक्षी डिफेंस को हर तरह की परेशानी दे रहे थे जबकि मोहम्मदरेज़ा शादलोई भी महत्वपूर्ण अंक हासिल कर रहे थे। आधे घंटे के बाद हरियाणा स्टीलर्स पूरी तरह से बॉक्स सीट पर थे और तीन अंकों की बढ़त हासिल कर चुके थे। हरियाणा स्टीलर्स का दबदबा जारी रहा और उन्होंने यूपी योद्धा को आसानी से मात दी। पीकेएल सीजन 11 के लीग चरण में शीर्ष पर रहने वाली टीम ने अपना दमखम दिखाया, हालांकि गगन गौड़ा और भवानी राजपूत ने उलटफेर करने की पूरी कोशिश की। अंतिम मिनटों में यूपी योद्धाओं पर खेल का पीछा करने की जिम्मेदारी थी और गगन गौड़ा ने स्कोर बराबर करने की पूरी कोशिश की।

साल 2024 में भी बड़ी उपलब्धि से चूक गया यूपीसीए

एजेंसी

कानपुर। साल 2024 के अब गिनती के दिन बचे हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) बड़ी उपलब्धि से एक बार फिर चूक गया। वहीं प्रदेश क्रिकेट संघ ने इससे बुरे दिन अपनी स्थापना से भी नही देखें होंगे जब पदाधिकारियों के बीच ही हाथा-पायी और गाली-गलौज की नौबत आयी हो। यही नहीं कई खिलाड़ियों ने चयन प्रक्रिया पर आरोप लगाए तो घायल महिला खिलाड़ी को टीम में शामिल करने का कारनामा भी इसी साल देखने को मिला। अगर देखा जाए तो जूनियर स्तर की टीमों के प्रदर्शन को ही थोड़ा सफल माना जाएगा। इस बीते साल में प्रदेश क्रिकेट संघ में एक ट्राफी को छोड़कर केवल बदनामियों का अम्बार ही ट्राफियों के रुप में संघ के कार्यालय में जमा होता गया। इसके अलावा क्रिकेट में कुछ अधिक उपलब्धि संघ की कोई भी टीम नहीं पा सकी, जबकि संघ के भीतर मचे घमासान के चलते कई मामले पुलिस की दहलीज तक अवश्य ही पहुंच गए। यही नहीं जो पुलिस कभी प्रदेश संघ के कार्यालय केवल मैचों के पास लेने के लिए आते जाते रहे, वहीं अब मामलों की जांच के लिए फाइलों को अपने साथ ले जाने के लिए विवश रहे। इसके अलावा साल के जाते-जाते प्रदेश के सितारा खिलाड़ी अंकित राजपूत ने क्रिकेट से सन्यास की घोषणा कर संघ की चयन प्रक्रिया को आईना दिखाने का काम कर डाला। प्रदेश क्रिकेट संघ अपने पुराने ढर्रे में ही गतिविधियों को अंजाम देने में मशगूल दिखायी दे रहा है। मुख्य प्रशिक्षक की सुनील जोशी की वापसी पर लाखों रुपए खर्च करने वाले संघ की सीनियर टीम भी किसी प्रकार की चैम्पियन बनने के आसपास नहीं पहुंच सकी।

यूपीसीए के सूत्र बतातें हैं कि सुनील जोशी पर संघ के

आलाअधिकारी के साथ ही कई सदस्यों की मेहरबानी के चलते उन्हे दोबारा टीम से जोड़ा गया है। हालांकि क्रिकेट में बुरी दशा संघ के लिए कोई नई बात नहीं है, कई सालों से ऐसा होता चला आ रहा है। अब तो क्रिकेट की कमान भी ऐसे लोगों के हाथ में दे दी गयी है जिन पर वर्तमान पदाधिकारियों ने भ्रष्टाचार का आरोप लगवाकर हटवा दिया था। अगर 2021 के अपवाद को छोड़ दिया जाए जिसमें यूपी की टीम विजय हजारे एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में मुम्बई से खिताबी मुकाबले में पराजित हो गयी थी। लेकिन इस बार टीम वहां तक भी नहीं पहुंच सकी और बदनामी अलग मोल ले ली। इस बार संघ के भीतर मचा घमासान छीछालेदर तक पहुंच चुका है जो इससे पहले शायद ही कभी पहुंचा हो। अब तो इस बार महिला क्रिकेट से जुड़ी पदाधिकारी और कर्मचारी भी एक दूसरे के कपड़े फाड़ने पर उतारु हो गयीं जो क्रिकेट जगत में संघ की बदनामी के लिए विशेष तौर पर पहचाना गया।

साल का सबसे अधिक रोमांचक किस्सा संघ के पूर्व सचिव और वर्तमान सचिव के बीच लखनऊ में विवाद रहा। जहां दोनों ने एक दूसरे को मां बहन तक सेंक डाली। सुपर एजेन्टों की पोल भी खुलकर देखने को मिली जिससे यह भी साबित हो गया कि खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया में कई सालों से धांधली बरकरार है। यही नहीं संघ के भीतर चल रहे घमासान में दो पूर्व सचिवों के वरदहस्त सुपर सेलक्टर और उनके एजेन्ट भी प्रभावी ढंग से कार्य करते रहे, जिसका खामियाजा टीम में बेहतरीन खिलाड़ियों की आमद न के बराबर रही। दिल्ली? और हरियाणा और उससे सटे प्रान्तों से क्रिकेटरों का आयातित किया जाना भी ये साल यूपीसीए के लिए खासा पहचाने जाने वाला साल साबित हो गया। हालांकि अभी भी कुछ मामले कहीं पुलिस तो कहीं राजभवन के साथ ही न्यायालय के दरवाजों पर खड़े हैं, जो वक्त का इन्तजार कर रहें हैं। क्रिकेट जगत के लोग यह आशा जता रहे हैं कि साल 2025 यूपीसीए के साथ ही प्रदेश के क्रिकेटरों के लिए आशा से भरा साल हो और संघ की पुरानी छवि एक बार फिर से लौट आए।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड अगस्त्य को लेकर पिता शाहरुख खान के पास पहुंचीं

सुहाना खान

अलीबाग फार्म हाउस में क्या होने वाला है?

हाल ही में बॉलीवुड के सभी सितारे क्रिसमस सेलिब्रेशन को लेकर चर्चा में थे, जिसके बाद से अब सभी की नजर उनके न्यू ईयर पार्टी पर टिकी हुई है. हालांकि, इधर बीच लोगों का अटेशन सबसे ज्यादा शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने लिया है. काफी वक्त से दोनों की डेटिंग की खबरें लोगों के बीच सर्कुलेट हो रही हैं और वहीं हाल ही में दोनों एक बार फिर साथ दिखे.न्यू ईयर पार्टी के लिए हाल ही में सुहाना और अगस्त्य दोनों साथ में दिखे. दोनों पार्टी के लिए शाहरुख खान के आलीशान अलीबाग फार्म हाउस जाते हुए नजर आए, इस दौरान दोनों ही बहुत कैजुअल लुक में थे, अगस्त्य ने इस वक्त पर आर्यन खान के डायवोल ब्रांड की कैप भी पहनी हुई थी. अलीबाग फार्म हाउस, डेजा वू फार्म्स नाम का एक आलीशान रिट्रीट है, जो कि शानदार पार्टियों को होस्ट करने के लिए बॉलीवुड सितारों की पसंद है. इस फार्म हाउस से कमाल का नजारा देखा जा सकता है.

फिर साथ दिखे सुहाना- अगस्त्य

सुहाना और अगस्त्य फार्म हाउस जाने के लिए गेटवे ऑफ इंडिया पर स्पॉट हुए, जहां से उन्होंने लोकेशन पर पहुंचने के लिए स्पीड बोट का सहारा लिया. फैन्स इस जोड़ी को काफी पसंद कर रहे हैं, हालांकि, अभी दोनों ने ही इस अफवाह के बारे में कुछ भी नहीं कहा है. दोनों के बारे में अफवाह उस वक्त फैलनी शुरू हुई जब दोनों कई बार एक साथ दिखाई देने लगे. दिवाली के वक्त दोनों पार्टी में साथ नजर आए थे. हालांकि, इसके अलावा दोनों वापस से अनन्या पांडे की कॉल मी बे के प्रीमियर के दौरान भी साथ दिखे थे.

नए प्रोजेक्ट पर कर रहे काम

फिल्मों की बात करें, तो सुहाना खान सुजॉय घोष के डायरेक्शन में बन रही फिल्म किंग की शूटिंग में बिजी हैं. इस फिल्म में वो अपने पिता यानी सलमान खान के साथ नजर आएंगी. उम्मीद की जा रही है कि ये फिल्म साल 2025 में सिनेमाघरों में दस्तक दे देगी. हालांकि, फिल्म के टाइटल में बदलाव किया जा सकता है. वहीं अगस्त्य की बात की जाए तो, वो श्रीराम राघवन की डायरेक्शन में बन रही फिल्म इक्कीस में नजर आएंगे.

कशिश कपूर ने लड़ाई सलमान खान के साथ जुबान! भाईजान ने निकाल दी सारी हेकड़ी

बिग बॉस 18 की वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट कशिश कपूर अपनी तिखी जुबान के लिए जानी जाती हैं. जैसे-जैसे शो फिनाले की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे कशिश के झगड़े बाकी कंटेस्टेंट्स के साथ बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं. बीते हफ्ते में कशिश और अविनाश मिश्रा की एक बातचीत को लेकर काफी तमाशा हुआ. अब वीकेंड का वार पर सलमान खान इस मामले पर बात करेंगे. इसी बीच कशिश कपूर शो के होस्ट सलमान खान के साथ जुबान लड़ाती हुई नजर आती हैं और सुपरस्टार भी उनको हड़काते हुए दिखाई देने वाले हैं.दरअसल शो के मेकर्स ने फैन्स की एक्साइटमेंट को बढ़ाने के लिए वीकेंड का वार का लेटेस्ट प्रोमो शेयर कर दिया है. इस वीकेंड का वार में सलमान उसी मुद्दे पर बात करेंगे, जिसपर पिछले दिनों से चर्चा जारी है. पूरे मामले की बात करें, तो कुछ हफ्ते पहले अविनाश मिश्रा और कशिश कपूर के बीच एक बातचीत हुई थी. उस दौरान अविनाश ने कशिश के साथ फ्लर्ट करते हुए उनसे कहा था कि ये एंगल भी चल सकता है. लेकिन इस बात को कशिश ने जिस तरह से घर में उठाया, उसने बाकी सभी कंटेस्टेंट्स को भी सोच में डाल दिया.

सलमान खान ने लगाई कशिश की क्लास

अविनाश ने नॉमिनेशन टास्क के दौरान सारा की बात का जवाब देते हुए कहा कि कशिश उनके पास आई थी एंगल बनाने. इस लाइन को पकड़कर कशिश ने खूब तमाशा किया. जिसका सीधा असर अविनाश और ईशा सिंह के रिश्ते पर भी पड़ा. दोनों के बीच जमकर लड़ाई हुई. अब वीकेंड का वार पर सलमान भी इस पर अपनी राय रखेंगे. सलमान कशिश को कटघरे में बुलाएंगे और कहेंगे कि आप फ्लर्ट करती हो तो वो फ्लर्टिंग और सामने वाला जब फ्लेवर कहे तो एंगल.

इसपर कशिश कपूर अपनी बात रखते हुए कहती हैं, ये आई थी मेरे पास एंगल बनानेज्ये एक लाइन मुझे काफी परेशान कर रही थी. कशिश की बात को काउंटर करते हुए सलमान कहते हैं कि एंगल बनाने आप गई थीं मैडम. सलमान को टोकते हुए कशिश तुरंत कहती हैं कि नहीं सर मैं ये नहीं मानूंगी. तभी सलमान कहते हैं कि आप शुरुआत से इसे नाटक की तरह ले रही हैं. कशिश सलमान से एक सेकंड मांगती हैं, तो सलमान उन्हें 1 सेकंड देने से इनकार कर देते हैं. इसपर कशिश तेवर के साथ कहती हैं ठीक है. उनकी ये हरकत देख सलमान कहते हैं कि क्या, मेरे साथ इस तरह से बात करने की जरूरत नहीं है.

गोविंदा से शादी के खिलाफ थे सुनीता के पिता, ऐसे निकाला था अपना गुस्सा

गोविंदा अपने जमाने के दिग्गज कलाकारों में से एक हैं. एक वक्त था जब थिएटर्स में से हफ्तों गोविंदा की फिल्में उतरती नहीं थी. उस दौर में भी उनके दीवानों की कमी नहीं थी और आज भी उनके चाहने वाले लाखों हैं. गोविंदा, सुनीता से बहुत प्यार करते थे और सुनीता से उन्होंने महज 18 साल की उम्र में शादी कर ली थी. गोविंद उस वक्त एक बड़े स्टार नहीं थे. उस वक्त दोनों ने अपनी शादी को लोगों से छिपाया था. अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सुनीता ने बताया कि कभी-कभी वो बच्चों की तरह बिहेव करती थीं. इस बातचीत में सुनीता की बेटी टीना भी थीं, जिन्होंने सुनीता और गोविंदा की शादी को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया.

इंडियन एक्सप्रेस की मानें तो हॉटरफ्लाई से बातचीत के दौरान सुनीता ने बताया कि शादी से पहले वो एक न्यूक्लियर फैमिली में रहती थीं. लेकिन गोविंदा से शादी के बाद वो एक ज्वाइंट फैमिली में रहने लगीं. सुनीता ने कहा, जब मैंने गोविंदा से शादी की तो उनका एक बड़ा परिवार था. मेरी शादी तब हुई जब मैं सिर्फ 18 साल की थी. जब टीना का जन्म हुआ तब मैं 19 साल की थी. मेरा एक बच्चा होने के बाद भी मैं एक बच्ची की तरह ही थी. उन्होंने कहा कि गोविंदा ने पहले ही ये बात साफ कर दी थी कि उनकी मां ही घर में हेड बनी रहेंगी, जब तक कि वो जिंदा हैं.

सुनीता ने कसा कृष्णा पर तंज ?

सुनीता ने आगे बताया, मैं अपने पति से बहुत प्यार करती थी. तब मुझे मेरे घर में दोनों बच्चे कृष्णा और विनय की आदत हो गई थी. उस वक्त वो दोनों बहुत छोटे थे, और मुझे बच्चों का बहुत शौक है. मेरा दिल इस बात की गवाही नहीं दे रहा था कि मैं उन दोनों बच्चों को घर से बाहर कर दूं. मेरा मानना है कि अगर आप अच्छे काम करते हैं तो भले ही आपके बच्चे बुरा करें, लेकिन भगवान आपके अच्छे काम देख रहा है. मैं अपने पति से बहुत प्यार करती हूं, इसलिए मैं सबकुछ कर सकती हूं.

गोविंदा की शादी में नहीं शामिल हुए थे ससुर

गोविंदा की बेटी टीना ने बताया कि उनकी मां कैसे एकदम अलग परिवार से आई थीं और उनके पिता से शादी के बाद मां ने खुद को पूरी तरह से बदल लिया. टीना ने कहा, मेरी मां हॉट पैंट पहनती थीं, पाली हिल्स में रहती थी और बहुत अमीर परिवार से हैं. लेकिन मेरे पिता फाइनेंशियली मजबूत नहीं थे, उस वक्त वो संघर्ष कर रहे थे. मेरे नाना को जब दोनों के अफेयर के बारे में पता चला तो वो नाराज हो गए. ये किसी बॉलीवुड स्टोरी से कम नहीं था. मेरे नाना ने मां से पूछा कि तुम एस्पायरिंग एक्टर से शादी करना चाहती हो. वो इससे बिल्कुल खुश नहीं थे और वो दोनों की शादी में शामिल भी नहीं हुए थे.

32 FLOP देने वाले एक्टर की बेटी बनीं

तृप्ति डिमरी

के लिए खतरा! नए 'प्रेम' आयुष्मान खुराना की कौन बनेगी प्रेमिका?

सूरज बड़जात्या और सलमान खान की फिल्मों ने जनता को खूब हंसाया और रुलाया है. प्रेम बनकर कई बार बड़े पर्दे पर धमाल मचाया. अब सूरज बड़जात्या ने अपना नया प्रेम ढूंढ लिया है, जो आयुष्मान खुराना बताए जा रहे हैं. इधर उनकी फिल्म में एंट्री हुई, दूसरी ओर रिपोर्ट आ गई कि उनके अपोजिट तृप्ति डिमरी नजर आएंगी. पर नई रिपोर्ट के मुताबिक, अबतक कुछ भी फाइनल नहीं है. उससे भी बड़ा खतरा तृप्ति डिमरी के लिए सामने आ गया है.हाल ही में मिड डे की एक रिपोर्ट सामने आई है. इससे पता लगा कि आयुष्मान खुराना के अपोजिट तृप्ति डिमरी के अलावा जिस नाम पर चर्चा चल रही है. वो हैं- सारा अली खान. दरअसल सूरज बड़जात्या के लिए फिलहाल दोनों टॉप च्वाइस है.

सारा या तृप्ति कौन होगा फाइनल ?

इस रिपोर्ट में लिखा गया है कि, सूरज बड़जात्या हर एक प्वाइंट पर सोच-विचार कर रहे हैं. जहां सारा अली खान का अंदाज और तरीका उस रोल के लिए परफेक्ट है. तो वहीं तृप्ति डिमरी ने 'कला' और 'बुलबुल' में इतना दमदार परफॉर्म किया था, कि बड़जात्या एकदम इम्प्रेस्ड हैं. यूं तो आयुष्मान खुराना और सारा अली खान पहले भी साथ में काम कर चुके हैं. हालांकि, अगर आयुष्मान खुराना के साथ तृप्ति को फाइनल किया जाता है, तो यह नई जोड़ी होगी.

फिलहाल सूरज बड़जात्या किसी भी जल्दबाजी के मूड में नहीं हैं. वो तृप्ति डिमरी और सारा अली खान के साथ जनवरी, 2025 में एक मीटिंग करेंगे. जहां दोनों का लुक टेस्ट होगा. इसके बाद ही एक एक्ट्रेस को आयुष्मान खुराना के अपोजिट फाइनल किया जाएगा. दरअसल आयुष्मान खुराना की कास्टिंग के पीछे फैमिली ऑडियंस वजह है. वो ऐसे प्रेम को अपनी फिल्म में लेना चाहते थे, जिसकी इमेज थोड़ी फैमिली वाली हो. इसके बाद कंफर्म किया. फिल्म साल 2025 की गर्मियों में फ्लोर पर आएगी.

32 फ्लॉप देने वाले एक्टर की बेटी

बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, सैफ अली खान ने अबतक अपने करियर में 32 फ्लॉप फिल्में दी हैं. आखिरी बार जूनियर एनटीआर की देवरा में दिखे थे. उन्होंने विलन का किरदार निभाया था, जो काफी पसंद किया गया था.

अब सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान तृप्ति डिमरी के लिए खतरा बन रही हैं. हालांकि, तृप्ति डिमरी के पास इस वक्त काम की कोई कमी नहीं है. उनके पास एक से बड़े एक प्रोजेक्ट्स हैं. इस साल तीन फिल्मों में नजर आई थी. पर कुछ खास धमाल नहीं मचा पाई. देखना होगा आखिर में किसे फाइनल किया जाता है.